THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 81 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.8 2083 सोमवार, 22 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

ईरान हिजबुल्लाह को रोके, वरना फिर हमला करेंगे : ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी, 21 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी दी कि वह लेबनान में अपने समर्थक संगठन हिजबुल्लाह की गतिविधियों पर रोक लगाए। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अगर ऐसा ईरान ने हिजबुल्लाह को नहीं रोका, तो अमेरिका उस पर पिछले हफ्ते से भी ज्यादा बड़ा हमला करेगा। इसी बीच स्विट्जरलैंड के बुर्गेनस्टॉक में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत शुरू हो गई है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने वार्ता के दौरान कहा कि पिछले कुछ घंटों में अच्छी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान मिलकर शांति और समृद्धि के लिए काम कर सकते हैं।

पश्चिम बंगाल में अब दंगाइयों की खैर नहीं

कोलकाता, 21 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में अब पुलिस थानों पर हमला, सरकारी दफ्तरों में तोड़फोड़ और हिंसक भीड़ के उपद्रव पर लगाम कसने की तैयारी शुरू हो गई है।

सुवेंदु सरकार विधानसभा में दो ऐसे अहम बिल पेश करने जा रही है, जिनका मकसद सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ कानून हाथ में लेने वालों पर कड़ा शिकंजा कसना है। राज्य सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, गृह विभाग सोमवार को इन प्रस्तावित कानूनों को कैबिनेट की मंजूरी के लिए पेश कर सकता है। इसके बाद इन्हें विधानसभा के बजट सत्र में रखा जाएगा।

70 की उम्र में 50 जैसा दिखें : मोदी

योग इसमें मददगार, यह सबको जोड़ता है, पीएम ने 5 आसन लोगों को सिखाया

कोलकाता, 21 जून (एजेंसियां)। पीएम मोदी रविवार को कोलकाता में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह शामिल हुए। उन्होंने कहा- हमारा लक्ष्य 40 साल की उम्र में 20 साल की उम्र से ज्यादा लचीले होना, 50 साल की उम्र में 30 से ज्यादा ऊर्जावान और 70 की उम्र में 50 साल से ज्यादा स्वस्थ रहना होना चाहिए।

पीएम ने कहा कि योग दुनिया का सबसे बड़ा सामुदायिक उत्सव बन चुका है, जो लोगों, देशों और संस्कृतियों को एक साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि 21 जून, जो पृथ्वी का सबसे लंबा दिन माना जाता है, अब पूरी दुनिया में योग दिवस के रूप में मनाया जाता है।

पीएम के साथ कोलकाता के ऐतिहासिक 'रेड रोड' पर हजारों लोगों ने योग किया। पीएम ने ताड़ासन, अर्धचक्रासन, भद्रासन, त्रिकोणासन सहित 5 आसन किए। कॉमन प्रोटोकॉल योग सत्र के दौरान पीएम लोगों के बीच पहुंचे और उनकी योग मुद्राओं को सुधारने में मदद करते नजर आए।

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग यानी बढ़ती उम्र के लिए योग है। इस थीम का मकसद यह बताना है कि योग सिर्फ फिटनेस का माध्यम नहीं, बल्कि उम्र बढ़ने के साथ शरीर, मन और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने का भी तरीका है।

योग बैलेंस जीवन की कला सिखाता है

50 की उम्र में 30 जैसी एनर्जी जरूरी : जब हम हेल्दी एजिंग (उम्र बढ़ने के साथ सेहतमंद रहने) के लिए योग की बात करते हैं,तो इसका मतलब है- उम्र बढ़ने से क्षमता कम न हो। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि 40 की उम्र में 20 जैसे लचीले हों। 50 की उम्र में 30 से ऊर्जावान रहें। 70 की उम्र में 50 जैसा दिखें और स्वस्थ रहें। इसीलिए 'हेल्दी एजिंग के लिए योग' थीम को सिर्फ बुजुर्गों के लिए नहीं, बल्कि सभी उम्र के लोगों के लिए देखा जाना चाहिए।

सबको जोड़ता है योग : विश्व के अलग-अलग हिस्सों से योग की एक से एक अद्भुत तस्वीर आ रही है। पूरा देश योग की उर्जा के चैत्नय से भरा हुआ नजर आ रहा है। पूरा विश्व एक-दूसरे से जुड़ा हुआ दिख रहा है। यही तो योग की ताकत है। योग सबको जोड़ता है। योग सबको साथ लाता है।

योग सबके लिए : योग जब स्वभाव में आता है तो मानवीय एकता का आधार पर बन जाता है। योग केवल शारीरिक श्रम का साधन नहीं है। यह किसी एक आयु वर्ग के लिए सीमित नहीं है। योग सबके लिए है।

योग स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी : आज के आधुनिक समय में लोग जीवन के असतुंलन से जूझ रहे हैं। उन्हें मशक्कत करनी पड़ रही है। योग बैलेंस जीवन जीने की कला सिखाता है। जब हम हमारे शरीर को सही तरीके से चलाना सीख लेते हैं तो स्वास्थ्य हमारा स्वभाव बन जाता है। योग केवल शरीर के स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य का मार्ग भी दिखाता है।

योग व्यक्ति, समाज और विश्व चेतना को जोड़ने का सशक्त माध्यम : राष्ट्रपति मुर्मु

जबलपुर, 21 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने हिस्सा लिया और योगाभ्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति को स्वयं और समाज से, समाज को प्रकृति से तथा संपूर्ण मानवता को विश्व चेतना से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने देशवासियों और विश्वभर के योग साधकों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, "जबलपुर की पावन

धरती पर उपस्थित होकर मुझे प्रसन्नता हो रही है। मैं देश-विदेश में सक्रिय सभी योग साधकों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देती हूं। आज हम भारत की उस महान परंपरा का उत्सव मना रहे हैं, जिसने मानवता को स्वस्थ, संतुलित और सार्थक जीवन का मार्ग दिखाया है। योग विश्व समुदाय के लिए हमारी सांस्कृतिक धरोहर का अमूल्य उपहार है। यह हमारे ऋषियों-मुनियों की हजारों वर्षों की साधना का परिणाम है। राष्ट्रपति ने कहा, "हमारे शास्त्रों में शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को जीवन की सफलता का आधार माना गया है। योग उसी संतुलन को स्थापित करने का मार्ग है। योग का शाब्दिक अर्थ है 'जोड़ना'। यह व्यक्ति को स्वयं और समाज से, समाज को प्रकृति से तथा संपूर्ण मानवता को विश्व चेतना से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।

तमिलनाडु में बड़ा हादसा

सीफूड यूनिट में अमोनिया गैस लीक होने से सात महिलाओं की मौत

65 से अधिक श्रमिक बेहोश, सीएम ने जांच के लिए गठित की समिति

तिरुवल्लूर, 21 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में रविवार को एक सीफूड निर्यात इकाई में अमोनिया गैस रिसाव की घटना सामने आई है। यह रिसाव पेरियापालयम के पास कन्निगाइपैर स्थितसेंट पीटर्स पॉल सीफूड्स एक्सपोर्ट्स फैक्ट्री में हुआ। जिसमें सात महिलाओं की मौत हो गई और 67 श्रमिक बीमार हैं। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं और राहत एवं बचाव कार्य जारी है। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही अरक्कोनम स्थित राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की चौथी बटालियन को अलर्ट किया गया। इसके बाद चेन्नई से 30 एनडीआरएफ कर्मियों की एक विशेष टीम तुरंत मौके के लिए रवाना की गई।

घटनास्थल पर पहुंची एनडीआरएफ की टीम : एनडीआरएफ की टीम अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरणों से लैस होकर घटनास्थल पहुंची। टीम के पास पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट (पीपीई), गैस डिटेक्शन डिवाइस और रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु (सीबीआरएन) आपदा से निपटने वाले विशेष उपकरण मौजूद हैं। अधिकारियों के अनुसार, गैस रिसाव को नियंत्रित करने और प्रभावित क्षेत्र को सुरक्षित बनाने के लिए बचाव एवं राहत कार्य जारी है। फिलहाल स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत होने या गंभीर रूप से प्रभावित होने की सूचना नहीं मिली है।

67 श्रमिक बेहोश, नौ गंभीर चेन्नई रेफर : तिरुवल्लूर जिले की कलेक्टर एस. कविता ने बताया कि 46 मरीजों का इलाज वेल्स हॉस्पिटल में और 21 का इलाज वेंकटेश्वर हॉस्पिटल में चल रहा है। सबसे गंभीर रूप से बीमार नौ मरीजों को एम्बुलेंस के जरिए चेन्नई के सरकारी स्टेनली मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल भेजा गया है। जिला कलेक्टर ने बताया कि यह घटना पेरियापालयम के पास मंजंगरानई स्थित एक समुद्री खाद्य प्रसंस्करण इकाई में हुई। गैस रिसाव की सूचना मिलते ही प्रभावित श्रमिकों को नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया।

>12

समिति को 24 घंटे में रिपोर्ट सौंपनी है

वहीं, इस घटना की जांच के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने एक समिति बनाने का निर्देश दिया है। तीन सदस्यों वाली इस समिति में 'औद्योगिक सुरक्षा और स्वास्थ्य निदेशक', 'प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव' और 'सार्वजनिक स्वास्थ्य के अतिरिक्त निदेशक' शामिल हैं। समिति को 24 घंटे में अंतरिम रिपोर्ट और तीन दिनों में अंतिम रिपोर्ट सौंपनी है। मुख्यमंत्री ने आईटी मंत्री/तिरुवल्लूर के प्रभारी मंत्री को निर्देश दिया कि वे निगरानी अधिकारी डॉ. केपी कार्तिकेयन के साथ तुरंत तिरुवल्लूर पहुंचें और जिला कलेक्टर व जिला प्रशासन के साथ मिलकर प्रभावित लोगों को हर संभव मदद और देखभाल सुनिश्चित करें।

राज्यपाल अर्लेकर ने घटना पर जताया दुख

तमिलनाडु लोकभवन की तरफ से एक्स पर किए गए पोस्ट में लिखा गया- 'तिरुवल्लूर जिले के पेरियापालयम के पास कनिगईपैर गांव में एक झींगा प्रोसेसिंग फैक्टरी में अमोनिया गैस लीक की दुखद घटना से मुझे गहरा दुख हुआ है। इस घटना में कई लोगों की जान चली गई और कई कर्मचारी घायल हो गए। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि उन्हें इस मुश्किल समय में हिम्मत और हौसला मिले। मैं उन सभी लोगों के जल्द ठीक होने की भी प्रार्थना करता हूं जिनका इलाज चल रहा है और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं'।

नीट री-एग्जाम, एक-दो मिनट देर से पहुंचे छात्रों को नो-एंट्री

हिजाब पर विवाद, कलावा-इयररिंग्स उतरवाए, कपड़ों से चेन-बटन निकाले, हैदराबाद में छात्रा ने सुसाइड किया

नई दिल्ली/ भोपाल/जयपुर/ लखनऊ, 21 जून (एजेंसियां)। देश के 22.79 लाख से ज्यादा छात्रों ने आज नीट-यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा दी। इसके लिए देश के 551 शहरों और विदेश के 14 शहरों में 5,440 केंद्र बनाए गए। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे के बीच हुई।

छात्रों को सुबह 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक एग्जाम सेंटरों में एंट्री दी गई। एक-दो मिनट देर से पहुंचने पर मुंबई में 2 और बेंगलुरू में 4 स्टूडेंट्स को एग्जाम सेंटर में एंट्री नहीं दी गई।

बेंगलुरू में लड़कियों ने रेलिंग कूदकर अंदर जाने की कोशिश की, लेकिन एग्जाम रूम का गेट बंद हो चुका था। राजस्थान के अजमेर में हिजाब पहन कर आई एक छात्रा को एंट्री देने से पहले मना किया गया। काफी बहस के बाद उसे अंदर भेजा गया।

हिसार में भी एग्जाम से ठीक पहले 19 साल की एक छात्रा ने घर में रखा कीटनाशक पी लिया। बरवाला क्षेत्र के गांव ढाणी खान बहादुर की सिमरन 2 बार नीट दे चुकी थी।

एनटीए को यह री-एग्जाम नीट-यूजी की 3 मई की परीक्षा रद्द होने के चलते कराना पड़ा है। 3 मई को हुई परीक्षा में पेपर लीक के आरोप लगे थे, जिसकी जांच हो रही है।

इस बार पेपर लीक रोकने के लिए एयरफोर्स का सहारा लिया गया। पहली बार वायुसेना के विमान और हेलिकॉप्टरों ने 200 से ज्यादा उड़ानें भरकर नीट-यूजी के क्वेश्चन पेपर देश के अलग-अलग जोन तक पहुंचाए।

री-एग्जाम के लिए 2 लाख से ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए। एनटीए के मुताबिक, 95 हजार से ज्यादा एग्जाम सेंटरों में सीसीटीवी से निगरानी हुई। कुल 1,38,560 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से होने वाली गड़बड़ियों को रोकने के लिए 51,311 जैमर लगाए गए थे।

नीट परीक्षा के दबाव में छात्रा ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मियापुर क्षेत्र में नीट परीक्षा की तैयारी कर रही 19 वर्षीय छात्रा ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, छात्रा अपनी बहनों के साथ एक अपार्टमेंट में रहती थी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उसने शनिवार को आत्महत्या की। पुलिस को मौके से एक कथित सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें लिखा गया है कि उसकी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। पुलिस को आशंका है कि रविवार को आयोजित नीट पुनर्परीक्षा के दबाव को सहन न कर पाने के कारण छात्रा ने यह कदम उठाया। मामले की जांच की जा रही है।

14,000 फीट की ऊंचाई से लेकर समुद्र की गहराई तक योगाभ्यास

नौसेना और केंद्रीय बलों ने मनाया योग दिवस

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। देशभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। भारतीय नौसेना और केंद्रीय बलों की ओर से योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास किया गया। भारतीय नौसेना ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

नौसेना की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा गया, मन से शांत। शरीर से मजबूत। सेवा के प्रति समर्पित। नौसेना की ओर से आगे लिखा गया, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर नौसेना ने 'स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग' थीम को अपनाया है, जिससे एक स्वस्थ और मिशन के लिए तैयार फोर्स की नींव मजबूत हो रही है। भाजपा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, "समंदर की गहराइयों में भी योग का संकल्प। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भारतीय नौसेना के पनडुब्बी योद्धाओं ने योगाभ्यास कर अनुशासन, आत्मबल और भारतीय संस्कृति का अद्भुत संदेश दिया।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) जवानों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास किया। सीआरपीएफ की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा गया कि बेहतर भविष्य के लिए योग!

जदयू की महाबैठक में अहम फैसले लिए गये

नीतीश कुमार अध्यक्ष घोषित, निशांत कुमार के लिए भी हो गया फैसला

पटना, 21 जून (एजेंसियां)। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की राष्ट्रीय परिषद और राज्य परिषद की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को पटना में संपन्न हो गई। बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। सबसे महत्वपूर्ण निर्णय के तहत नीतीश कुमार को सर्वसम्मति से पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया गया। वहीं राज्य परिषद की बैठक में उमेश कुशवाहा को एक बार फिर प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपे जाने पर भी मुहर लगा दी गई। बैठक के दौरान पार्टी नेताओं ने साफ संकेत दिए कि आने वाले समय में निशांत कुमार की भूमिका संगठन में और बढ़ेगी।

नीतीश कुमार के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर लगी औपचारिक मुहर : राष्ट्रीय परिषद की बैठक में नीतीश कुमार को राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने का औपचारिक अनुमोदन किया गया। पार्टी नेताओं ने उनके नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए कहा कि जदयू आगे भी उनके विजन और विकास मॉडल को लेकर आगे बढ़ेगी। उप मुख्यमंत्री विजय चौधरी ने कहा

कि राष्ट्रीय परिषद की बैठक में नीतीश कुमार के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की औपचारिक घोषणा की गई है। पार्टी उनके विचारों और कामों को आगे बढ़ाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में निशांत कुमार भी शामिल हुए और आने वाले दिनों में पार्टी को संगठनात्मक स्तर पर कई महत्वपूर्ण काम करने हैं।

राज्य परिषद की बैठक में उमेश कुशवाहा को फिर मिली जिम्मेदारी : राज्य परिषद की बैठक में उमेश कुशवाहा को दोबारा प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर भी सहमति बनी। पार्टी नेताओं ने कहा कि संगठन को मजबूत करने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है और आगे भी वे कार्यकर्ताओं को एकजुट रखने का काम करेंगे।

बैठक में पहली बार निशांत कुमार की सक्रिय मौजूदगी ने राजनीतिक गलियारों में चर्चा बढ़ा दी। कई नेताओं ने उन्हें पार्टी का भविष्य बताया। मंत्री लेशी सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को मंजूरी दी गई और दूसरे सत्र में नीतीश कुमार के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने का औपचारिक अनुमोदन किया गया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में काम करना हम सभी के लिए गर्व की बात है। साथ ही उन्होंने कहा कि निशांत कुमार अब सक्रिय हो चुके हैं और वे पार्टी का भविष्य हैं। उनके नेतृत्व में आने वाले समय में जदयू और मजबूत होगी।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि नीतीश कुमार जल्द ही बिहार यात्रा पर निकलेंगे। इस दौरान वे राज्य के विभिन्न जिलों में जाकर सरकार और संगठन के कामकाज की जानकारी लोगों तक पहुंचाएंगे।

पंजाब के निहंगों ने उत्तराखंड में गुरुद्वारे पर कब्जा किया

कहा- घुसने वाले को काट देंगे, एसपी समझाने पहुंचीं तो धमकी दी

रुद्रप्रयाग/चंडीगढ़, 21 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड के चमोली स्थित कर्णप्रयाग में 16 जून को हुए विवाद के बाद शनिवार देर शाम रुद्रप्रयाग के नगरासू स्थित गुरुद्वारे में पंजाब से आए निहंगों ने कब्जा कर लिया। उन्होंने दो लोगों को बंधक भी बनाया। हालांकि, विवाद बढ़ने पर निहंगों ने एक व्यक्ति को छोड़ दिया, जबकि एक सेवादार को बंधक बनाए रखा।

निहंगों ने चेतावनी दी है कि गुरुद्वारे में घुसने वाले को काट देंगे। रविवार सुबह रुद्रप्रयाग के डीएम विशाल मिश्रा निहंगों से बातचीत करने पहुंचे, लेकिन उन्होंने बातचीत से इनकार कर दिया। इससे पहले एसपी निहारिका तोमर ने दो दौर की बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन बाचचीत विफल रही।

गुरुद्वारे के सेवादारों ने बताया कि इस दौरान निहंगों ने एसपी निहारिका तोमर को धमकी दी। सेवादारों के मुताबिक, प्रशासन ने निहंगों को बातचीत के लिए बुलाया, लेकिन उन्होंने नीचे आने से इनकार कर दिया। उन्होंने एसपी से कहा कि यदि कोई ऊपर आया तो उसे काट देंगे। सेवादारों ने प्रशासन से मांग की है कि पकड़े गए लोगों को बिना किसी केस के सम्मानपूर्वक पंजाब भेज दिया जाए।

प्रशासन ने एहतियात के तौर पर गुरुद्वारे के आसपास करीब 15 किलोमीटर क्षेत्र में अगले आदेश तक इंटरनेट सेवा बंद कर दी है। यह इलाका गुरुद्वारा साहिब के यात्रा मार्ग पर पड़ता है।

मदद के लिए आई आईटीबीपी :

शनिवार देर शाम निहंगों ने दो लोगों को बंधक बना लिया था। विवाद बढ़ने पर एक व्यक्ति को छोड़ दिया गया, जबकि एक सेवादार को बंधक बनाए रखा गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

तुषार मेहता तीन साल के लिए फिर बने भारत के सॉलिसिटर जनरल

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने तुषार मेहता को भारत का सॉलिसिटर जनरल फिर से नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। उनकी नियुक्ति 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी होगी और यह तीन साल के अतिरिक्त कार्यकाल के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, लागू रहेगी।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा जारी आदेश के अनुसार, कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने देश के दूसरे सबसे बड़े कानून अधिकारी के रूप में तुषार मेहता को बनाए रखने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। आदेश में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने तुषार मेहता को 1 जुलाई, 2026 से या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, तीन वर्ष के और कार्यकाल के लिए भारत का सॉलिसिटर जनरल पुनर्नियुक्त करने की मंजूरी दी है।

नौसेना को मिले तीन स्वदेशी आईएनएस

ब्रह्मोस से लैस दूनागिरी, संशोधक देगा सुरक्षित राह, अग्रय बिछाएगा बारूदी सुरंग

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। भारत ने समुद्री सुरक्षा और आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। भारतीय नौसेना में रविवार को तीन अत्याधुनिक स्वदेशी युद्धपोतों आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और आईएनएस अग्रय को शामिल किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में कोलकाता में इन तीनों जहाजों को नौसेना में कमीशन किया गया। ये तीनों प्लेटफॉर्म पूरी तरह भारत में डिजाइन और निर्मित किए गए हैं। एक ओर आईएनएस दूनागिरी दुश्मन के रडार को चकमा देकर सटीक हमला करने में सक्षम है, तो दूसरी ओर आईएनएस अग्रय दुश्मन की पनडुब्बियों का शिकार कर सकता है। वहीं आईएनएस संशोधक समुद्र की गहराइयों का अध्ययन और समुद्री मार्गों की मैपिंग करेगा। इन तीनों युद्धपोतों के शामिल होने से भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत कई गुना बढ़ गई है।

आईएनएस दूनागिरी को नौसेना का नया ब्रह्मास्त्र क्यों कहा जा रहा है :

आईएनएस दूनागिरी प्रोजेक्ट-17ए के तहत बना पांचवां स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट है। इसका डिजाइन भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है, जबकि इसका निर्माण कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने किया है। यह युद्धपोत ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल से लैस है और सतह, हवा तथा पानी के नीचे मौजूद खतरों का एक साथ मुकाबला कर सकता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसका बेहद कम रडार क्रॉस-सेक्शन है, जिससे दुश्मन के लिए इसकी पहचान करना कठिन हो जाता है। लगभग 6,700 टन वजनी यह युद्धपोत 30 नॉट की अधिकतम गति से चल सकता है।

हनुमान जी से आईएनएस दूनागिरी का क्या संबंध :

> आईएनएस दूनागिरी का नाम हिमालय के द्रोणागिरी पर्वत के नाम पर रखा गया।

> पौराणिक मान्यता के अनुसार, हनुमान जी लक्ष्मण के प्राण बचाने के लिए द्रोणागिरी पर्वत को उठाकर लाए थे।

> नौसेना के अनुसार, यह युद्धपोत हनुमान जी की शक्ति, साहस और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है।

> आईएनएस दूनागिरी के कमिशनिंग कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन दिव्य आलोक ने कहा कि युद्धपोत उसी समर्पण और सेवा भावना से देश की रक्षा करेगा।

> यह आधुनिक स्टेल्थ तकनीक से लैस है, जिससे दुश्मन के लिए इसका पता लगाना मुश्किल होता है।

> इसमें बराक-8 मिसाइल, स्वदेशी वरुणास्त्र टॉरपीडो, एंटी-सबमरीन रॉकेट लॉन्चर, मल्टी-फंक्शन रडार और कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम लगे हैं।

इंस्टाग्राम दोस्ती का खौफनाक अंतः सूरत में नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल

सूरत, 21 जून (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत में एक तीसरे वर्ष की स्नातक छात्रा के साथ दुष्कर्म और ब्लैकमेल का मामला सामने आया है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि मुख्य आरोपी दीपक ने उसे नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया, उसके नग्न वीडियो बनाए और फिर उसी वीडियो का इस्तेमाल कर बार-बार यौन शोषण किया। सिंगनपुर पुलिस ने दीपक, उसके चाचा और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ दुष्कर्म, आपराधिक धमकी और संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी के चाचा को गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़िता (जो हाल ही में 18 वर्ष की हुई है) ने पुलिस को बताया कि अगस्त 2025 में वह इंस्टाग्राम के जरिए दीपक के संपर्क में आई थी। ऑनलाइन बातचीत के बाद दोनों कतरगाम स्थित एक कॉफी शॉप में मिले। वहां दीपक ने उसकी कॉफी में नशीला पदार्थ मिला दिया। इसके बाद उसे बेहोशी की हालत में एक अज्ञात जगह ले जाया गया, जहां दीपक का चाचा भी मौजूद था।

पिनराई विजयन की बेटी की मुश्किलें बढ़ीं

ईडी ने वीणा को दोबारा भेजा समन, 29 जून को पूछताछ के लिए बुलाया

कोच्चि, 21 जून (एजेंसियां)। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की बेटी वीणा टी की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सीएमआरएल मनी लॉन्ड्रिंग मामले में वीणा को दोबारा समन जारी कर 29 जून को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। इससे पहले ईडी ने 17 जून को उनसे नौ घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी। अब एजेंसी ने जांच के दौरान मिले नए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर फिर से उन्हें तलब किया है। इस मामले को लेकर केरल की राजनीति भी गरमा गई है और विपक्ष लगातार राज्य सरकार पर निशाना साध रहा है।

ईडी की जांच उस कथित वित्तीय लेनदेन से जुड़ी है, जिसमें खनन कंपनी कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) द्वारा वीणा की अब बंद हो चुकी आईटी कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को 2.78 करोड़ रुपये का भुगतान किए जाने का आरोप है। जांच एजेंसी का दावा है कि यह राशि कंपनी को किसी सेवा के बदले नहीं दी गई थी। ईडी का आरोप है कि भुगतान के बावजूद एक्सालॉजिक ने कोई वास्तविक सेवा

प्रदान नहीं की। इसी आधार पर एजेंसी इस पूरे लेनदेन को संदिग्ध मानते हुए मनी लॉन्ड्रिंग के पहलू की जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, 17 जून को हुई पहली पूछताछ के दौरान वीणा के बयान दर्ज किए गए थे। इसके बाद एजेंसी ने उपलब्ध दस्तावेजों, बैंक रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों का विश्लेषण किया। जांच के दौरान कुछ और तथ्यों को स्पष्ट करने की जरूरत महसूस की गई, जिसके बाद ईडी ने वीणा को दोबारा तलब करने का फैसला किया। बताया जा रहा है कि अब तक इस मामले में चार अन्य आरोपियों के बयान भी दर्ज किए जा चुके हैं। 19 जून को ईडी अधिकारियों ने तिरुवनंतपुरम में वीणा के बैंक लॉकरों का भी निरीक्षण किया था।

ईडी के अनुसार, सीएमआरएल के प्रबंध निदेशक ससिधरन कर्था की कंपनी एम्पावर इंडिया कैपिटल इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड ने एक्सालॉजिक को 50 लाख रुपये का कर्ज भी दिया था। एजेंसी का आरोप है कि समय पर यह कर्ज नहीं लौटाया गया। ईडी का कहना है कि इन लेनदेन के जरिए वीणा और सीएमआरएल प्रबंधन ने कथित तौर पर अपराध से अर्जित आय यानी 'प्रोसीड्स ऑफ क्राइम' उत्पन्न की। यही वजह है कि एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया है। यह मामला तब सामने आया जब कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की जांच शाखा सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) ने अप्रैल 2025 में एर्नाकुलम की अदालत में अभियोजन शिकायत दायर की।

एसएफआईओ ने आरोप लगाया था कि एक्सालॉजिक और सीएमआरएल के बीच ऐसा समझौता हुआ था, जिसके तहत बिना कोई सेवा दिए भुगतान किया गया। गौरतलब है कि जनवरी 2019 में आयकर विभाग की छापेमारी के दौरान सीएमआरएल में करीब 130 करोड़ रुपये के संदिग्ध फर्जी खर्च और वित्तीय अनियमितताओं का मामला सामने आया था। इसके बाद से ही कंपनी केंद्रीय एजेंसियों की जांच के दायरे में है।

चोरी के शक में 8 साल की बच्ची की पीट-पीटकर हत्या

कील वाले डंडे से दिए 17 घाव आरोपी आमीन जेल भेजा गया

ग्वालियर, 21 जून (एजेंसियां)। पुरानी छावनी स्थित बरा गांव में आठ वर्षीय मासूम बालिका को बेरहमी से पीटने वाला आरोपी आमीन खान जेल भेज दिया गया है। बच्ची के शव को स्वजन के सुपुर्द कर दिया था। स्वजन ने शव को दफना दिया। आमीन खान ने पूछताछ में अपना जुर्म कुबूल किया है। उसने कहा कि डंडे से मारपीट की थी, लेकिन उसे यह नहीं लगा था कि उसकी मौत हो जाएगी। बरा गांव में रहने वाली आठ वर्षीय बालिका के पिता मजदूरी करते हैं। वह गुरुवार को काम पर गए थे।

बच्ची आसपास के बच्चों के साथ खेल रही थी। तभी वह पड़ोस में रहने वाले आमीन खान के घर पहुंच गई। आमीन खान के घर के दरवाजे पर ताला लटका था। इस ताले पर लटककर खोल लिया, फिर घर के अंदर पहुंची। यहां गुल्लक में रुपये व आमीन की पत्नी रेशमा का सोने का पेंडेंट रखा हुआ था। जब आमीन घर पहुंचा तब चोरी होने का पता लगा। आसपास के लोगों ने आठ वर्षीय बालिका का नाम बताया।

केरल में ऑर्गन ट्रैफिकिंग रैकेट का भंडाफोड़

ईडी ने एकसाथ 9 ठिकानों पर मारी रेड, कैसे किया एक्सपोज?

कोच्चि, 21 जून (एजेंसियां)। केरल में ऑर्गन ट्रैफिकिंग के एक बड़े रैकेट का खुलासा हुआ है। इस मामले में ईडी ने 18 जून को राज्य के 9 ठिकानों पर छापेमारी की थी। जांच एजेंसी का कहना है कि ये गिरोह गरीब और आर्थिक तंगी से जूझ रहे लोगों को पैसे का लालच देकर उनके ऑर्गन हासिल करता था और फिर जरूरतमंद मरीजों से मोटी रकम वसूलता था। ईडी की जांच के मुताबिक ये रैकेट 2021 से 2026 के बीच सक्रिय था। आरोप है कि मोहम्मद नजीब के और उसकी सहयोगी रशीदा एए ने अपनी कंपनी कल्लाथारस मेडिकल टूरिज्म प्राइवेट लिमिटेड के जरिए पूरे नेटवर्क को संचालित किया। गिरोह में कई एजेंट और बिचौलिए शामिल थे, जो आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को अंग दान के बदले 5 से 15 लाख रुपये देने का लालच देते थे।

वहीं ऑर्गन प्राप्त करने वाले मरीजों से 20 से 35 लाख रुपये या उससे भी अधिक रकम वसूली जाती थी। जांच में सामने आया है कि अंग प्रत्यारोपण को कानूनी दिखाने के लिए बड़े पैमाने पर फर्जी दस्तावेज तैयार किए जाते

थे। इनमें पुलिस की ओर से जारी कथित प्रमाणपत्र, जनप्रतिनिधियों के सिफारिशी पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड और अन्य दस्तावेज शामिल थे। आरोप है कि ये फर्जी कागजात एर्नाकुलम के पल्लिक्करा इलाके में स्थित कुछ डिजिटल और डीटीपी केंद्रों की मदद से तैयार किए जाते थे। ईडी के मुताबिक फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अंग प्रत्यारोपण की अनुमति हासिल की जाती थी और बाद में एर्नाकुलम के बड़े अस्पतालों में ट्रांसप्लांट कराए जाते थे।

इस पूरे नेटवर्क के जरिए अवैध कमाई की गई, जिसकी अब जांच की जा रही है। छापेमारी के दौरान ईडी को कई अहम दस्तावेज और डिजिटल सबूत मिले है। इनमें अंग प्रत्यारोपण से जुड़े रिकॉर्ड, दाताओं और प्राप्तकर्ताओं की जानकारी, जिला स्तरीय प्राधिकरण समिति को जमा किए गए दस्तावेज और कई संदिग्ध कागजात शामिल है।

एजेंसी ने आरोपियों और उनके सहयोगियों की संपत्तियों का भी ब्योरा जुटाया है, ताकि ये पता लगाया जा सके कि अपराध से अर्जित धन से कौन-कौन सी संपत्तियां खरीदी गई। ईडी ने इस मामले से जुड़े एजेंटों और बिचौलियों के कई बैंक खातों को भी फ्रीज कर दिया है। साथ ही आरोपियों और उनसे जुड़ी संस्थाओं के बैंक खातों की जांच की जा रही है, ताकि पैसे के लेन-देन और मनी लॉन्ड्रिंग के पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

केरल पुलिस की एफआईआर के आधार पर शुरू हुई इस जांच में ईडी अब ये पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस अवैध कारोबार से आखिर किसे सबसे ज्यादा फायदा हुआ और इसमें और कौन-कौन लोग शामिल थे। मामले की जांच जारी है।

40 लाख के कमीशन पर दी थी एमसीएक्स के 1 करोड़ रुपये वसूलने की सुपारी, रतलाम में सराफा कारोबारी के घर पर की थी फायरिंग

रतलाम, 21 जून (एजेंसियां)। थाना दीनदयाल नगर क्षेत्र के सैफी नगर में दोपहर सराफा कारोबारी के घर पर फायरिंग के मामले में पुलिस ने पांच आरोपितों पैलेस रोड निवासी 29 वर्षीय भोला पुत्र रामेश्वर पाटीदार, रिटायर्ड कालोनी लक्ष्मणपुरा निवासी 25 वर्षीय विनीत उर्फ चुचू पुत्र महेंद्र सिंह बड़गोतिया, आनंद कालोनी निवासी 24 वर्षीय अजय उर्फ गट्टू पुत्र हरिराम चौहान, रेल नगर निवासी 32 वर्षीय रविन्द्र पुत्र मिथलेश राजन तथा 43 वर्षीय कन्हैया नायक पुत्र हीरालाल को गिरफ्तार किया है। जांच में आया कि फरार आरोपित विनोद उर्फ विनू शर्मा ने एमसीएक्स की एक करोड़ की वसूली के लिए सुपारी लेकर साजिश के साथ घटना को अंजाम दिया। डील एक करोड़ वसूली के बाद उसमें से 40 प्रतिशत यानी 40 लाख रुपये में तय हुई थी। विनू के साथ मामले में गोलू बाबा सहित अन्य आरोपित फरार है। आरोपित भोला और चुचू के पुलिस से बचकर भागते समय पैर फ्रैक्चर हुए है। विनू शर्मा बजरंग दल पूर्व विभाग संयोजक रह चुका है।

योग दुनिया के लिए वरदान है: गृह मंत्री अनिता

विशाखापत्तनम, 21 जून (एजेंसियां)। योग दुनिया के लिए एक वरदान की तरह है। रविवार को योग दिवस के मौके पर विशाखापत्तनम में आयोजित कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वंगलपुडी अनिता मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुईं।

इस मौके पर मंत्री वंगलपुडी अनिता ने राज्य के लोगों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। पूरे राज्य में 15 दिनों तक 'योगान्ध्र' कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। मकसद योग को हर व्यक्ति की दिनचर्या का हिस्सा बनाना है। गांव और ज़िला स्तर पर योग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि इन योग कार्यक्रमों में अधिकारियों के साथ-साथ आम लोग भी हिस्सा लेंगे। आज छोटे बच्चे भी तनाव का सामना कर रहे हैं। स्वस्थ जीवन जीने और तनाव कम करने के लिए योग बहुत फायदेमंद है। विशाखापत्तनम में आयोजित 'योगान्ध्र' कार्यक्रम का गिनीज़ रिकॉर्ड में नाम दर्ज है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योगासन किए। गृह मंत्री अनिता ने बताया कि इस कार्यक्रम में लगभग तीन लाख लोगों ने हिस्सा लिया। टीडीपी एपी अध्यक्ष और विधायक पल्ला श्रीनिवास राव ने कहा कि भारत ने ही दुनिया को योग से परिचित कराया है। उन्होंने राज्य के लोगों को 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं। योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। सीएम चंद्रबाबू ने बताया कि योग को ग्रामीण स्तर तक ले जाया गया है।

ज़िला कलेक्टर एम। अभिषेक किशोर ने बताया कि विशाखापत्तनम ज़िले में पिछले कुछ महीनों से लगातार 'योगान्ध्र' कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ये योग कार्यक्रम नौसेना के सहयोग से रक्षा और पूर्व-सैनिकों की थीम पर आयोजित किए गए। उन्होंने इस मौके पर ज़िले के लोगों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी।

क्या आंध्र प्रदेश में लोग पुलिस से सबसे ज़्यादा डरते हैं? जगन ने पूछा

अमरावती, 21 जून (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआरसीपी अध्यक्ष वाईएस। जगन मोहन रेड्डी ने यह जानना चाहा कि क्या आंध्र प्रदेश ऐसी स्थिति में पहुँच गया है जहाँ लोग पुलिस से सबसे ज़्यादा डरते हैं। चाहे वह गाडे साईं कृष्णा की कस्टडी में मौत हो - जिनका शव कथित तौर पर पुलिस ने चुपके से जला दिया था - या फिर क्रांति कुमार का आत्महत्या करना (जिन्होंने एक सेल्फी वीडियो में पुलिस द्वारा परेशान किए जाने का आरोप लगाया था), आंध्र प्रदेश में ऐसी कई घटनाएँ हुई हैं जो अलग-थलग दुखद घटनाएँ नहीं हैं। ये टीडीपी गठबंधन सरकार के 'रेड बुक' शासन के तहत पनपे खतरनाक कल्चर का नतीजा हैं। आज लोग ज़्यादा से ज़्यादा यह पूछ रहे हैं कि क्या पुलिस भारतीय संविधान के तहत काम कर रही है या @एनसीबीएनकी 'रेड बुक' के तहत। राज्य में पुलिसिंग की पहचान न्याय नहीं, बल्कि डर बनती जा रही है,

जगन ने 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने याद दिलाया कि जब 'रेड बुक' सामने आई थी, तभी वाईएसआरसीपी ने चेतावनी दी थी कि पुलिस के ज़रिए राजनीतिक बदले की भावना को बढ़ावा देने से पुलिस कानून को अपने हाथ में ले लेगी, संस्थाएँ भ्रष्ट हो जाएँगी और पुलिस बल का एक हिस्सा स्थापित कानूनों, नियमों और संवैधानिक सुरक्षा उपायों से परे जाकर काम करने के लिए बेखौफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वह चेतावनी अब एक दुखद सच्चाई बन गई है। सबसे पहले राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाया गया। उसके बाद सोशल मीडिया एक्टिविस्ट निशाने पर आए। इसके बाद पत्रकार, बुद्धिजीवी और असहमति जताने वाले लोग निशाने पर आए।

अपराधियों को जाति या धर्म के चश्मे से नहीं देखना चाहिए: उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण

काकीनाडा, 21 जून (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने इस बात पर जोर दिया कि अपराधियों को केवल अपराधी के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि जाति या धर्म के चश्मे से। उन्होंने कहा कि राज्य तभी प्रगति कर सकता है जब समाज जाति आधारित सोच से ऊपर उठ जाए। काकीनाडा में 'माना ऊरु-माता मन्थी' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शांति और सार्वजनिक व्यवस्था को भंग करने वाले असामाजिक तत्वों का किसी को भी बचाव नहीं करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि आपराधिक गिरोहों को शासन को प्रभावित करने और नागरिकों और अधिकारियों को डराने-धमकाने की अनुमति देना लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। काकीनाडा में 'माना ऊरु-माता मन्थी' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शांति और सार्वजनिक व्यवस्था को भंग करने वाले असामाजिक तत्वों का किसी को भी बचाव नहीं करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि आपराधिक गिरोहों को शासन को प्रभावित करने और नागरिकों और अधिकारियों को डराने-धमकाने की अनुमति देना लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है।

उन्होंने कहा, "अपराध की कोई जाति या धर्म नहीं होता। अपराधियों का मूल्यांकन उनके कार्यों के आधार पर किया जाना चाहिए, न कि उनकी सामुदायिक पहचान के आधार पर।" उन्होंने आगे कहा कि अगर अपराधी सत्ता में आ गए तो जनता का भविष्य खतरे में पड़ जाएगा। पवन कल्याण ने कहा कि गठबंधन सरकार किसी भी परिस्थिति में कानून-व्यवस्था से समझौता नहीं करेगी और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों से सख्ती से निपटेगी।

असम में अंबुबाची मेला की तैयारी तेज

कामाख्या मंदिर में आज से शुरू होगा चार दिवसीय उत्सव

गुवाहाटी, 21 जून (एजेंसियां)। पूर्वी भारत के सबसे बड़े धार्मिक उत्सवों में से एक अंबुबाची मेला 2026 के लिए असम सरकार और कामाख्या मंदिर प्रबंधन ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। गुवाहाटी की ऐतिहासिक

नीलाचल पहाड़ी पर स्थित माँ कामाख्या मंदिर में इस वर्ष देश-विदेश से 8 लाख से अधिक श्रद्धालुओं, साधु-संतों और तांत्रिक साधकों के जुटने की उम्मीद है। देवी कामाख्या के वार्षिक मासिक धर्म चक्र और स्त्री शक्ति के प्रतीक के रूप में मनाया जाने वाला यह चार दिवसीय उत्सव 22 जून को 'प्रवृत्ति' के साथ शुरू होगा और 26 जून को 'निवृत्ति' के साथ समाप्त होगा। इस दौरान तीन दिनों तक मंदिर के कपाट पूरी तरह बंद रहेंगे और श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा, स्वास्थ्य और भोजन के विशेष प्रबंध किए गए हैं। असम की पर्यटन मंत्री अजंता नियोग ने मेले की व्यवस्था को लेकर कहा, यह देश का सबसे बड़ा धार्मिक अंबुबाची मेला है। भारत और विदेश से लाखों लोग यहां आते हैं।

हम श्रद्धालुओं को पीने का पानी, भोजन, चिकित्सा सेवाएं और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हर तरह से तैयार हैं। हमने निचले स्थानों पर शिविर और भोजन की व्यवस्था की है। लगभग 8 लाख लोगों के आने की उम्मीद है, इसलिए इस आयोजन का प्रबंधन एक बड़ी चुनौती है। हम श्रद्धालुओं से अनुरोध करते हैं कि वे मेले के दौरान सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक कामाख्या मंदिर अवश्य आएं।

केंद्र पर मांगों में देरी का आरोप एपेक्स बॉडी और कारगिल अलायंस ने 23 जून को किया लद्दाख बंद का आह्वान

लेह, 21 जून (एजेंसियां)। लद्दाख के दोन प्रमुख संगठनों लेह एपेक्स बाडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस ने 23 जून को लद्दाख बंद का आह्वान किया है। दोनों ने केंद्र सरकार पर महत्वपूर्ण राजनीतिक और संवैधानिक मांगों पर निर्णय लेने में देरी करने का आरोप लगाया। बंद का आह्वान एलएबी और केडीए की संयुक्त कोर समिति की बैठक के बाद किया जिसमें सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, सांसद हाजी हनीफा जान, असगर करबलाई, साजाद कारगिली, मोहम्मद अशरफ और अन्य नेता भी शामिल हुए। कोर संयुक्त समिति के वरिष्ठ सदस्यों की मौजूदगी में पत्रकारों से एलएबी के सह-अध्यक्ष शेरिंग दोरजे ने कहा कि 22 मई को गृह मंत्रालय की अगुवाई वाली उप-समिति की बैठक में लद्दाख के लिए प्रस्तावित लोकतांत्रिक ढांचे एवं संवैधानिक सुरक्षा उपायों पर चर्चा हुई। बैठक में कुछ निर्णय लिए थे, लेकिन बैठक के विवरण में उन्हें ठीक से दर्ज नहीं किया। उन्होंने कहा कि लद्दाख से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले बंद कमरों में उन लोगों द्वारा लिए जा रहे हैं जो लद्दाखियों की भावनाओं से पूरी तरह अंजान हैं।

आस्था बड़ी या सरकार? राम मंदिर चोरी विवाद पर भड़के केजरीवाल

बोले- कार्रवाई हुई तो गिर जाएगी सरकार

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में स्थित राम मंदिर में दान और चढ़ावे के कथित गबन को लेकर इन दिनों सियासत गरमाई हुई है। सत्ता पक्ष और विपक्ष लगातार एक दूसरे पर हमलावर हैं।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का बयान सामने आया है। उन्होंने सरकार पर आरोपियों को बचाने का आरोप लगाया है। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि राम मंदिर से करोड़ों रुपए के चंदे की चोरी के बावजूद अब तक एक भी एफआईआर क्यों नहीं दर्ज की गई। उन्होंने सवाल उठाया कि मामले में अभी तक कोई एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की गई है।केजरीवाल ने वीडियो में कहा 'राम मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है। उसी राम मंदिर से करोड़ों रुपए का दान चोरी हो गया, फिर भी एक भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। सरकार किसे बचा रही है? इस पाप में शामिल लोग चाहे कितने भी बड़े क्यों न हों, उन्हें सीधे जेल में डाल देना चाहिए। करोड़ों लोगों की आस्था की रक्षा करना ज़रूरी है'। आप नेता ने कहा कि बताया जा रहा है कि करीब 200 करोड़ का तो कैश ही चोरी हुआ है। सात ही कई हीरे जवाहरात के बक्से भी चोरी हुए है। उन्होंने कहा कि इस मामले में अभी तक एक भी एफआईआर नहीं हुई। उन्होंने कहा कि न तो यूपी पुलिस ने, न ही सीबीआई ने और न ही ईडी ने कोई एफआईआर दर्ज की।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य दोनों जगह पर इनकी सरकारें हैं। न तो कोई रेड हुई और न ही किसी को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि चोरी के इस इस घोटाले में बहुत बड़े-बड़े नाम शामिल हैं। ऐसे में अगर कार्रवाई होती है तो सरकार भी गिर सकती है। उन्होंने जनता से सवाल किया कि आपके हिसाब से किसे बचाना जरूरी है सरकार को या देश के करोड़ों लोगों की आस्था को। वहीं आप ने कहा है कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए।

साईकृष्णा के गायब होने पर सरकार ने लिया एक और अहम फैसला!

अमरावती, 21 जून (एजेंसियां)। गाडे साई कृष्णा लापता मामले में सरकार पहले ही सीआई नागराजू को निलंबित कर चुकी है।। हाल ही में एक और महत्वपूर्ण फैसला लिया। कोच्चि सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच एजेंसी (एसईटी) का गठन किया है। आईजी रवि प्रकाश को स्थल प्रमुख नियुक्त किया गया। इसमें तीन सदस्यों के रूप में आईपीएस अधिकारियों को नियुक्त किया गया। इस संबंध में सरकार ने रविवार को जवाब जारी किया। इस टीम के सदस्य हैं पश्चिम गोदावरी जिले के एसपी अदनान नायी, मन्यम अल्लुरू सीतारामाराजू जिले के एसपी अमिथ बॉर्डर, बापट्ल के अतिरिक्त एसपी एल सुधाकर होंगे।

दूसरी ओर, इस मामले में सीआई नागराजू की गिरफ्तारी के लिए मंच तैयार किया गया था। पुलिस को वह सिंह नगर के एक मकान में मिला। साईकृष्णा के लापता होने पर पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पिछले तीन दिनों में तमाम संदिग्ध इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। साथ ही उन इलाकों में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जा रहे हैं। कृष्णा लंका पुलिस स्टेशन में स्थित कंप्यूटर हार्ड डिस्क को भी पुलिस अधिकारियों ने जब्त कर लिया।

शोभनदेव के घर मिली तृणमूल की प्रस्ताव पुस्तिका

सीआईडी अब करेगी विधायकों के हस्ताक्षर की जांच

कोलकाता, 21 जून (एजेंसियां)। सीआईडी ने तृणमूल के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और सुप्रीमो ममता बनर्जी के कार्यालयों में तलाशी ली, लेकिन जांचकर्ताओं को हस्ताक्षरित प्रस्ताव पुस्तिका नहीं मिली। अभिषेक को तलब किया गया। उनका जवाब था कि उन्हें नहीं पता कि प्रस्ताव पुस्तिका कहां है। अंततः, सीआईडी को यह 'गुप्त संपत्ति' मिल गई है। विधायकों के हस्ताक्षर जालसाजी की जांच में सीआईडी को आखिरकार प्रस्ताव पुस्तिका बल्लीगंज के तृणमूल विधायक शोभनदेव चटर्जी के घर से बरामद हुई।

राज्य खुफिया अधिकारी शोभनदेव के घर पूछताछ के लिए गए। उन्होंने आधे घंटे से अधिक समय तक मामले के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी हासिल की। विधायक शोभनदेव का बयान दर्ज किया गया। सीआईडी सूत्रों के अनुसार, यहीं से संकल्प पुस्तिका की एक प्रति जांचकर्ताओं के हाथ लगी। अब सीआईडी अधिकारी संकल्प पुस्तिका में विधायकों के हस्ताक्षरों की जांच करेंगे। मूलतः, एक प्रस्ताव पारित किया जाता है, जिसमें विपक्ष का नेता, गुट का नेता और संसदीय दल के बाकी सदस्य कौन होंगे, इस पर निर्णय लिया जाता है। नियमों के अनुसार, इस प्रस्ताव की एक प्रति विधानसभा अध्यक्ष को भेजी जाती है और दूसरी प्रति पार्टी के पास रहती है।

पार्टी का मुख्य कार्यालय 30बी हरीश चटर्जी स्ट्रीट में है। संयोगवश, यह ममता बनर्जी का घर भी है, लेकिन तलाशी में प्रस्ताव की प्रति नहीं मिली। बंगाल में सरकार परिवर्तन के बाद, शोभनदेव चटर्जी को विपक्ष का नेता बनाने के प्रस्ताव की प्रति अध्यक्ष को सौंपी गई। हालांकि, बागी विधायकों के एक वर्ग ने दावा किया कि प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने वाले कई विधायक अनुपस्थित थे। तो फिर हस्ताक्षर किसने किए? इसके बाद अध्यक्ष ने जांच का आदेश दिया।

विचार: मुश्किलें केवल उन्हीं के हिस्से में आती हैं, जो बेहतरीन काम करने की क्षमता रखते हैं।

23 से 28 जून तक तेलंगाना में भारी बारिश का अलर्ट

कई जिलों में आंधी-तूफान की चेतावनी

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में दक्षिण-पश्चिम मानसून के फिर सक्रिय होने के संकेतों के बीच हैदराबाद स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 23 से 28 जून तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, इस दौरान कई जिलों में 64.5 मिमी से 115.6 मिमी तक वर्षा होने की संभावना है। साथ ही गरज के साथ बिजली गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी आशंका जताई गई है।

आईएमडी के अनुसार, 23 और 24 जून को आदिलाबाद, कोमुरामभीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निजामाबाद, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, मेडक और कामारेड्डी जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं 25 जून को जगतियाल, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबुबाबाद, वारंगल, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल-मलकाजगिरी, विकाराबाद और संगारेड्डी जिलों के लिए भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने 26 से 28 जून तक पूरे तेलंगाना में कई स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं और कुछ स्थानों पर बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं। आईएमडी हैदराबाद ने आदिलाबाद, कोमुरामभीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निजामाबाद, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबुबाबाद, वारंगल, हनुमाकोंडा, रंगारेड्डी, हैदराबाद और मेडचल-मलकाजगिरी जिलों के लिए बिजली और तेज हवाओं के साथ गंभीर तूफान की चेतावनी भी जारी की है। सोमवार के लिए विकाराबाद, संगारेड्डी, महबूबनगर, नगरकुर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गडवाल जिलों को भी इस चेतावनी में शामिल किया गया है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में दो से पांच डिग्री सेल्सियस तक की क्रमिक गिरावट आने की संभावना है। राज्य के सभी जिलों में दिन का तापमान 36 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान लगाया गया है। आईएमडी ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

चलती इलेक्ट्रिक बस में लगी आग, 37 यात्री सुरक्षित

करीमनगर, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर के एलएमडी कॉलोनी के पास रविवार सुबह टीजीएसआरटीसी की एक इलेक्ट्रिक बस में अचानक आग लग गई। आग लगते ही चालक को इसकी जानकारी हुई, जिसके बाद उसने तत्काल बस रोककर सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस के अनुसार, करीमनगर से हैदराबाद जा रही इस बस में कुल 37 यात्री सवार थे। प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी के कारण आग लगने की बात सामने आई है। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया और बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। मामले की जांच की जा रही है।

ट्रैक्टर से टकराई मोपेड दंपति की मौत

सिद्दिपेट, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुकुनुरपल्ली थाना क्षेत्र के लकुदारम गांव के पास राजीव राहधारी पर रविवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में दंपति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, एक ही दिशा में जा रहे ट्रैक्टर से उनकी मोपेड टकरा गई, जिससे पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान मंचेरियल जिले के मूल निवासी महेंद्र लक्ष्मण (28) और उनकी पत्नी दीक्षा (25) के रूप में हुई है। दोनों मुंबई में रह रहे थे और मंचेरियल जा रहे थे। इसी दौरान उनकी दोपहिया वाहन ट्रैक्टर से टकरा गई। हादसे में महेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल दीक्षा ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ड्रग्स की महामारी को जड़ से समाप्त करना होगा: संदीप शांडिल्य

नशे से बचाने की जिम्मेदारी माता-पिता की ही नहीं, मित्रों और समाज की भी है: डॉ. गिरीश कुमार संघी

ड्रग्स की समस्या कैंसर से भी अधिक खतरनाक: वी. हनुमंत राव

अग्रवाल समाज, तेलंगाना द्वारा युवाओं के लिए जागरूकता एवं संकल्प कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता) तेलंगाना एंटी नारकोटिक्स ब्यूरो के निदेशक संदीप शांडिल्य ने युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रही ड्रग्स की भयावह महामारी को समाप्त करने के लिए प्रत्येक नागरिक से संकल्पबद्ध होकर आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी देश के भविष्य का निर्धारण करने वाली महत्वपूर्ण शक्ति है और यह सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है कि वह नशे की ओर न भटके।

ड्रग फ्री – यंग इंडिया के लक्ष्य को लेकर तेलंगाना सरकार एवं ईगल फोर्स के सहयोग से रविवार को हैदराबाद स्थित भास्करा ऑडिटोरियम, बिरला प्लैनेटेरियम में अग्रवाल समाज, तेलंगाना द्वारा शपथ के माध्यम से युवाओं के लिए जागरूकता एवं संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संदीप शांडिल्य, तेलंगाना सरकार के बीसी कल्याण विभाग के सलाहकार वी. हनुमंत राव, पूर्व सांसद डॉ. गिरीश कुमार संघी, ईगल फोर्स के डिप्टी डायरेक्टर कृष्णमूर्ति गुप्ता, शपथ संचालन समिति के अध्यक्ष रामनिवास बंसल, प्रोजेक्ट डायरेक्टर देवेंद्र शास्त्री, पब्लिक रिलेशंस डायरेक्टर सुनील अग्रवाल, सलाहकार राजीव अग्रवाल एवं विशाल केड़िया, कार्यक्रम समन्वयक अनिल सिंह तथा संरक्षक अनिरुद्ध गुप्ता एवं नरेंद्र गोयल उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में संदीप शांडिल्य ने कहा कि तेलंगाना में ड्रग्स का उपयोग चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुका है और इस महामारी से मुकाबला करने के लिए समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) तथा केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से किए गए सर्वेक्षण के अनुसार गांजा सेवन के मामले में तेलंगाना देश में 28वें स्थान पर था। वहीं ओपिऑयड्स के उपयोग में 23वां, सिडेटिव (निद्राकारक दवाओं) के उपयोग में 19वां तथा कोकीन के उपयोग में 10वां स्थान था। उन्होंने आगे बताया कि हैलुसिनोजेन्स (भ्रम उत्पन्न करने वाले मादक पदार्थों) के उपयोग में तेलंगाना देश में तीसरे स्थान पर है, जबकि शरीर में सीधे ड्रग्स इंजेक्ट करने वाले लोगों की संख्या के मामले में राज्य पांचवें स्थान पर है, जो अत्यंत चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है।

सर्वेक्षण के अनुसार राज्य में लगभग 30 हजार कोकीन उपभोक्ता हैं। वर्ष 2019 तक तेलंगाना में विभिन्न प्रकार के ड्रग्स की चपेट में आने वालों की संख्या लगभग 22.5 लाख थी, जो वर्ष 2026 तक दोगुनी होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि राज्य की लगभग 4 करोड़ जनसंख्या में से गुटखा, सिगरेट और शराब को छोड़कर केवल ड्रग्स के आदी लोगों की संख्या लगभग 50 लाख तक हो सकती है।

श्री शांडिल्य ने कहा कि एंटी नारकोटिक्स ब्यूरो में केवल 100 कर्मचारी हैं और इतनी बड़ी संख्या में नशे के शिकार लोगों पर निगरानी रखना केवल पुलिस के बल पर संभव नहीं है। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों के व्यवहार पर निरंतर नजर रखने का आग्रह किया। उन्होंने समाज की विभिन्न जातीय एवं सामाजिक संस्थाओं, शिक्षकों, स्वयंसेवी संगठनों तथा जागरूक नागरिकों से आगे आकर तेलंगाना को ड्रग्स मुक्त राज्य बनाने के अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

पूर्व सांसद डॉ. गिरीश कुमार संघी ने कहा कि ड्रग्स मुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से अग्रवाल समाज द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान को वे आर्थिक एवं अन्य सभी प्रकार का सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से बचाने की जिम्मेदारी केवल माता-पिता की ही नहीं बल्कि मित्रों और समाज की भी है।

वी. हनुमंत राव ने कहा कि ड्रग्स की समस्या आज कैंसर से भी अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुकी है। इस दानव को समाप्त करने के लिए केवल पुलिस विभाग की शक्ति पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने सभी नागरिकों से इस सामाजिक आंदोलन में सहभागी बनने का आह्वान किया।

वीबी-जी राम-जी अधिनियम पर कैबिनेट उपसमिति ने जताई चिंता

केंद्र से प्रस्ताव वापस लेने की मांग

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार द्वारा प्रस्तावित विकसित भारत–गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम-जी अधिनियम-2025 के प्रभावों का अध्ययन करने के लिए गठित कैबिनेट उपसमिति ने केंद्र सरकार के प्रस्तावित कानून पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए इसके प्रति सतर्क और आलोचनात्मक रुख अपनाने का संकेत दिया है। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी की अध्यक्षता में रविवार को सचिवालय में आयोजित उपसमिति की पहली बैठक में सदस्यों ने कहा कि प्रस्तावित कानून के कई प्रावधान तेलंगाना के हितों को प्रभावित कर सकते हैं तथा ग्रामीण गरीबों और कमजोर वर्गों को मिलने वाली सुरक्षा को कमजोर कर सकते हैं। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा 1 जुलाई से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर वीबी-जी राम-जी अधिनियम लागू करने के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति के सदस्यों का मत था कि नए कानून के कुछ प्रावधान रोजगार गारंटी कार्यक्रमों की योजना और क्रियान्वयन में राज्यों की भूमिका को कम कर सकते हैं, जबकि राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ा सकते हैं। समिति ने आशंका जताई कि नए ढांचे के तहत तेलंगाना के ग्रामीण गरीबों को रोजगार और आजीविका सहायता प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। बैठक में गैर-भाजपा शासित राज्यों तथा पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों द्वारा उठाई गई आपत्तियों की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि हिमाचल प्रदेश सहित कुछ राज्यों ने अभी तक इस नए ढांचे को स्वीकार नहीं किया है। उपसमिति श्रमिकों, स्वयं सहायता समूहों, ग्रामीण परिवारों, लघु एवं सीमांत किसानों तथा अन्य कमजोर वर्गों के हितों की रक्षा के लिए कई संशोधनों की सिफारिश कर सकती है। तेलंगाना सरकार अपनी प्रतिक्रिया में सहकारी संघवाद, केंद्र से अधिक वित्तीय सहायता तथा ग्रामीण आजीविका के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों पर जोर देगी। बैठक में मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम की परिकल्पना संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के दौरान की गई थी और मनरेगा स्वतंत्र भारत की सबसे सफल सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि यह योजना कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की परिकल्पना थी और ग्रामीण रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा का एक आदर्श मॉडल बन चुकी है। उन्होंने योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाने के प्रस्ताव की कड़ी आलोचना करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण और अनावश्यक बताया। उन्होंने कहा कि देशभर के किसान और श्रमिक संगठन भी इस कदम का विरोध कर रहे हैं। उत्तम कुमार रेड्डी ने केंद्र सरकार से प्रस्तावित वीबी-जी राम-जी अधिनियम को वापस लेकर वर्तमान मनरेगा व्यवस्था को बहाल करने की मांग दोहराई। बैठक में पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री दानासरी अनसूया सीतक्का, कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

सिंगरेणी में कोयला परिवहन पूरी तरह पारदर्शी, चोरी के आरोप निराधार: प्रबंधन

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने हाल ही में कुछ मीडिया संस्थानों में प्रकाशित उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें कंपनी का कोयला चोरी होने अथवा गायब होने के आरोप लगाए गए थे। कंपनी प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि ऐसे सभी आरोप पूरी तरह निराधार हैं और सिंगरेणी में कोयला उत्पादन, भंडारण, परिवहन तथा बिक्री की संपूर्ण प्रक्रिया अत्याधुनिक तकनीक और सख्त निगरानी व्यवस्था के तहत संचालित की जाती है।

कंपनी के अनुसार, खदानों में कोयला उत्पादन होने के क्षण से लेकर उपभोक्ता तक पहुंचने तक प्रत्येक चरण का डिजिटल रिकॉर्ड रखा जाता है। कुल कोयले का लगभग 85 प्रतिशत परिवहन रेलवे मार्ग से तथा शेष 15 प्रतिशत सड़क मार्ग से किया जाता है। कोयला आवंटन की प्रक्रिया एसएपी आधारित एकीकृत प्रणाली के माध्यम से संचालित होती है, जिसमें उपभोक्ता, खदान, मात्रा तथा आपूर्ति तिथि सहित सभी विवरण पहले से डिजिटल रूप में दर्ज किए जाते हैं।

प्रत्येक टन कोयले की जानकारी कोल नेट, एसएपी तथा अन्य ऑनलाइन प्रणालियों के माध्यम से लगातार निगरानी में रखी जाती है। सड़क मार्ग से परिवहन किए जाने वाले प्रत्येक वाहन का इलेक्ट्रॉनिक वेब्रिज पर वजन किया जाता है। इसके साथ ही रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) आधारित बूम बैरियर, जीपीएस/जीपीआरएस ट्रैकिंग तथा जियोफेंसिंग तकनीक के जरिए वाहनों की वास्तविक समय में निगरानी की जाती है। रेल मार्ग से होने वाले परिवहन में भी प्रत्येक वैगन की लोडिंग और डिस्पैच संबंधी जानकारी डिजिटल रूप से दर्ज की जाती है। खदानों, कोल हैंडलिंग प्लांटों, वेब्रिजों, रेलवे साइडिंगों, स्टॉक यार्डों तथा प्रवेश-निकास बिंदुओं पर सीसीटीवी कैमरे, आरएफआईडी प्रणाली, चेक पोस्ट, फ्लाइंग स्क्वाड और सुरक्षा कर्मी चौबीसों घंटे निगरानी करते हैं। इसके अलावा नियमित रूप से आकस्मिक निरीक्षण और विशेष गश्त भी की जाती है। सिंगरेणी प्रबंधन ने कहा कि आरएफआईडी, जीपीएस, सीसीटीवी, कोल नेट, इलेक्ट्रॉनिक वेब्रिज, सुरक्षा बलों, फ्लाइंग स्क्वाड, होलोग्राम चालान तथा टास्क फोर्स जैसी बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के बीच कोयले की चोरी या उसके गायब होने जैसी आशंकाओं की कोई गुंजाइश नहीं है। कंपनी ने दोहराया कि उसकी संपूर्ण उत्पादन और परिवहन प्रक्रिया पारदर्शी तथा कड़ी निगरानी के तहत संचालित हो रही है।

अत्यधिक ब्याज वसूलने के आरोप में दो साहूकार गिरफ्तार

दो करोड़ रुपये के दस्तावेज जब्त

आदिलाबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद पुलिस ने कमजोर वर्ग के लोगों से अत्यधिक ब्याज वसूलने और उन्हें प्रताड़ित करने के आरोप में दो साहूकारों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब दो करोड़ रुपये मूल्य के 90 वचन पत्र और 366 खाली चेक पत्तियां बरामद की हैं। पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने बताया कि एचोडा मंडल के कुमारी गांव निवासी अरोला वेंकटरमण और अरोला उपेंद्र को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों से ऊंची ब्याज दरें वसूलने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि दोनों साहूकार कर्ज चुकाने में देरी होने पर उधार लेने वालों को जातिसूचक शब्दों से अपमानित करते थे और उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे।

एसपी ने अवैध रूप से धन उधार देने और लोगों का शोषण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि यदि कोई साहूकार उधारकर्ताओं को परेशान करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पीड़ितों से ऐसे मामलों की सूचना नजदीकी पुलिस थाने में देने की अपील की। इस दौरान आदिलाबाद के डीएसपी एल. जीवन रेड्डी, इंस्पेक्टर चंद्रशेखर, नरेश कुमार तथा सीसीएस के कर्मचारी भी मौजूद रहे।

एआईसीटीई ने जारी किया शैक्षणिक कैलेंडर

एक अगस्त से शुरू होंगी प्रथम वर्ष की कक्षाएं

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए नया शैक्षणिक कैलेंडर जारी कर दिया है। इसके तहत स्नातक इंजीनियरिंग कार्यक्रमों सहित सभी तकनीकी संस्थानों को प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए एक अगस्त से कक्षाएं शुरू करने का निर्देश दिया गया है। जारी कैलेंडर के अनुसार जून सत्र के लिए तकनीकी संस्थान 14 अगस्त तक रिक्त सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। इसी तिथि तक द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों में पार्श्व प्रवेश (लेटरल एंट्री) के लिए भी नवप्रवेशित छात्रों के दाखिले पूरे किए जा सकेंगे।

जनवरी सत्र के लिए तकनीकी संस्थानों को प्रथम वर्ष में प्रवेश की प्रक्रिया 19 जनवरी 2027 तक पूरी करनी होगी और छात्रों की कक्षाएं 20 जनवरी 2027 या उससे पहले शुरू करनी होंगी। पीजीडीएम और पीजीसीएम कार्यक्रम संचालित करने वाले संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया 30 जून तक पूरी की जानी है और नए छात्रों का शैक्षणिक सत्र एक जुलाई से प्रारंभ होगा। इन पाठ्यक्रमों में पूर्ण शुल्क वापसी के साथ प्रवेश रद्द कराने की अंतिम तिथि 23 जून निर्धारित की गई है। एआईसीटीई ने यह भी स्पष्ट किया है कि दूरस्थ शिक्षा अथवा ऑनलाइन पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संस्थानों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा निर्धारित शैक्षणिक कार्यक्रम का पालन करना होगा।

माहेश्वरी को केटीआर ने किया सम्मानित

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने राष्ट्रीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तेलंगाना के जेईई टॉपर विवान एस माहेश्वरी को सम्मानित किया। विवान ने जेईई मेन में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए और जेईई एडवांस्ड में अखिल भारतीय रैंक 61 हासिल कर राज्य में पहला स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर केटी रामाराव ने उन्हें बधाई देते हुए उनकी शैक्षणिक उपलब्धि की सराहना की। विवान ने कहा कि पूर्व मंत्री के प्रेरणादायक शब्दों ने उन्हें अनुशासन, निरंतरता और सीमाओं से आगे सोचने का महत्व समझाया तथा सफलता को केवल परिणामों से नहीं आंकने की सीख दी। कार्यक्रम में बीआरएस सांसद दिवाकोंडा दामोदर राव और विवान के परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे।

हिट एंड रन हादसे में नर्स की मौत, चालक फरार

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफनगर क्षेत्र में रविवार को हुए हिट एंड रन हादसे में एक नर्स की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मेहदीपटनम की हिल कॉलोनी निवासी फहीमुन्निसा (42) अपने कार्यस्थल जा रही थीं, तभी एक इनोवा कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल फहीमुन्निसा को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। आसिफनगर के सब-इंस्पेक्टर ए. रामानजनेयुलु ने बताया कि दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि दुर्घटना में शामिल कार किसी व्यक्ति ने स्वयं चलाने के लिए किराए पर ली थी। पुलिस वाहन किराए पर लेने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कार एक स्थानीय राजनेता के बेटे द्वारा किराए पर ली गई थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मवेशी चोरी कर बूचड़खानों में बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

आदिलाबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद पुलिस ने मवेशियों को बेहोश करने वाली दवा देकर चोरी करने और उन्हें महाराष्ट्र के बूचड़खानों में बेचने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने रविवार को गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया, जबकि आठ अन्य आरोपी फरार हैं। आरोपियों के कब्जे से एक कार, पांच मोबाइल फोन और फर्जी वाहन पंजीकरण नंबर प्लेट बरामद की गई हैं।

पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों के निवासी मोहम्मद शाहिद हबीब खदरी, आलम शेख अनीश, फरमान सबीर शेख, शेख तबस शकील और वसीम के रूप में हुई है। वहीं महाराष्ट्र के रहीम, मोर्तुजा और अजीम रऊफ तथा उत्तर प्रदेश के नबी बिल्डर, पप्पू थंडा, बाबू उर्फ सैयद समीर और कयूम बतारिया समेत आठ आरोपी अभी फरार हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि नांदेड़ में गोमांस की अधिक मांग होने के कारण वे रात के समय गायों और बैलों को बेहोश करने वाली दवा देकर चोरी करते थे। इसके बाद वाहनों के पंजीकरण नंबर बदलकर जानवरों को महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित बूचड़खानों में बेचकर अवैध मुनाफा कमाते थे। आरोपियों ने ऐसे गांवों को निशाना बनाया, जहां चेक पोस्ट और टोल प्लाजा नहीं थे।

पुलिस के अनुसार, गिरोह ने तेलंगाना के निर्मल, जगतियाल और कामारेड्डी समेत कई जिलों में वारदातों को अंजाम दिया है। आरोपियों ने खुलासा किया कि पिछले डेढ़ वर्ष में उन्होंने केवल आदिलाबाद जिले के विभिन्न इलाकों से सात गायें चोरी की हैं। पुलिस ने शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की हैं। गिरोह के कुल 13 सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच जारी है।

रायदुर्ग भूमि नीलामी विवाद में बीआरएस पर लगाए गए आरोप निराधार : निरंजन रेड्डी

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एस. निरंजन रेड्डी ने रायदुर्ग भूमि नीलामी मामले में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के अदालत जाने के फैसले को बीआरएस से जोड़ने वाले आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस अपनी विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए विपक्ष को निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि मीडिया के कुछ वर्गों के माध्यम से एसबीआई को निशाना बनाते हुए एक विशेष नैरेटिव गढ़ने का प्रयास किया जा रहा है, जो देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक को डराने की कोशिश है।

एक बयान में निरंजन रेड्डी ने कहा कि एसबीआई के अध्यक्ष चाल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी के साथ उनकी मुलाकात को राजनीतिक रंग देना उचित नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों पालमुरु क्षेत्र से आते हैं और वह केवल उन्हें प्रतिष्ठित पद संभालने पर बधाई देने के लिए मिले थे। उन्होंने सवाल उठाया कि एसबीआई जैसे बड़े संस्थान को अपनी संपत्तियों की सुरक्षा के लिए किसी बाहरी व्यक्ति की जरूरत क्यों पड़ेगी। बीआरएस नेता ने दावा किया कि यह पूरा विवाद रायदुर्ग भूमि नीलामी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने में सरकार की विफलता के कारण पैदा हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार भूमि के मुद्रीकरण पर अधिक ध्यान दे रही है, जबकि कानूनी, तकनीकी और पर्यावरण संबंधी मुद्दों को नजरअंदाज किया जा रहा है। उनके अनुसार कांचा गचीबौली भूमि विवाद, मूसी नदी पुनर्जीवन परियोजना के तहत हुए ध्वस्तीकरण और अब रायदुर्ग भूमि नीलामी से जुड़े मामलों में सरकार की कमियां बार-बार सामने आ रही हैं।

गोली लगने से सीआईएसएफ हेड कांस्टेबल घायल

पेद्दापल्ली, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एनटीपीसी परिसर स्थित सीआईएसएफ मुख्यालय में शनिवार रात हथियार की सफाई के दौरान अचानक गोली चलने से एक हेड कांस्टेबल घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार, घायल हेड कांस्टेबल श्रीनिवास को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए करीमनगर रेफर किया गया। उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि टिंकू नामक एक अन्य कांस्टेबल हथियार की सफाई कर रहा था, तभी गलती से गोली चल गई और वह श्रीनिवास को लग गई। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बिल्डिंग के लड़के ने की रेप की कोशिश, बचने के लिए पहली मंजिल से गिरी नाबालिग

गाजियाबाद, 21 जून (एजेंसियां)। गाजियाबाद के खोड़ा थाना क्षेत्र के संगम पार्क इलाके में एक नाबालिग किशोरी से रेप के प्रयास का मामला सामने आया है। वारदात से बचने के लिए किशोरी अपने घर के फर्स्ट फ्लोर से नीचे गिर गई थी। उसको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में सेकंड फ्लोर पर रहने वाले नाबालिग किशोर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गाजियाबाद में एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि 20 जून की रात्रि पुलिस को संगम पार्क क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के घायल होने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल किशोरी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि पीड़िता के परिजनों की शिकायत के आधार पर रेप के प्रयास सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी नाबालिग युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

वरिष्ठ मंत्रियों की अग्निपरीक्षा

विधान परिषद सदस्य भी लड़ेंगे चुनाव; क्या है भाजपा की रणनीति

लखनऊ, 21 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में ऐसे मंत्री जो विधान परिषद के सदस्य हैं, उन्हें इस बार विधानसभा चुनाव की परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। मजबूत चुनावी तैयारी का संदेश देने और हर हाल में जीत की हैट्रिक सुनिश्चित करने के लिए पार्टी की योजना प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी समेत पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों को भी चुनाव मैदान में उतारने की है। कुछ वरिष्ठ नेताओं को विशेष कारणों और जरूरतों के मद्देनजर चुनाव लड़ने से छूट दी जा सकती है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि कैबिनेट मंत्री में भाजपा के पांच नेता हैं जो विधान परिषद के सदस्य हैं। इनमें डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, स्वतंत्र देव सिंह, भूपेंद्र चौधरी, एके शर्मा और दारा सिंह चौहान को चुनाव लड़ना होगा।

मौर्य पिछले बार सिराथू से चुनाव लड़े थे। हालांकि हारने के बाद इन्हें डिप्टी सीएम बनाया गया और विधान परिषद लाया गया।

इन सभी पांच कैबिनेट मंत्रियों को चुनाव लड़ाने पर अंतिम सहमति बन चुकी है। इसके अलावा स्वतंत्र प्रभार वाले छह और तीन राज्य मंत्री हैं, जो विधान परिषद के सदस्य हैं। इनमें से भी ज्यादातर को इस बार विधानसभा चुनाव लड़ना होगा।

पंकज चौधरी को विधानसभा चुनाव लड़ाने की रणनीति

पार्टी की रणनीति हाल ही में प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी को विधानसभा चुनाव लड़ाने की है। नेतृत्व का मानना है कि ओबीसी समुदाय में यादव बिरादरी के बाद सबसे मजबूत कुर्मी बिरादरी के चौधरी के मैदान में उतरने से पिछड़ा वर्ग में मजबूत संदेश जाएगा। हालांकि इस मामले में अंतिम निर्णय होना बाकी है। अगर ऐसा हुआ तो सात बार लोकसभा चुनाव जीत चुके प्रदेश अध्यक्ष का यह पहला विधानसभा चुनाव होगा।

क्या है इस रणनीति का कारण?

बीते लोकसभा चुनाव में ओबीसी वोट बैंक के छिटकने के कारण सपा से लगे झटके के बाद पार्टी नेतृत्व सतर्क है। राज्य में 2019 के मुकाबले राजग के मत प्रतिशत में नौ फीसदी की ज्यादा गिरावट दर्ज की गई थी। उसके उलट सपा गठबंधन के मत प्रतिशत में 19 फीसदी का तेज उछाल आया था। इसके कारण भाजपा की सीटों की संख्या घट कर आधी रह गई थी। यही कारण है कि भाजपा अपने कद्दावर नेताओं को उतार कर इसकी भरपाई करना चाहती है।

सिपाही भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रही छात्रा की संदिग्ध मौत

सीवान, 21 जून (एजेंसियां)। सीवान से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है। जहां सिपाही भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रही छात्रा की संदिग्ध मौत हो गई है। किराए के कमरे में पंखे से लटका हुआ शव पुलिस ने बरामद किया है। दरअसल, पूरा मामला सीवान नगर थाना क्षेत्र के पचमंदिरा मोहल्ले का है। जहां किराए के मकान में रहकर छात्रा सिपाही भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रही थी। मृतका की पहचान जामो थाना क्षेत्र के बेलडीहा गांव निवासी बलिराम राम की पुत्री सोनी कुमारी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सोनी कुमारी पिछले करीब दो महीने से पश्चिमी मंदिर इलाके में स्थित एक किराए के मकान में रहकर सिपाही भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रही थी। परिवार को उम्मीद थी कि वह प्रतियोगी परीक्षा में सफलता हासिल कर पुलिस सेवा में जाएगी। बताया जा रहा है कि, मकान मालिक राधेश्याम सिंह अपने पुत्र की शादी में शामिल होने के लिए दिल्ली गए हुए थे। रात करीब एक बजे जब वह वापस घर लौटे तो उन्होंने कमरे के अंदर सोनी का शव पंखे से लटका हुआ देखा। इसके बाद तुरंत उन्होंने घटना की जानकारी नगर थाना पुलिस को दी।

राम मंदिर चढ़ावा मामले की जांच पूरी

6 दिन में 150 से ज्यादा लोगों से पूछताछ, क्या कुछ मिला?

अयोध्या, 21 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित राम मंदिर में इन दिनों धार्मिक आस्थाओं की वजह से नहीं, बल्कि कथित चढ़ावा चोरी की वजह से सियासी अखाड़े के केंद्र पर आ गया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आरोपों की जांच के लिए प्रदेश की योगी सरकार ने एसआईटी का गठन किया था।

एसआईटी को 7 दिनों में प्राथमिक रिपोर्ट देने के लिए कहा गया था और 6 दिन की जांच पूरी कर एसआईटी देर शाम शनिवार को वापस लौट गई। जानकारी के मुताबिक, राम मंदिर कथित चढ़ावा चोरी के आरोपों की जांच के लिए गठित एसआईटी ने 6 दिन में जांच पूरी कर ली।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, एसआईटी ने अपनी 6 दिन की जांच में लगभग 150 से ज्यादा लोगों से पूछताछ किया है। एसआईटी ने एक एक बिंदु को बारीकी से खंगाला है, सूत्रों का कहना है कि एसआईटी जल्द ही सीएम योगी आदित्यनाथ को प्राथमिक रिपोर्ट सौंप सकती है। आपको बता दें कि, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के आरोपों के बाद लगातार यह मुद्दा सियासी बहस के केंद्र पर बना हुआ है। इस मामले में सत्ता पक्ष और विपक्ष के साथ-साथ धार्माचार्यों की भी प्रतिक्रियाएं आ रही है। अब इस मुद्दे पर हनुमानगढ़ी मंदिर के मुख्य पुजारी महंत संजय दास की प्रतिक्रिया सामने आई है, उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गठित एसआईटी जांच कर रही है और सच सामने आना तय है।

हनुमानगढ़ी मंदिर के मुख्य पुजारी महंत संजय दास अपने बयान में कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एसआईटी बनाई है, इसलिए सच सामने आना तय है। राम मंदिर के चढ़ावे में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी, चाहे वह कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो और जो राजनीतिक पार्टियां भगवान राम के नाम का फायदा उठा रही हैं, वे ऐसा करना बंद करें।

सैदपुर हत्याकांड के पीड़ितों से मिले सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, 1 लाख की दी आर्थिक मदद

अमेठी, 21 जून (एजेंसियां)। यूपी के अमेठी के सैदपुर में मकान निर्माण विवाद में समाजवादी पार्टी बूथ अध्यक्ष के 65 वर्षीय पिता की पीट-पीटकर हत्या मामले में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने मृतक के परिजनों को सांत्वना देते हुए न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया।

उन्होंने पीड़ित परिवार को एक लाख रुपये का चेक देकर आर्थिक सहायता भी प्रदान की तथा भविष्य में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। सपा प्रदेश अध्यक्ष ने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर घटना की पूरी जानकारी ली। उन्होंने परिवार के सदस्यों का हालचाल जाना और घायलों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त किया। श्यामलाल पाल ने कहा कि परिवार पर जो दुख का पहाड़ टूटा है, उसकी भरपाई संभव नहीं है, लेकिन समाजवादी पार्टी हर स्तर पर उनके साथ खड़ी रहेगी। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार को एक लाख रुपये का चेक सौंपते हुए कहा कि जरूरत पड़ने पर आगे भी आर्थिक और कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ के समर्थन में उतरे शंकराचार्य

शामली, 21 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शामली में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अब सीएम योगी आदित्यनाथ का समर्थन किया है। दरअसल, पिछले दिनों लगातार वे मुख्यमंत्री योगी के खिलाफ बयान देते हैं। गोरक्षा के लिए लगातार यात्रा निकाल रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती शामली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान अयोध्या राम मंदिर दान प्रकरण मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ के रुख का समर्थन किया। अयोध्या दान प्रकरण का मामला सामने आने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ पिछले दिनों अयोध्या दौरे पर गए थे। इस दौरान उन्होंने अपने मंच से श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को अलग रखने का निर्णय लिया।

दरअसल, राम मंदिर दान गबन प्रकरण विवाद में चंपत राय पर आरोप लग रहे हैं। ट्रस्ट के अनुरोध पर योगी सरकार ने पूरे विवाद की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। तीन सदस्यीय एसआईटी लगातार मामले की जांच कर रही है। इस बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने अयोध्या दौरे के दौरान चंपत राय को मंच से अलग रखा तो स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती इसका समर्थन करते नजर आए। उन्होंने इसे एक अच्छा कदम करार दिया है।

शामली में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अयोध्या दौरे के दौरान चंपत राय को अपनी मीटिंग और अपने पास से दूर रखने का जो निर्णय लिया, वह बहुत अच्छा कदम है। हम इसके खुले दिल से प्रशंसा करते हैं। उन्होंने कहा कि जिस समय किसी व्यक्ति के ऊपर गड़बड़ी के दाग लगे हों, उस समय उसे अपने पास बैठाने का मतलब समाज में अलग जाता है। शंकराचार्य ने कहा कि सीएम योगी ने कम से कम इतना स्टैंड लिया, यह देखकर अच्छा लगा। शंकराचार्य राम मंदिर दान गबन विवाद पर नाराजगी जताते हुए दिखे। उन्होंने कहा कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और राम मंदिर निर्माण समिति की ओर से घोटाले के आरोपों से इनकार किया जा रहा है। शंकराचार्य ने इस मामले पर तीखे सवाल किए। उन्होंने कहा कि अगर कोई गड़बड़ी नहीं हुई तो डीएम के जरिए एक संदेश क्यों दिलवाया जा रहा है कि संबंधित लोग बैठक में नहीं आएंगे।

उनकी जगह प्रतिनिधियों को बैठक में भेजा रहा है। सबूत मांग जाने के मुद्दे पर शंकराचार्य ने सवाल किया कि गोबर से रुपये निकलना क्या सबूत नहीं है? मामले से जुड़े लोग पकड़े जा रहे हैं, क्या यह सबूत नहीं है। महीनों के सीसीटीवी फुटेज डिलिट हैं, क्या यह सबूत नहीं है। भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को नौकरी से निकाल दिया जाता है, अगर यह सबूत नहीं है तो फिर कौन सा सबूत होगा।

'माफिया पर करें कड़ी कार्रवाई' कानून व्यवस्था समीक्षा में बोले योगी आदित्यनाथ, अधिकारियों को दिए ये अहम निर्देश

झांसी, 21 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए माफिया पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। आयुक्त सभागार में जनपद झांसी के विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने इसको सुदृढ़ बनाए जाने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद में अवैध खनन, गो तस्करी, भू माफिया, शराब माफिया पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

योगी ने कहा कि सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अकेला ऐसा राज्य है जहां खनन नीति बनाई गई है। उन्होंने अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों के साथ लगातार संवाद किए जाने का निर्देश देते हुए कहा कि ऐसा करने से विकास को गति मिलती है। उन्होंने नए कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण जनप्रतिनिधियों से कराए जाने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी गौरांग राठी द्वारा शुरू की गई 'जनसंवाद' पहल को प्रदेश स्तर तक लागू किए जाने के निर्देश दिए।

नए आवास में लालू-राबड़ी को मिलेंगे 8 कमरे

राजद सुप्रीमो के लिए बन रहा स्पेशल रूम, मॉर्निंग वॉक के लिए गार्डन; जानवरों के लिए भी जगह

पटना, 21 जून (एजेंसियां)। बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी जल्द ही 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास छोड़कर 39 हार्डिंग रोड स्थित नए सरकारी बंगले में शिफ्ट होंगी। फिलहाल 39 हार्डिंग रोड स्थित बंगले को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आवास को तैयार करने में 50 से अधिक मजदूर दिन-रात जुटे हुए हैं। बंगले में कुल 8 कमरे हैं। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के लिए ग्राउंड फ्लोर पर एक विशेष कमरा तैयार किया जा रहा है, ताकि उन्हें सीढ़ियां चढ़ने की जरूरत न पड़े।

आवास परिसर में 8 तरह के पेड़ लगाए गए हैं। 5 से अधिक प्रजातियों के फूलों के पौधे भी लगाए गए हैं। बड़ा गार्डन होने के चलते राबड़ी देवी के लिए मॉर्निंग वॉक करना आसान होगा। परिसर में पालतू जानवरों के रहने के लिए भी पर्याप्त जगह बनाई गई है।

बता दें कि 39 हार्डिंग रोड स्थित इस सरकारी आवास में पहले भाजपा नेता और पूर्व राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री रामसूरत राय रह चुके हैं। इसके अलावा समीम अख्तर, विनोद नारायण झा और चंद्रमोहन राय भी इस बंगले में रह चुके हैं। राबड़ी देवी ने कुछ दिन पहले

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और भवन निर्माण विभाग को पत्र लिखकर बताया था कि लालू प्रसाद यादव कई स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों से जूझ रहे हैं। उन्हें संक्रमण से बचाने के लिए डॉक्टरों ने विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। उन्हें पेंट और रासायनिक गंध से एलर्जी भी है। सीढ़ियां चढ़ने और उतरने में भी परेशानी है। इसी वजह से नए आवास में लालू यादव के लिए ग्राउंड फ्लोर पर विशेष कमरा बनाया जा रहा है।

डॉक्टरों की सलाह के अनुसार उन्हें संक्रमण से बचाने के लिए परिवार के अन्य सदस्यों से अलग रहने की व्यवस्था भी की जा रही है। बंगले के अंदर कुल 8 बड़े कमरे हैं। इसके अलावा 3 बालकनी भी बनाई गई हैं। ग्राउंड फ्लोर और ऊपरी मंजिल को जोड़ने के लिए, अंदर और लॉन की तरफ से सीढ़ियों की व्यवस्था है। आवास का पूरा ढांचा खुला और विशाल है, जिससे परिवार के कई सदस्य आराम से रह सकते हैं। 39 हार्डिंग रोड बिहार सरकार के मंत्रियों को मिलने वाले सबसे बड़े आवासों में शामिल है। यह बंगला बिहार में मंत्रियों को मिलने वाले आवासों में दूसरा सबसे बड़ा आवास माना जाता है। इससे बड़ा आवास इसके ठीक बगल में स्थित मकान संख्या-40 है। अभी बड़े पैमाने पर मरम्मत और सौंदर्यीकरण का कार्य चल रहा है।

गार्डन से लेकर पूरे भवन तक पेंटिंग और फिनिशिंग का काम जारी है। पेंटिंग के लिए एशियन पेंट मंगवाया गया है। सभी कमरों को मॉडर्न तरीके से तैयार किया जा रहा है। नए मार्बल लगाए जा रहे हैं और पूरे बंगले को नए लुक में ढाला जा रहा है। राबड़ी देवी ने सरकार को पत्र लिखकर कुछ दिन पहले ही 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास खाली करने के लिए एक महीने का अतिरिक्त समय मांगा है। उन्होंने कहा है कि जैसे ही नए आवास में सभी आवश्यक कार्य पूरे हो जाएंगे, वह अपने परिवार के साथ वहां शिफ्ट हो जाएंगी और वर्तमान सरकारी आवास खाली कर देंगी।

ये तमन्ना भी पूरी कर दूंगा

जब सांसद चंद्रशेखर के प्रतिनिधि ने सीओ को दी चुनौती, सिखा दिया कानून का पाठ

बिजनौर, 21 जून (एजेंसियां)। नगीना लोकसभा सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद के प्रतिनिधि विवेक कुमार सेन को हीरोगिरी दिखानी उस वक्त महंगी पड़ गई, जब सीओ ने अपने तल्ख तेवर दिखाने शुरू कर दिए।

इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि नासिर बाबा की मजार की दीवार हटाने को लेकर आजाद पार्टी के कार्यकर्ता विरोध करने पहुंचे थे। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल भी मौजूद था। लोगों को समझाने का काम चल रहा था। तभी सांसद के प्रतिनिधि विवेक कुमार ने कहा कि लाठी बजाओ, गोली मार दो। इतना सुनते ही सीओ अंजनी चतुर्वेदी गुस्सा गए और जवाब देते हुए कहा कि ये तमन्ना भी पूरी कर दूंगा। बीते 25 मार्च को नरेश और सुरेश ने डीएम को शिकायती पत्र दिया था। मजार की देख रेख करने वाले लोगों को राजस्व टीम ने जानकारी दी थी। जांच के दौरान निर्धारित सीमा से अधिक पाई गई थी भूमि। थाना धामपुर कस्बे का मामला है। इस नोकझोंक के दौरान जब अन्य पुलिसकर्मी बीच में आते हैं तो सीओ अंजनी चतुर्वेदी हल्का सा धक्का देते हुए नजर आते हैं और कहते हैं कि तुम ही लोगों ने हीरो बना रखा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक देर रात टीचर्स कॉलोनी स्थित नासिर बाबा पीर मजार परिसर के रास्ते की दीवार को पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में बुलडोजर से ध्वस्त कराया गया।

कार्रवाई के दौरान विरोध कर रहे सांसद प्रतिनिधि विवेक सेन और अधिकारियों के बीच बहस हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पुलिस क्षेत्राधिकारी ने विरोध करने की बात कहते हुए कार्रवाई को शासन का संयुक्त निर्णय बताया। अधिकारियों का कहना था कि राजस्व विभाग की तरफ से पहले पैमाइश की जा चुकी थी

पहले असिस्टेंट कमिश्नर, अब एसडीएम बनीं श्रद्धा पांडेय

प्रतापगढ़, 21 जून (एजेंसियां)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा का अंतिम परिणाम जारी हो गया है। इस बार यूपी बिहार में पहला स्थान हासिल कर उत्तर प्रदेश की श्रद्धा पांडे चर्चा में हैं। प्रतापगढ़ की रहने वाली श्रद्धा ने 593 अंक हासिल कर न केवल परीक्षा में टॉप किया, बल्कि सिविल सेवा की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा भी बन गई हैं। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले से आने वाली श्रद्धा पांडे का सफर संघर्ष और मेहनत की मिसाल है। साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली श्रद्धा ने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी पढ़ाई और तैयारी जारी रखी। उनकी सफलता बताती है कि मजबूत इरादों के सामने आर्थिक चुनौतियां भी छोटी पड़ जाती हैं। इससे पहले वे उत्तर प्रदेश की सिविल सेवा परीक्षा में क्रैक करके असिस्टेंट कमिश्नर का पद प्राप्त कर चुकी हैं। उन्होंने बीपीएससी संयुक्त राज्य/उच्च अधीनस्थ सेवा परीक्षा 2024 में इंडब्ल्यूएस कैटेगरी से 153वीं रैंक हासिल की थी और असिस्टेंट कमिश्नर (कमर्शियल टैक्स) पद प्राप्त किया था। कॉलेज से निकलते ही शुरू कर दी थी सिविल सेवा की तैयारी। श्रद्धा ने कॉलेज की पढ़ाई के दौरान ही ठान लिया था कि उन्हें आगे सिविल सेवा में जाना है।

उन्होंने साल 2021 में इतिहास और इंग्लिश लिटरेचर विषयों के साथ ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी की। कॉलेज से निकलते ही उन्होंने अपना पूरा फोकस सिविल सेवा की तैयारी में लगा दिया। उन्होंने अपने पहले ही अटेंप्ट में यूपी की सिविल सेवा परीक्षा क्वालीफाई की थी। बीपीएससी 70वीं परीक्षा में 593 अंक हासिल कर श्रद्धा पांडे ने पहला स्थान प्राप्त किया है। वहीं शशांक गौरव और आयुष बिजॉय 592 अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे।

आजम खान की मुश्किलें नहीं हो रहीं कम

पहले जेल अब इनकम टैक्स का नोटिस, 450 करोड़ का है मामला

लखनऊ, 21 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित रजिस्टर्ड मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट और रामपुर स्थित जौहर यूनिवर्सिटी को नोटिस दिया गया है। आयकर विभाग की ओर से यह नोटिस जारी किया गया है। ट्रस्ट के वित्तीय लेनदेन में गड़बड़ियों, कर चोरी और सरकारी धन के कथित दुरुपयोग की जांच के सिलसिले में ये नोटिस भेजा गया है। इनकम टैक्स विभाग द्वारा ये नोटिस भेजा गया है। मुख्य तौर पर समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान द्वारा ये ट्रस्ट और यूनिवर्सिटी संचालित है। इनकम टैक्स के सूत्र के मुताबिक पिछले कुछ साल पहले हुए तफ्तीश के दौरान काफी महत्वपूर्ण सबूत और दस्तावेज मिले थे।

उन्हीं दस्तावेजों और जब्त सबूतों के आधार पर तफ्तीश का दायरा बढ़ा था। पूर्व मंत्री एवं सपा के कद्दावर नेता आजम खां और उनके करीबियों के ठिकानों पर हुई इनकम टैक्स विभाग की सर्च ऑपरेशन कार्रवाई हुई थी। इस कार्रवाई के बाद करीब 450 करोड़ रुपये की गड़बड़ी का मामला सामने आया था।

इनकम टैक्स के सर्च ऑपरेशन के बाद जौहर विश्वविद्यालय में हुए निर्माण कार्यों का मूल्यांकन सीपीडब्ल्यूडी से कराने पर पता चला है कि इसमें करीब 494 करोड़ रुपये व्यय हुए थे। वहीं जौहर ट्रस्ट ने महज 46 करोड़ रुपये व्यय होने का दावा किया था। आयकर विभाग ने बताया कि इस मामले में पहले भी 4 दिसंबर 2025 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। ट्रस्ट की ओर से 28 मार्च 2026 और 9 जून 2026 को जवाब दाखिल किए गए तथा व्यक्तिगत सुनवाई भी हुई, जिन पर विभाग ने विचार किया है। अब विभाग ने ट्रस्ट से संबंधित विभिन्न सरकारी विभागों और प्राधिकरणों से प्राप्त सूचनाओं तथा चल रही जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मामले में अंतिम निर्णय विभाग द्वारा ट्रस्ट के जवाब और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर लिया जाएगा। आयकर विभाग के प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (केंद्रीय), लखनऊ कार्यालय द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2020-21, 2021-22, 2022-23 और 2023-24 से संबंधित मामलों में मूल्यांकन की कार्यवाही चल रही है। ये मामले 13 सितंबर 2023 को आयकर विभाग द्वारा की गई तलाशी कार्रवाई के बाद जांच के लिए चुने गए थे। नोटिस के अनुसार, उप आयुक्त आयकर, केंद्रीय सर्किल-1, लखनऊ ने ट्रस्ट के आयकर पंजीकरण को वापस लेने की सिफारिश की है। ट्रस्ट को पहले वर्ष 2005 में आयकर अधिनियम की धारा 12ए/12एए के तहत पंजीकरण मिला था, जिसे बाद में धारा 12एबी के तहत नवीनीकृत किया गया था।

दहेज की बलि चढ़ी अंजली? पति-ससुर पर जहर देकर मारने का आरोप, रोते-रोते भाई ने खोला राज

मुरादाबाद, 21 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद से अतिरिक्त दहेज और घरेलू हिंसा का एक बेहद दर्दनाक मामला सामने आया है। मझोला थाना क्षेत्र के सम्राट अशोक नगर में शादी के महज चार-पांच साल बाद ही अंजलि नाम की एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के मायके वालों का गंभीर आरोप है कि ससुराल वालों ने अंजलि को जबरन जहरीला पदार्थ पिलाकर मौत के घाट उतारा है। हालत बिगड़ने पर महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद से पीड़ित परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतका के भाई रोहित ने रोते-बिलखते हुए पुलिस को बताया कि उन्होंने अपनी बहन अंजलि की शादी चार-पांच साल पहले बड़े ही अरमानों और सामाजिक रीति-रिवाजों के साथ रोहन नामक युवक से की थी। लेकिन शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष के लोग अपनी असली औकात पर उतर आए। वे लगातार कीमती सामान और नकदी के रूप में अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे थे। मांग पूरी न होने पर अंजलि को आए दिन शारीरिक और मानसिक रूप से बेरहमी से प्रताड़ित किया जाता था।

दहेज और बेटियों के जन्म पर विवाहिता के चेहरे पर तेजाब से हमला टीएमसी नेता समेत 4 पर केस

कोलकाता, 21 जून (एजेंसियां)। बंगाल के नदिया जिले के शांतिपुर में दहेज की मांग पूरी न होने और लगातार दो बेटियों के जन्म से नाराज ससुराल पक्ष पर विवाहिता के चेहरे पर तेजाब फेंकने का आरोप लगा है। गंभीर रूप से झुलसी महिला का शक्तिनगर जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, तेजाब से उनके चेहरे का एक हिस्सा बुरी तरह झुलस गया है और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पीड़िता के मायके वालों ने आरोप लगाया कि चार वर्ष पहले गायेशपुर के एक युवक से उनकी बेटी का विवाह हुआ था। विवाह के समय दहेज की कोई शर्त नहीं थी, लेकिन विवाह के बाद से ही पैसे की मांग को लेकर उस पर लगातार शारीरिक और मानसिक अत्याचार किया जाता था। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे दहेज की मांग पूरी नहीं कर सके। इसके बाद लगातार दो बेटियों के जन्म से ससुराल पक्ष का उत्पीड़न और बढ़ गया। पीड़िता के पिता का आरोप है कि उन्होंने स्थानीय लोगों और पंचायत के माध्यम से विवाद सुलझाने की कोशिश की, लेकिन ससुराल पक्ष का एक सदस्य तृणमूल का स्थानीय नेता और पंचायत सदस्य होने के कारण कोई समाधान नहीं हो सका।

7 दिन भयंकर तूफान-बारिश और भूस्खलन की चेतावनी

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। आईएमडी के अनुसार, इस हफ्ते 27 जून तक 19 राज्यों में मानसून के बादल खूब बरसेंगे। वहीं बाकी राज्यों में झमाझम बारिश का अनुमान है। 70 से 80 किलोमीटर स्पीड वाली तूफानी हवाएं चल सकती हैं। बिजली गिरने, ओलावृष्टि और भूस्खलन होने का अलर्ट भी रहेगा। आईएमडी के अनुसार, मानसून 17 दिन में 19 राज्यों को कवर कर चुका, लेकिन 8 जून से तेलंगाना के भद्राचलम में अटका है। उत्तर प्रदेश और बिहार के बॉर्डर तक पहुंचने के बाद महराजगंज के पास ठहर गया है। 23 जून से मानसून महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ सकता है। उत्तर भारत के राज्यों को मानसून के लिए जुलाई के पहले हफ्ते तक इंतजार करना पड़ेगा।

आईएमडी के अनुसार, आज मध्य, पूर्वी और उत्तर भारत में तूफान आने की संभावना है। 23 राज्यों उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, बंगास, ओडिशा, सिक्किम, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, असम, त्रिपुरा, मेघायल, केरल, तमिलनाडु, अंडमान निकोबार, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगामा

में भारी बारिश का है। लोगों को बिजली गिरने से सावधान रहने को कहा गया है। आईएमडी के अनुसार, आज पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में मौसम का मिजाज खराब रहेगा। पहाड़ों पर भूस्खलन होने की चेतावनी है, इसलिए लोगों को सतर्क रहने की सलाह है। तीनों राज्यों में तेज आंधी-तूफान आने, बिजली चमकने और मूसलाधार बारिश होने की संभावना है।

मैदानी और पहाड़ी दोनों इलाकों में 40 से लेकर 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। गरज-चमक के साथ भारी बारिश और ओलावृष्टि से अचानक तापमान में भारी गिरावट आने से ठंड बढ़ सकती है। आईएमडी के अनुसार, मानसून के लिए दिल्लीवासियों को जुलाई के पहले हफ्ते तक इंतजार करना पड़ सकता है।

आमतौर पर मानसून दिल्ली में 27 जून के आसपास आता है, लेकिन इस बार मानसून लेट हो सकता है। वहीं आज दिल्ली में दोपहर और शाम के समय तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। आज दिल्ली का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 28 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। वहीं 26 जून तक दिल्ली के आसमान में बादल छाए रहेंगे। दोपहर या शाम के समय बहुत हल्की या हल्की बारिश के साथ आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और 40-50 किमी/घंटा (तेज झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, 27 जून के बीच जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अगले 6 दिन लगातार बारिश का अनुमान है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 21 से 23 जून के बीच बौछारें पड़ने की संभावना है।

बिहार, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की संभावना है। पूर्वी भारत में पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अत्यंत भारी बारिश हो सकती है। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में अगले 5 दिन भारी बारिश होगी। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में26 जून तक भारी बारिश होने का अनुमान है। पश्चिमी भारत के कोंकण और गोवा, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 25 जून तक भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। दक्षिण भारत में केरल, माहे, लक्षद्वीप और तटीय कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु और रायलसीमा, आंध्र प्रदेश में आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।

'मंदिरों में पैसा चढ़ाने के बजाय स्कूलों में दान दें' राम मंदिर चढ़ावा विवाद के बीच हिमाचल के कांग्रेस मंत्री का बयान

शिमला, 21 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने श्रीराम मंदिर से चंदा और गहनों के गायब होने पर भाजपा पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि मंदिरों में पैसा चढ़ाने से ऐसे ही पैसा गायब कर देंगे और कुछ नहीं होगा। जबकि स्कूलों और संस्थानों को पैसा देने से उसका सदुपयोग होगा। वहीं मंदिरों में चढ़ाने से ऐसे ही ठगी और लूट होगी।

जगत सिंह नेगी शिमला में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी आपदा से निपटने के लिए प्रशासन सतर्क है। प्रदेश में संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर राहत एवं बचाव कार्यों के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमों की तैनाती सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि 2025 में आई आपदा को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 1500 करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी लेकिन वह राशि अभी तक नहीं मिली है। पूर्व जयराम सरकार और उत्तराखंड की सरकार ने प्रदेश के हितों को बेचकर केंद्र के आगे घुटने टेके। पूर्व सरकार ने कई मामलों में प्रदेश के हितों से समझौता किया। उन्होंने कहा, सरकार ने नदियों और खड्डों में बढ़ते कटाव तथा बाढ़ के खतरे को कम करने के लिए ड्रेजिंग नीति तैयार की है।

भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में

सुप्रीम कोर्ट में याचिका, सीजेआई से तुरंत संज्ञान लेने की अपील

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। बिहार में भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट में लेटर पिटीशन दायर किया गया है। इस मामले में सीजेआई से तत्काल संज्ञान लेने की मांग की गई है। वहीं एनकाउंटर की न्यायिक जांच कराने की भी मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले वकील नरेंद्र मिश्रा ने ये लेटर पिटीशन भेजा है। एनकाउंटर करने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की गई है। इसके साथ ही बिहार सरकार से जवाब तलब कर स्थितियों को स्पष्ट करने की गुजारिश की गई है।

लेटर पिटीशन में कहा गया कि मृतक तिवारी की कोई क्रिमिनल हिस्ट्री नहीं थी, परिजनों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई पूरी तरह से गैरकानूनी है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भरत तिवारी एनकाउंटर मामले की जांच हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज से कराने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि इस जांच का मकसद घटना के सभी पहलुओं की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करना है। इससे पहले, पुलिस ने भोजपुर एनकाउंटर मामले में भरत तिवारी से जुड़े दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज किए थे। पहली एफआईआर अवैध हथियार रखने, सरकारी काम में बाधा डालने, पुलिसकर्मियों पर गोली चलाने और आरोपी को पनाह देने से जुड़ी है। इस मामले में भरत के पिता और भाई को आरोपी बनाया गया है। दूसरी एफआईआर खुद पुलिस एनकाउंटर से जुड़ी है।

इस बीच, एनकाउंटर में मारे गए भरत भूषण तिवारी की मां आशा देवी ने भी इसमें शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए अर्जी दी है। उन्होंने जगदीशपुर डीएसपी और शाहपुर थाने के तत्कालीन एसएचओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। वहीं, पटना हाई कोर्ट के वकील रजनीश कुमार ने इस घटना को फर्जी एनकाउंटर बताया है। उन्होंने कहा, जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने मामले की जांच के लिए एक स्वतंत्र एसआईटी के गठन की भी मांग की है और हाई कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया है।

घर में घुसकर एक ही परिवार के तीन लोगों को मारी थी गोली, तीन दोषियों को तिहरा आजीवन कारावास

रतलाम, 21 जून (एजेंसियां)। थाना औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत राजीव नगर में छोटी दीपावली (देवउठनी ग्यारस) की रात एक ही परिवार के तीन लोगों की गोली मारकर की हत्या के करने मामले में सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश राजेश नामदेव के न्यायालय ने विनोबा नगर निवासी 33 वर्षीय अनुराग उर्फ बाबी पुत्र प्रवीण सिंह परमार, रेलवे कालोनी निवासी 29 वर्षीय गोलू उर्फ गौरव पुत्र राजेश बिलवाल तथा गुजरात जिला दाहोद थाना जेसावाड़ा ग्राम अभलोड लिम्बू फलिया निवासी 27 वर्षीय लाला पुत्र मनु उर्फ भरत उर्फ भारता भाबोर को तीन-तीन हत्याओं के लिए अलग-अलग आजीवन कारावास से दंडित किया। मामले का चौथा आरोपित दिलीप देवल गिरफ्तारी के दौरान पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। अपर लोक अभियोजक समरथ पाटीदार ने बताया कि 25 नवंबर 2020 की रात राजीव नगर निवासी गोविंद सोलंकी, उनकी पत्नी शारदा सोलंकी और पुत्री दिव्या सोलंकी की घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

हमारे आंतरिक मामलों में दखल नहीं

पाक राष्ट्रपति जरदारी के काशी और कश्मीर वाले बयान पर भड़का भारत

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। भारत ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के कश्मीर पर दिए बयान को खारिज किया। उन्होंने कहा कि उन्हें देश के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, "भारत पाकिस्तान के राष्ट्रपति द्वारा की गई अनावश्यक बयानबाजी को पूरी तरह से खारिज करता है। वैसे भी, उन्हें भारत के आंतरिक मामलों पर कमेंट करने का कोई अधिकार नहीं है।"

रणधीर जायसवाल ने कहा, "ये बातें खासकर तब और भी बेतुकी लगती हैं जब हम मानवाधिकारों के मामले में पाकिस्तान के बेहद खराब रिकॉर्ड को देखते हैं, जो दुनिया भर में चर्चा का विषय रहा है।" उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का "अलग-अलग धर्मों के अल्पसंख्यकों को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाने और प्रताड़ित करने का लंबा इतिहास रहा है, जो जगजाहिर है।" उन्होंने कहा, "इस सच्चाई को देखते हुए, राष्ट्रपति के बयान को केवल एक जानबूझकर किया गया राजनीतिक हमला ही माना जा सकता है, जो पाकिस्तान की कट्टरता और नफरत की राष्ट्रीय नीतियों से प्रेरित है।" जरदारी ने एक बयान उत्तर प्रदेश के वाराणसी में काशी रेलवे स्टेशन के मेन एंट्री गेट के पास स्थित गंज शहीदा मस्जिद को भारतीय रेलवे द्वारा जारी कानूनी नोटिस के संबंध में दिया था।

अधिकारियों ने काशी रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास और विस्तार से जुड़े अतिक्रमण-विरोधी अभियान के तहत 20 जून तक परिसर खाली करने का आदेश दिया था। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, जरदारी ने अल्पसंख्यकों के अधिकारों और साझा सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा की बात कही। हालांकि, पाकिस्तान के राष्ट्रपति की टिप्पणियों को खारिज करते हुए भारत ने कहा कि वह पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की बातों को पूरी तरह से नकारता है।

जवान हो रही पंजाब पुलिसः बढ़ी युवा कॉप की संख्याः डीजीपी गौरव यादव

चंडीगढ़, 21 जून (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस की फ्रंटलाइन फोर्स में युवा जवानों की संख्या बढ़ी है। इस फोर्स में अब 29 वर्ष से कम आयु के 8231 से अधिक पुलिसकर्मी हो गए हैं। इसे लेकर जहां डीजीपी गौरव यादव खासे उत्साहित हैं, वहीं उनका दावा है कि युवा पुलिसकर्मी पंजाब पुलिस की फ्रंटलाइन प्रतिक्रिया प्रणाली को और सशक्त बनाकर अपराध से लड़ने की क्षमता बढ़ा रहे हैं। उनके अनुसार पंजाब पुलिस में युवा ऊर्जा और अनुभव का अनूठा संगम बन गया है। डीजीपी गौरव यादव ने कहा पंजाब पुलिस की सफलता केवल अनुभवी वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व पर ही निर्भर नहीं , बल्कि उन युवा अधिकारियों व कर्मचारियों की दृढ़ता, समर्पण तथा पेशेवर दक्षता पर भी आधारित है, जो देश की सबसे सक्षम पुलिस बलों में से एक पंजाब पुलिस के भविष्य को मजबूत बना रहे हैं। उनके अनुसार पंजाब पुलिस में कॉन्स्टेबल से लेकर डीएसपी (उप पुलिस अधीक्षक) तक विभिन्न पदों पर युवा अधिकारी तैनात हैं।

यूके के प्रधानमंत्री स्टार्मर आज दे सकते हैं इस्तीफा?

लेबर सांसदों ने दिया अल्टीमेटम, रिपोर्ट में दावा

लंदन, 21 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के इस्तीफे को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। ब्रिटिश ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि स्टार्मर सोमवार को इस्तीफा देने या पद छोड़ने की तारीख का ऐलान कर सकते हैं। हालांकि, सरकार के एक सूत्र ने कहा है कि स्टार्मर अभी भी प्रधानमंत्री के रूप में अपना काम कर रहे हैं और उनका पूरा ध्यान देश चलाने पर है। लेबर पार्टी के 100 से ज्यादा सांसद सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि स्टार्मर को पद छोड़ देना चाहिए या अपने जाने का समय तय कर देना चाहिए।

पिछले कई महीनों से स्टार्मर की स्थिति कमजोर होती जा रही थी, लेकिन शुक्रवार को उनके लिए मुश्किलें और बढ़ गईं। उनके प्रतिद्वंद्वी एंडी बर्नहैम ने संसद की एक सीट जीत ली। इस जीत के बाद अब वह लेबर पार्टी के नेतृत्व को औपचारिक चुनौती देने की स्थिति में आ गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, स्टार्मर अपने

सरकारी आवास चेकर्स में अपनी पत्नी के साथ अपने भविष्य को लेकर चर्चा कर रहे हैं। लेबर पार्टी के कई सीनियर नेताओं को उम्मीद है कि वह सोमवार को अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर कोई बड़ा बयान दे सकते हैं। हालांकि, शुक्रवार को स्टार्मर ने साफ कहा था कि वह नेतृत्व के खिलाफ आने वाली किसी भी चुनौती का सामना करेंगे। उन्होंने पार्टी नेताओं से अपील की कि वे आपसी लड़ाई में न उलझें और पार्टी को नुकसान न पहुंचाएं। कीर स्टार्मर ने 2024 के आम चुनाव में लेबर पार्टी को बड़ी जीत दिलाई थी।

लेकिन उसके बाद कई विवाद, घोटाले और नीतियों में बार-बार बदलाव के कारण उनकी लोकप्रियता तेजी से घटी है। कई लोगों का मानना है कि वह लोगों के जीवन स्तर में सुधार और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के अपने वादों को पूरा नहीं कर पाए। 56 साल के एंडी बर्नहम को स्टार्मर का सबसे मजबूत उत्तराधिकारी माना जा रहा है। उन्होंने हाल ही में चुनाव जीतने के बाद देश को नई दिशा देने का वादा किया। उनके समर्थक चाहते हैं कि स्टार्मर स्वेच्छा से पद छोड़ दें। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने भी संकेत दिया है कि जरूरत पड़ने पर वह नेतृत्व की दौड़ में उतर सकते हैं। वहीं कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि अगर बर्नहैम प्रधानमंत्री बनते हैं, तो वह वित्त मंत्री रेचल रीव्स को हटा सकते हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

दिल्ली को ड्रग्स का 'ट्रांजिट हब' बनाने की साजिश

आईजीआई एयरपोर्ट पर लगातार जब्त हो रहे मादक पदार्थ

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से लगातार दिल्ली पहुंच रही नशे की खेप ने जांच एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि अंतरराष्ट्रीय तस्कर दिल्ली को ड्रग्स तस्करी का ट्रांजिट हब बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जहां से नशा पहुंचा कर देश के अन्य शहरों तक पहुंचाया जा सके। मई-जून माह में ही आइजीआइ एयरपोर्ट पर 111 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ को पकड़ने के साथ 8 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें मई माह में ही 81 किलोग्राम ड्रग्स बरामद हुआ है। ताजा मामले में कस्टम विभाग की एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआइयू) ने कुआलालंपुर से आए एक भारतीय यात्री के कब्जे से 6.934 किलोग्राम हेरोइन बरामद कर उसे गिरफ्तार किया है। कस्टम अधिकारियों के अनुसार बीती फ्लाइट संख्या ओडी-205 से कुआलालंपुर से दिल्ली पहुंचे यात्री को प्रोफाइलिंग के आधार पर टर्मिनल-3 के ग्रीन चैनल पर रोका गया।

अधिकारियों ने उसके दो ट्राली बैग की जांच में चार वैक्यूम पैकेट बरामद हुए, जिनमें सफेद रंग का पाउडरनुमा पदार्थ भरा हुआ था। परीक्षण में यह पदार्थ हेरोइन मिली, जिसका कुल वजन 6.934 ग्राम निकला। अधिकारी के अनुसार बरामद मादक पदार्थ एकदम शुद्ध मात्रा में था, जिसमें कुछ केमिकल मिलाकर इसे करीब दस गुणा तक बढ़ाया जा सकता है। जांच एजेंसियों के अनुसार तस्कर लगातार नए तरीके अपना रहे हैं। हाल ही में गीजर के भीतर छिपाकर हाइड्रोपोनिक वीड लाई गई थी। वहीं कई मामलों में ट्राली बैग और वैक्यूम पैकेट्स का इस्तेमाल किया गया था। एजेंसियों का मानना है कि दक्षिण-पूर्व एशिया से आने वाली उड़ानों के जरिये भारत में मादक पदार्थ पहुंचाने और यहां से अन्य देशों तक भेजने की कोशिश की जा रही है।

खूंटी में पुलिस-पीएलएफआई के बीच मुठभेड़

एरिया कमांडर को लगी गोली

हथियार और महत्वपूर्ण डायरी बरामद

खूंटी, 21 जून (एजेंसियां)। खूंटी जिले के कर्रा प्रखंड अंतर्गत जरियागढ़ थाना क्षेत्र के इंदवन जंगल में रविवार तड़के पुलिस और प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट आफ इंडिया (पीएलएफआई) के एरिया कमांडर श्रवण दास के बीच हुई मुठभेड़ में श्रवण दास घायल हो गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी के बाद हथियार बरामदगी के लिए ले जाए जाने के दौरान उसने एक पुलिस अधिकारी की पिस्तौल छीनकर भागने का प्रयास किया और फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी। पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि तोरपा, कर्रा, जरियागढ़ सहित जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में आतंक का पर्याय बने श्रवण दास को शनिवार शाम गुप्त सूचना के आधार पर उसके कुछ सहयोगियों के साथ गिरफ्तार किया गया था। आरोपितों के पास से पुलिस ने हथियार और कारतूस भी बरामद किए थे। पूछताछ के दौरान श्रवण दास ने पुलिस को बताया कि कुछ अन्य हथियार इंदवन जंगल में छिपाकर रखे गए हैं। इसी सूचना के आधार पर पुलिस टीम रविवार तड़के उसे साथ लेकर जंगल पहुंची। उसकी निशानदेही पर दो और हथियार तथा कुछ कारतूस बरामद किए गए। इसी दौरान श्रवण दास ने एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर की पिस्तौल छीन ली और पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए जंगल की ओर भागने का प्रयास किया। पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया।

घायल श्रवण दास को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर कर दिया गया। एसपी ने बताया कि अब तक कुल चार छोटे हथियार, 29 कारतूस, पीएलएफआइ के पर्चे तथा एक महत्वपूर्ण डायरी बरामद की गई है। बरामद डायरी में क्षेत्र के कई ठेकेदारों के मोबाइल नंबर और संगठन की भावी गतिविधियों से संबंधित जानकारी दर्ज होने की बात सामने आई है। पुलिस को उम्मीद है कि यह डायरी संगठन के नेटवर्क को ध्वस्त करने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

उल्लेखनीय है कि श्रवण दास के खिलाफ रेलवे निर्माण स्थलों पर गोलीबारी, आगजनी, रंगदारी वसूली सहित कई गंभीर मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से पुलिस की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल था। पुलिस के अनुसार, उसके विरुद्ध विभिन्न थानों में कई संगीन कांड दर्ज हैं। फिलहाल जंगल में व्यापक सर्च अभियान जारी है।

राजाजी के पश्चिमी हिस्से में बढ़ेगा बाघों का कुनबा, कॉर्बेट से आएंगे पांच और बाघ

देहरादून, 21 जून (एजेंसियां)। राजाजी टाइगर रिजर्व का पश्चिमी हिस्सा भी अब बाघों की दहाड़ से गूंजेगा। वहां बाघों का कुनबा बढ़ाने के दृष्टिगत अब कार्बेट टाइगर रिजर्व से पांच और बाघ लाने की कवायद प्रारंभ कर दी गई है। वन मुख्यालय ने इस सिलसिले में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) को प्रस्ताव भेज दिया है। वहां से हरी झंडी मिलने के बाद बाघों का चयन कर इन्हें लाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बता दें कि 24 दिसंबर, 2024 से एक मई, 2025 तक की अवधि में भी कार्बेट से पांच बाघ राजाजी के इसी हिस्से में लाए गए थे। 1075 वर्ग किलोमीटर (397 वर्ग किमी कोर व 678 वर्ग किमी बफर) क्षेत्र में फैले राजाजी टाइगर रिजर्व को गंगा नदी दो हिस्सों में विभक्त करती है। इसके पूर्वी हिस्से में चीला और गौहरी रेंज हैं, जहां बाघों की संख्या 50 से अधिक है। पश्चिमी हिस्से में मोतीचूर, कांसरो, रामगढ़, धौलखंड, आशारोड़ी, रानीपुर व मोहंड रेंज हैं। बेहतर पर्यावास के बावजूद यह हिस्सा बाघों के लिहाज से सूना है। दरअसल, राजाजी के पूर्वी हिस्से के बाघ गंगा नदी और वहां बनी चीला नहर को पार करने का जोखिम नहीं उठाते। साथ ही रिजर्व के भीतर से राष्ट्रीय राजमार्ग व रेल मार्ग भी गुजर रहा है।

फ्रांस में गर्मी का कहरः सार्वजनिक जगह पर शराब पीना प्रतिबंधित

बाहर खेलने पर रोक, सेना को भी किया अलर्ट

पेरिस, 21 जून (एजेंसियां)। यूरोप के कुछ हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी से निपटने के लिए फ्रांस ने इमरजेंसी सेवाओं और सेना को जंगल की आग (वाइल्डफायर) के खतरे को लेकर अलर्ट पर रख रहा है, साथ ही सार्वजनिक जगहों पर शराब पीने पर रोक लगा रहा है और कुछ आउटडोर स्पोर्ट्स इवेंट्स रद्द कर रहा है। रविवार को फ्रांस का लगभग एक-तिहाई हिस्सा राष्ट्रीय मौसम सेवा के 'हीट रेड अलर्ट' के दायरे में है और पूरे देश में तापमान बहुत अधिक है। कुछ इलाकों में रविवार को तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि इस देश में एयर कंडीशनिंग का इस्तेमाल बहुत अधिक नहीं होता है। सोमवार को और भी ज्यादा गर्मी पड़ने का अनुमान है। जोखिम कम करने के लिए राष्ट्रीय और स्थानीय अधिकारियों ने कई उपाय किए हैं, जिनमें भीड़ को ठंडा रखने के लिए एफिल टॉवर और पेरिस की अन्य जगहों पर 'मिस्टिंग स्टेशन' (ठंडी फुहार छोड़ने वाली मशीनें) लगाया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के यूरोप कार्यालय ने इस महीने कहा कि पिछले चार वर्षों में यूरोप में गर्मी से जुड़ी वजहों से 2,00,000 से अधिक लोगों की मौत हुई, और इनमें से ज्यादातर मौतों को रोका जा सकता था। इस गर्मी में औसत से अधिक तापमान रहने की उम्मीद है, जिससे 'हीट एग्जॉशन' (गर्मी से अत्यधिक थकान) और जानलेवा 'हीट स्ट्रोक' (लू लगना) हो सकता है। डब्ल्यूएचओ के यूरोप कार्यालय ने देशों और संस्थाओं से 'हीट प्लान' लागू करने को कहा है, जैसे कूलिंग सेंटर खोलना या काम के बीच ब्रेक देना अथवा फ्लेक्सिबल शिफ्ट शुरू करना, ताकि कर्मचारी दोपहर की तेज धूप से बच सकें। रविवार को फ्रांस में होने वाला सालाना 'म्यूजिक डे' अधिकारियों के लिए खास चिंता का विषय है। गर्मियों में सबसे लंबे दिन (समर सॉलस्टिस) के मौके पर होने वाले इस देशव्यापी जश्न में गांवों के चौराहों, रेव वेन्यू और पेरिस के क्लबों में हजारों कॉन्सर्ट होते हैं, जिससे लोग एक साथ आते हैं और बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक भी पहुंचते हैं। सरकार ने म्यूजिक डे कार्यक्रमों के आयोजकों को शराब के इस्तेमाल को सीमित करने का आदेश दिया, ताकि 'इमरजेंसी सेवाओं पर दबाव कम रहे और मेडिकल स्टाफ सबसे कमजोर लोगों की देखभाल पर ध्यान दे सके।'

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 22 जून - 2026

दवाओं की गुणवत्ता पर सवाल

केंद्र सरकार द्वारा 16 फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं के निर्माण, वितरण और बिक्री पर रोक लगाने का फैसला जनस्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सरकार का कहना है कि इन दवाओं के उपयोग का कोई ठोस चिकित्सीय आधार नहीं था और इनका लगातार सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता था। इसके साथ ही बड़ा प्रश्न भी खड़ा होता है कि यदि ये दवाएं वास्तव में अनुपयोगी या नुकसानदेह थीं, तो इन्हें वर्षों तक बाजार में बिकने की अनुमति क्यों और कैसे दी गई? एफडीसी दवाएं दो या अधिक औषधियों को मिलाकर तैयार की जाती हैं। इनका उद्देश्य उपचार को सरल और प्रभावी बनाना होता है, लेकिन तभी जब उनका वैज्ञानिक परीक्षण और चिकित्सीय औचित्य प्रमाणित हो। सरकारी दावा है कि प्रतिबंधित दवाओं में यह आधार नहीं पाया गया। ऐसे में सवाल है कि नियामक संस्थाएं पहले ही इनकी गुणवत्ता और उपयोगिता की जांच क्यों नहीं कर सकीं। यह पहला अवसर नहीं है जब एफडीसी दवाओं पर प्रतिबंध लगाया गया हो। इससे पहले भी वैज्ञानिक समीक्षा के बाद कई दवाओं को बाजार से हटाया जा चुका है। इसके बावजूद बार-बार ऐसी स्थिति पैदा होना दवा नियमन प्रणाली की कमजोरियों को उजागर करता है। किसी भी दवा की उपयोगिता, सुरक्षा और गुणवत्ता की कठोर जांच उसके बाजार में आने से पहले ही होनी चाहिए। यदि बाद में प्रतिबंध लगाने की नौबत आती है, तो यह व्यवस्था की खामियों का संकेत है। चिंताजनक तथ्य यह भी है कि इन 16 दवाओं की समीक्षा और जांच सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद तेज हुई। जो कार्य सरकार और नियामक एजेंसियों को अपने स्तर पर करना चाहिए था, वह न्यायपालिका के हस्तक्षेप के बाद हुआ। इससे यह धारणा मजबूत होती है कि दवा नीति और निगरानी व्यवस्था में कई कमियां मौजूद हैं। दवाओं की गुणवत्ता संबंधी समस्याएं लगातार सामने आती रही हैं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की समय-समय पर जारी रिपोर्टों में अनेक दवाओं के नमूने गुणवत्ता परीक्षण में असफल पाए जाते हैं। कई बार राज्यों को संबंधित कंपनियों के लाइसेंस तक निलंबित करने पड़ते हैं। इसके बावजूद घटिया और नकली दवाओं का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। यह स्थिति मरीजों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। विशेष चिंता कफ सिरप जैसे उत्पादों को लेकर रही है। पिछले वर्षों में घटिया कफ सिरप के सेवन से कई बच्चों की मौत की घटनाएं सामने आईं, जिससे भारतीय दवा उद्योग की साख धूमिल हुई। सरकार ने इसके बाद कुछ सख्त कदम उठाए, लेकिन केवल नियमों की घोषणा भर पर्याप्त नहीं है। हाल में बिना डॉक्टर के पर्चे के कफ सिरप की बिक्री रोकने जैसे उपाय किए गए हैं, परंतु समस्या की जड़ घटिया उत्पादन और कमजोर निगरानी है, न कि केवल बिक्री। जनस्वास्थ्य से जुड़े मामलों में जवाबदेही तय किए बिना केवल प्रतिबंध लगाने की नीति अधूरी है। यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि जिन दवाओं को अब हानिकारक माना जा रहा है, उन्हें वर्षों तक बाजार में बने रहने की अनुमति किस आधार पर दी गई थी। यदि इस प्रश्न का सही उत्तर नहीं मिलता, तो भविष्य में भी ऐसी स्थितियों की पुनरावृत्ति से इंकार नहीं किया जा सकता। आवश्यकता इस बात की है कि दवाओं की मंजूरी, परीक्षण, निगरानी और गुणवत्ता नियंत्रण की पूरी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और वैज्ञानिक बनाया जाए। मरीजों का जीवन किसी भी प्रशासनिक लापरवाही से अधिक मूल्यवान है। दवा उद्योग में विश्वास तभी मजबूत होगा, जब सरकार प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित करे कि भविष्य में कोई हानिकारक या अवैज्ञानिक दवा बाजार तक पहुंच ही न सके।

राम मंदिर में चंदे की चोरी लापरवाही या नीयत में खोट

राजेश श्रीवास्तव

राम मंदिर की दान राशि हेरफ़ेर का मामला इन दिनों सुर्खियों में है। जिन लोगों के हाथ में मंदिर की व्यवस्था थी वो सभी सवालों के घेरे में हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारियों और कर्मचारियों से लेकर चंदे की गणना में लगे बैंककर्मी तक सवालों के घेरे में हैं। पूरे प्रांगण में ८०० कैमरे लगे हैं, उसके बाद भी चोरी कैसे हो गई। जब राम मंदिर आंदोलन चल रहा था, तब से लेकर आजतक चंदे का कोई लेखा-जोखा नहीं आया। इस मामले में बहुत बड़े-बड़े लोगों की संलिप्तता है। दावा तो ये भी किया जा रहा है कि कंस्ट्रक्शन में भी बहुत ज्यादा भ्रष्टाचार हुआ है। वहां लगातार चोरी हुई और उसे टालने की कोशिश की जा रही है। ये मामला गंभीर है। अब तक ट्रस्ट क्यों बना हुआ है। उसे अब तक बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए था। अगर चंदे की चोरी हो रही थी तो खुद ट्रस्ट को इसकी एफआईआर दर्ज करानी चाहिए थी। उसने ऐसा क्यों नहीं कराया? एसआईटी ने इतने दिन पूछताछ की, क्या उसने अभी तक कुछ बताया?

मुझे लगता है कि इन सबका बयान आना चाहिए था। इस मामले में संघ की चुप्पी ने मुझे हैरान किया है, प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी ने मुझे हैरान किया है। ये धर्म के साथ बहुत बड़ा अपराध है। सच्चाई सामने आनी चाहिए। एक हिंदू होने के नाते मैं शर्मदा महसूस कर रहा हूं। चंपत राय मौन क्यों हैं? उन्हें सामने आकर बताना चाहिए। ये आस्था की चोरी हुई है। राम मंदिर आंदोलन के समय से ही पैसे का कभी कोई हिसाब नहीं दिया गया। रुपये दिए, लोगों ने जेवर दिए, शिलाएं दान कीं, जिनमें सोने-चांदी की शिलाएं थीं वो सब कहां गईं? ये सिर्फ हिंदुओं की आस्था का मामला नहीं है। राम भारतीयता का प्रतीक हैं। ये भारतीयता को तकलीफ देने वाला मामला है। ये जो एसआईटी बनी है, वो एसआईटी है ही नहीं। एसआईटी हमेशा एफआईआर के बाद गठित होती है। ये सिर्फ एक जांच कमेटी है। यहां ऐसा कुछ नहीं है।

आरोप सबसे अधिक अगर किसी पर लग रहे हैं तो वह चंपत राय, और उनके पूर्व चालक टिन्नू यादव पर । चंपत की नीयत पर किसी को संदेह नहीं है क्योंकि वह सरकारी नौकरी छोड़कर जिस तरह से संघ के कामकाज व राम मंदिर आंदोलन के लिए अपनी सर्वोच्च क्षमता के साथ पूरी ईमानदारी से लगे थे । मुझे अच्छी तरह याद है जब राम मंदिर का उद्घाटन था और मैंने उनसे पूछा कि राम मंदिर के निर्माण में बहुत पैसा आयेगा, इसको कैसे व्यवस्थित रखा जायेगा, तो उन्होंने कहा था कि राम के पैसे की व्यवस्था की जरूरत नहीं, उनके पैसे की निगरानी नहीं. सारा पैसा ईमानदारी से मंदिर निर्माण में लगेगा, और जो राम का पैसा लेगा, उसे कुष्ठ रोग जैसी बीमारी लगेगा। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि उनकी कोई संलिप्तता होगी लेकिन चूंकि व्यवस्था उन्हीं के हाथों में है तो उनको जांच रिपोर्ट आने तक खुद को इस्तीफा देकर अलग कर लेना चाहिए।अगर सही समझें तो राम मंदिर के दानपात्रों की धनराशि में हेराफ़ेरी किए जाने के साथ ही इससे जुड़े साक्ष्यों को मिटाने का खेल भी लंबे समय से चल रहा था।

गबन के खेल में जो ट्रस्ट कर्मी नहीं शामिल होते थे, उन्हें निकाल दिया जाता था या फिर धमकियां देकर अयोध्या छोड़ने को मजबूर किया जाता था। यह तथ्य न केवल विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच में साबित होता नजर आ रहा है बल्कि पूर्व लेखा प्रभारी महिपाल सिह व ट्रस्ट के इंजीनियर रहे प्रयागराज के दीनानाथ वर्मा के बयान भी इसे प्रमाणित कर रहे हैं।

महिपाल सिह के दावे तब सत्य होते दिखे, जब एसआईटी जांच में गणना कक्ष के सीसी कैमरों की फुटेज केवल डेढ़ माह की मिली। टीम ने डिलीट किए गए पुराने डेटा को रिकवर कराने और छेड़छाड़ की जांच के लिए इसे दिल्ली स्थित प्रयोगशाला में भेजा है। दानराशि में चोरी का प्रकरण पांच जून को सामने आने के बाद से अब तक कई तथ्य व पूर्व कर्मियों के बयान सामने आ चुके हैं। यहां तक कि राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र भी मीडिया के सामने आकर इसकी स्वीकारोक्ति कर चुके हैं। उन्होंने भी दानराशि के संग्रहण में हुई वित्तीय पारदर्शिता की चूक को स्वीकारा है और पूरे सिस्टम को बदलने की आवश्यकता जताई है। इससे पहले ट्रस्ट के पूर्व लेखा प्रभारी महिपाल सिह ने सामने आकर यह दावा पहले ही कर दिया था कि मंदिर व्यवस्था से जुड़े रामशंकर यादव टिन्नू ने गणना कक्ष के सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ करके आठ महीने का डेटा डिलीट करा दिया था। उन्होंने विरोध किया तो उन्हें निकलवा दिया गया और धमकियां दी गईं। प्रकरण ने तूल पकड़ा तो 13 जून को राज्य सरकार ने एसआईटी गठित कर मामले की जांच शुरू करा दी।

छह दिनों की जांच में यह प्रमाणित हो गया कि सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ की गई है। इसी बीच ट्रस्ट के पूर्व इंजीनियर दीनानाथ वर्मा भी सामने आ गए और उन्होंने निर्माण सामग्री के बिल पर ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र के ४० प्रतिशत कमीशन लेने का आरोप लगाते हुए सनसनी फैला दी। वर्मा ने यह भी बताया कि वह जब विरोध करने लगे तो उन्हें गणना में लगा दिया गया। वहां भी जब विरोध किया तो अयोध्या छोड़ देने की धमकियां दी गईं। इससे स्पष्ट है कि गबन का यह खेल वर्षों से चल रहा था। इसे अपने रिश्तेदारों व परिचितों को भर्ती करा कर अनुकल्प मिश्रा गति देता रहा। अयोध्या स्थित राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण में हर दिन नए तथ्य सामने आ रहे हैं। इससे मंदिर प्रबंधन पर लग रहे आरोपों के साथ-साथ संदेह भी बढ़ता जा रहा है। मंदिर निर्माण के समय दान देने वाले कुछ श्रद्धालु अब खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं और दान में दी गई वस्तुओं का सार्वजनिक हिसाब मांग रहे हैं। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के नॉर्थ इंडिया हेड अनुराग रस्तोगी ने बताया कि देशभर के सराफा कारोबारियों ने १०-१० और २०-२० ग्राम चांदी भेजकर करीब ६० किलो चांदी एकत्र की थी।

इस चांदी को गलाकर एक से सवा किलो वजन की ईंटें तैयार की गई थीं जिन पर दानदाताओं के नाम और गोत्र अंकित थे। इसके अलावा ऋषिकेश एसोसिएशन की ओर से एक किलो चांदी का कलश भी भेंट किया गया था। रस्तोगी के मुताबिक, २० जुलाई २०२० को चंपत राय की सहमति के बाद ये चांदी की ईंटें अयोध्या स्थित रामकचहरी में सौंपी गई थीं। उस समय चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा और कैशियर प्रकाश गुप्ता मौजूद थे। दान सामग्री स्वीकार करने के बाद शुद्धता प्रमाण पत्र और रसीद भी जारी की गई थी। उनका कहना है कि इन ईंटों को नींव पूजन में उपयोग करने का अनुरोध किया गया था लेकिन बाद में इनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। रस्तोगी ने यह भी दावा किया कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से एक-एक किलो के दो चांदी के दीपक, दो चांदी के कटोरे, २०० ग्राम की पंचधातु सिल्ली और नाग-नागिन का जोड़ा दान किया था।

भरत तिवारी की मौत नहीं, व्यवस्था, न्याय और लोकतंत्र पर खड़े अनेक असहज सवाल

अशोक कुमार झा

बिहार के भोजपुर जिले से सामने आया भरत तिवारी प्रकरण आज केवल एक व्यक्ति की मृत्यु का मामला नहीं रह गया है। यह घटना राज्य की प्रशासनिक कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक व्यवस्था, कानून के शासन, जनसरोकारों और न्यायिक प्रक्रियाओं पर गंभीर बहस का विषय बन चुकी है। सोशल मीडिया से लेकर गांवों की चौपालों तक, राजनीतिक गलियारों से लेकर अदालतों तक, हर जगह एक ही सवाल गूंज रहा है-क्या इस पूरे घटनाक्रम में सब कुछ कानून और संविधान के अनुरूप हुआ? और यदि नहीं, तो जवाबदेही किसकी होगी?

किसी भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी जनता का विश्वास होता है। जनता तब तक व्यवस्था पर भरोसा करती है जब तक उसे लगता है कि उसकी समस्याएं सुनी जा रही हैं, उसके अधिकार सुरक्षित हैं और न्याय सबके लिए समान है। लेकिन जब लोगों को यह महसूस होने लगे कि उनकी आवाज़ को अनसुना किया जा रहा है, गरीबों की समस्याएं फाइलों में दब रही हैं और प्रशासन जनता से दूर होता जा रहा है, तब असंतोष जन्म लेता है। यही असंतोष कभी-कभी आंदोलन का रूप लेता है और कई बार टकराव की स्थिति भी पैदा कर देता है।

भरत तिवारी को लेकर सामने आ रही जानकारियों और उनके समर्थकों के दावों के अनुसार, वे उन गरीब परिवारों की आवाज़ उठा रहे थे जो नदी कटाव की वजह से अपना सब कुछ गंवा चुके थे। बताया जाता है कि लगभग 70 परिवारों के घर नदी में समा गए थे। सरकार ने राहत के तौर पर उन्हें आर्थिक सहायता और पुनर्वास के लिए जमीन उपलब्ध कराई। लेकिन आरोप यह लगाया गया कि जिस भूमि पर इन परिवारों को बसाने की योजना बनाई गई, वह क्षेत्र बरसात के मौसम में गंभीर जलभराव की समस्या से ग्रस्त है। यदि वास्तव में ऐसा था, तो यह केवल एक तकनीकी त्रुटि नहीं बल्कि गरीब और विस्थापित परिवारों के भविष्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न था। बताया जाता है कि भरत तिवारी लगातार इस मुद्दे को अधिकारियों के समक्ष उठाते रहे। उन्होंने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी साझा किए और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया। समर्थकों का दावा है कि वे चाहते थे कि पुनर्वास स्थल को पहले सुरक्षित और रहने योग्य बनाया जाए, ताकि विस्थापित परिवारों को दोबारा किसी संकट का सामना न करना पड़े। यदि गरीबों को मिले सीमित आर्थिक संसाधनों का बड़ा हिस्सा जमीन भराई में ही खर्च हो जाता, तो उनके लिए घर बनाना लगभग असंभव हो जाता।

यहीं से यह प्रश्न खड़ा होता है कि यदि किसी नागरिक या सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा उठाई गई समस्या वास्तव में जनहित से जुड़ी थी, तो क्या प्रशासन ने समय रहते उसकी बात सुनी? क्या स्थानीय स्तर पर संवाद और समाधान की कोशिशें पर्याप्त थीं? क्या ऐसी कोई व्यवस्था थी, जिसके माध्यम से विवाद को बढ़ने से पहले समाप्त किया जा सकता था? ये ऐसे प्रश्न हैं जिनका उत्तर केवल इस मामले के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे प्रशासनिक ढांचे के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र में हथियार उठाना किसी भी समस्या का वैध समाधान नहीं माना जा सकता। संविधान ने नागरिकों को अपनी बात रखने के लिए अनेक लोकतांत्रिक रास्ते दिए हैं। किसी भी परिस्थिति में कानून को अपने हाथ में लेना उचित नहीं ठहराया जा सकता।

जलवायु संकट : कारण, परिणाम और समाधान

डॉ घनश्याम बादल

इक्कीसवीं सदी में जलवायु परिवर्तन मानवता के सामने खड़ी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है। कभी इसे केवल एक दूरस्थ पर्यावरणीय चिंता माना जाता था, किंतु आज यह एक तात्कालिक वैश्विक संकट का रूप ले चुका है जो प्रत्येक राष्ट्र, समुदाय और व्यक्ति को प्रभावित कर रहा है। बढ़ता हुआ तापमान, मौसम के अप्रत्याशित स्वरूप, ग्लेशियरों का पिघलना, लंबे समय तक पड़ने वाला सूखा, विनाशकारी बाढ़, जंगलों में लगने वाली आग तथा जैव विविधता में निरंतर गिरावट इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि पृथ्वी की जलवायु प्रणाली में व्यापक परिवर्तन हो रहे हैं। जलवायु संकट केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं है बल्कि यह आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और मानवीय चुनौती भी है जो सतत विकास और भावी पीढ़ियों के कल्याण के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है।

जलवायु परिवर्तन से तात्पर्य वैश्विक तथा क्षेत्रीय मौसम प्रणालियों में दीर्घकालिक परिवर्तनों से है, विशेष रूप से पृथ्वी के औसत तापमान में हो रही वृद्धि से। यद्यपि पृथ्वी के इतिहास में प्राकृतिक रूप से जलवायु में परिवर्तन होते रहे हैं, किंतु वर्तमान परिवर्तन की गति अभूतपूर्व है और इसके लिए मुख्य रूप से मानवीय गतिविधियां जिम्मेदार हैं। विश्व भर के वैज्ञानिक इस बात पर सहमत हैं कि मनुष्य द्वारा उत्सर्जित ग्रीनहाउस गैसें वर्तमान जलवायु संकट का प्रमुख कारण हैं।

पृथ्वी के वायुमंडल में स्वाभाविक रूप से कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड तथा जलवाष्प जैसी ग्रीनहाउस गैसें मौजूद रहती हैं। ये गैसें सूर्य से प्राप्त ऊष्मा को रोककर पृथ्वी पर जीवन के लिए अनुकूल तापमान बनाए रखती हैं। किंतु मानवीय गतिविधियों के कारण इन गैसों का अत्यधिक उत्सर्जन इस प्राकृतिक ग्रीनहाउस प्रभाव को असंतुलित कर रहा है, जिससे पृथ्वी का तापमान चिंताजनक गति से बढ़ रहा है। औद्योगिक क्रांति के बाद से वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की सांद्रता में भारी वृद्धि हुई है जिसके परिणामस्वरूप वैश्विक तापन और उससे जुड़े जलवायु व्यवधान उत्पन्न हुए हैं।

कई मानवीय गतिविधियों ने जलवायु संकट को गंभीर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बिजली उत्पादन, परिवहन तथा औद्योगिक गतिविधियों के लिए कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का उपयोग विश्व स्तर पर ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन का सबसे बड़ा स्रोत है। तीव्र औद्योगीकरण ने ऊर्जा की खपत और प्रदूषण दोनों को बढ़ाया है, जिससे वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की भारी मात्रा पहुंच रही है।

वनों की कटाई भी एक प्रमुख कारण है। वन कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करके प्राकृतिक कार्बन सिंक का कार्य करते हैं, किंतु कृषि विस्तार, शहरीकरण और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए बड़े पैमाने पर वनों के विनाश से यह प्राकृतिक क्षमता कमजोर पड़ रही है और वैश्विक तापन की गति तेज हो रही है।

कृषि क्षेत्र भी जलवायु परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान देता है। पशुपालन से बड़ी मात्रा में मीथेन गैस उत्पन्न होती है, जो कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में कहीं अधिक प्रभावशाली ग्रीनहाउस गैस है। रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग नाइट्रस ऑक्साइड गैस का उत्सर्जन बढ़ाता है। इसके अतिरिक्त, कचरे का अनुचित प्रबंधन, बढ़ता शहरीकरण और अस्थिर उपभोग की प्रवृत्तियां पर्यावरणीय क्षरण और जलवायु अस्थिरता को और अधिक बढ़ाती हैं। जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम आज पूरी दुनिया में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण ग्लेशियर और ध्रुवीय हिमखंड तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है और तटीय शहरों तथा द्वीपीय देशों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। चक्रवात, तूफान, लू, सूखा और बाढ़ जैसी चरम मौसमीय घटनाएं अधिक बार और अधिक तीव्रता से घटित हो रही हैं। अनियमित वर्षा और बदलती जलवायु परिस्थितियों के कारण कृषि उत्पादन प्रभावित हो रहा है, जिससे खाद्य सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो रहा है। अनेक क्षेत्रों में जल संकट गंभीर रूप धारण कर रहा है तथा जलवायु संबंधी आपदाओं के कारण लाखों लोग विस्थापित होने को विवश हो रहे हैं। जलवायु परिवर्तन जैव विविधता के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न कर रहा है। अनेक वनस्पति और जीव प्रजातियां तेजी से बदलती पर्यावरणीय परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने में संघर्ष कर रही हैं।

प्रवाल भित्तियां, आर्द्रभूमियां, वन तथा आर्कटिक क्षेत्र जैसे पारिस्थितिक तंत्र अभूतपूर्व दबाव का सामना कर रहे हैं। जैव विविधता की हानि पारिस्थितिक संतुलन को कमजोर करती है और मानव जीवन तथा आर्थिक गतिविधियों को सहारा देने की प्रकृति की क्षमता को कम कर देती है।मानव स्वास्थ्य भी जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति अत्यंत संवेदनशील होता जा रहा है। बढ़ता तापमान लू और गर्मी से संबंधित बीमारियों को बढ़ावा देता है, जबकि बदलते मौसम के कारण संक्रामक रोगों का प्रसार भी आसान हो जाता है। जीवाश्म ईंधनों के दहन से उत्पन्न वायु प्रदूषण श्वसन तथा हृदय संबंधी रोगों का कारण बनता है, जिससे प्रतिवर्ष लाखों लोगों की असमय मृत्यु होती है। विशेष रूप से बच्चे, वृद्धजन और आर्थिक रूप से कमजोर समुदाय इन प्रभावों का सबसे अधिक दुष्प्रभाव झेलते हैं।

जलवायु संकट का समाधान बहुस्तरीय और समन्वित प्रयासों के माध्यम से ही संभव है। सरकारों की इसमें केंद्रीय भूमिका है। उन्हें ऐसी नीतियां और नियम बनाने चाहिए जो सतत विकास को बढ़ावा दें और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करें। सौर, पवन, जलविद्युत और भू-तापीय ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में निवेश करके जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता को काफी हद तक कम किया जा सकता है। सरकारों को पर्यावरणीय कानूनों को मजबूत बनाना चाहिए, हरित प्रौद्योगिकियों को प्रोत्साहित करना चाहिए, सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बेहतर बनाना चाहिए। तथा जलवायु-अनुकूल आधारभूत संरचनाओं का विकास करना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी उतना ही आवश्यक है क्योंकि जलवायु परिवर्तन किसी एक देश की समस्या नहीं बल्कि समूची मानवता की चुनौती है।

व्हिस्की के गिलास में रामराज्य

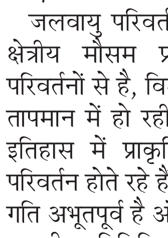

सुरेश कुमार मिश्रा

धुंधली बत्ती और मच्छर भगाने वाली कॉइल के धुएं के बीच वह बैठ कर फाइलें देख रहा था। सरकारी दफ्तर की घिसी हुई कुर्सी पर बैठे-बैठे उसकी पीठ अकड़ चुकी थी। नाम था उसका अविनाश। पद था सीनियर क्लर्क, लेकिन काम था एक अदद रीढ़ विहीन बंधुआ मजदूर का। बाहर तेज बारिश हो रही थी। पूरा शहर पानी में डूब रहा था। झुग्गियों में पानी घुस चुका था। लोग छतों पर भूखे-प्यासे बैठे थे। कंट्रोल रूम के फोन लगातार बज रहे थे और अविनाश हर फोन पर एक ही रटा-रटाया वाक्य बोल रहा था, राहत सामग्री भेजी जा रही है, धैर्य रखें।

तभी उसकी जेब में रखा पुराना फोन थरथराया। स्क्रीन पर चमका, विधायक जी। अविनाश ने हड़बड़ाकर फोन उठाया। दूसरी तरफ से भारी और रोबीली आवाज आई, सुनो अविनाश, जरा कोठी पर आओ। कुछ जरूरी कागज साइन करने हैं। और हां, वो बाढ़ राहत वाली फाइल भी लेते आना। अविनाश ने बाहर देखा। घुटनों तक पानी था। कोई साधन नहीं था। लेकिन हुक्म तो हुक्म था। उसने प्लास्टिक की थैली में फाइल को लपेटा, अपनी फटी हुई चप्पल संभाली और पैदल ही निकल पड़ा। भूख से उसके पेट में मरोड़ उठ रही थी। उसकी अपनी बस्ती भी डूबने की कगार पर थी। उसकी बूढ़ी मां और छोटी बहन घर में अकेली थीं। उसने मां को फोन करने की कोशिश की, लेकिन नेटवर्क गायब था। एक अजीब सी घबराहट उसके सीने में बैठ गई थी।आधे घंटे की मशक्कत के बाद वह विधायक निवास के विशाल लोहे के गेट के सामने था। बाहर पुलिस का पहरा था। अंदर का नजारा बाहर की दुनिया से बिल्कुल अलग था। आलीशान लॉन, चमचमाती गाड़ियां और झूमर की रोशनी। अविनाश को सीधे अंदर बड़े हॉल में बुला लिया गया। हॉल का दरवाजा खुलते ही जो मंजर दिखा, उसने अविनाश के पेट की भूख को एक कड़वी ऐंठन में बदल दिया। कमरे में ठंडी हवा चल रही थी। एक बड़े से सोफे पर विधायक जी अपने कुछ खास गुर्गों के साथ बैठे थे। बीच की मेज पर काजू भुने प्लेट में रखे थे और महंगी व्हिस्की ग्लास में तैर रही थी। ठहाकों की गूंज थी। ऐसा लग रहा था जैसे बाहर की तबाही से इस कमरे का कोई लेना-देना ही नहीं है। सचमुच, उतरा है रामराज्य विधायक निवास में। विधायक जी ने अविनाश को देखा और मुस्कुराए, आओ अविनाश। बैठो नहीं, खड़े ही रहो। काम जल्दी निपटाना है। वो राहत कोष वाली फाइल लाओ।अविनाश ने कांपते हाथों से फाइल आगे बढ़ा दी। विधायक जी ने ग्लास में एक घूंट भरा और फाइल के पन्नों को पलटने लगे।

उस फाइल में लिखा था कि शहर के किस-किस इलाके में पांच-पांच लाख रुपये की राहत सामग्री और खाना तुरंत भेजा जाना है। विधायक जी ने पेन निकाला और उन इलाकों के नामों को काटना शुरू कर दिया जहां गरीब और मजदूर रहते थे। उन्होंने उन पैसों को अपने चहेते ठेकेदारों के खातों में ट्रांसफर करने का आदेश लिख दिया। अविनाश से रहा नहीं गया। उसने हिम्मत जुटाकर कहा, सर, उन इलाकों में स्थिति बहुत खराब है। पानी गले तक आ गया है। अगर आज रात खाना और नावें नहीं पहुंचीं, तो कई लोग नहीं बचेंगे। मेरी खुद की बस्ती भी...विधायक जी ने अविनाश को ऊपर से नीचे तक देखा। उनकी आंखों में एक डरावना ठंडापन था। उन्होंने ग्लास मेज पर पटका और बोले, राजनीति भावनाओं से नहीं, समीकरणों से चलती है अविनाश बाबू। वो लोग हमारे वोटर नहीं हैं। जो हमारे काम का नहीं, उसके लिए सरकारी खजाना नहीं खुलता।

तुम अपना क्लर्कपना दफ्तर में छोड़ा करो। यहां जो कहा जाए, बस उस पर मुहर लगाओ। तभी विधायक जी के एक गुर्गे का फोन बजा। उसने फोन सुना और हंसते हुए बोला, भाई साहब, गजब हो गया। आपके विरोधी दल के नेता जिस नाव से दौरा कर रहे थे, वो नाव ही पलट गई। नेता जी डूब गए। पूरे कमरे में ठहाका गूंज उठा। काजू की प्लेट आगे बढ़ा दी गई।

आयात निर्भरता होगी कम, 100 उत्पाद किये जाएंगे चिन्हित

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

आयात निर्भरता कम करने की दिशा में भारत सरकार ने ठोस कदम उठाने शुरु कर दिए हैं। देश में आयात में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है तो इलेक्ट्रोनिक उत्पादों का आयात 100 अरब डॉलर के आंकड़े को भी पहलीबार पार कर गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्र प्रथम, मेड इन इण्डिया और वोकल फॉर लोकल को केवल जुमला के स्थान पर धरातल पर उतारने को कटिबद्ध हो गए हैं। पिछले दिनों देश में 100 सर्वाधिक आयात होने वाले उत्पादों को चिन्हित कर उनका देश में ही उत्पादन बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास शुरु किये गये हैं। उद्योग एवं व्यापार संवर्धन विभाग के सचिव की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन कर 3 सप्ताह में सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। इसके लिए 6 क्षेत्र विशेष कार्य समूह का गठन किया गया है। कमेटी द्वारा एक मोटे अनुमान के अनुसर 500 आयात होने वाले प्रमुख उत्पादों का अध्ययन किया जाएगा और इनमें से पहले चरण में 100 उत्पादों का चयन किया जाएगा। इन 100 उत्पादों का उत्पादन देश में ही बढ़ाया जाएगा ताकि विदेशों से आयात पर निर्भरता कम हो सके।

दरअसल देश में 2025-26 में 7.5 प्रतिशत ग्रोथ के साथ 775 अरब अमेरिकी डॉलर के उत्पाद आयात हुए हैं। इनमें भी 18 प्रतिशत की विकास दर के साथ सर्वाधिक 116 अरब डॉलर के इलेक्ट्रोनिक उत्पाद आयात किये गये हैं। देश में प्रमुखतः 6 क्षेत्रों में आयात हो रहा है। इनमें फार्मास्यूटिकल, बायोटेक, मेडिकल क्षेत्र, रसायन और पेट्रोकेमिकल, कपड़े, जूते आदि सेक्टर, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक वाहन ईवी और पूजीगत सामानों का आयात सेक्टर, उर्जा क्षेत्र, निर्माण और संरचना क्षेत्र और रक्षा, एयरोस्पेस, इलेक्ट्रोनिक्स आदि सेक्टर है। यह कमेटी इन सेक्टरों के 500 प्रमुख उत्पादों में से 100 उत्पाद चिन्हित करेंगी जिनका उत्पादन देश में बढ़ाया जा सके और आयात में निर्भरता को कम किया जा सके। कमेटी ने काम आरंभ कर दिया है और सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि कमेटी को 3 सप्ताह में अपनी रिपोर्ट सरकार को देने के लिए कहा गया है। इसका मतलब यह है कि सरकार सर्वाधिक आयात होने वाले 100 उत्पादों का उत्पादन देश में ही बढ़ाने के लिए संकल्पित है।

दरअसल प्रधानमंत्री वोकल फॉर लोकल की बात हवा में नहीं करते रहे हैं। मेड इन इंडिया और इसकी ब्रॉण्डिंग की बात भी हवाहवाई ना होकर इसके पीछे आयात को कम करने और भारतीय उत्पादों की विदेशों में पहचान बनाने और बाजार विकसित करने में हैं। इसी दिशा में बढ़ता एक कदम सरकार को एक जिला एक उत्पाद कार्यक्रम है। एक बात तो यह साफ हो जानी चाहिए कि भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता और पहचान रही है। आगे भी इसके ठोस प्रयास करने होंगे। दूसरी यह कि आयात का सीधा अर्थ है कि इन उत्पादों की हमारे देश में काफी मांग है और इस मांग की पूर्ति नहीं हो पर रही है और विदेशों से आयात पर निर्भरता बनी हुई है। ऐसे में योजनाबद्ध तरीके से आयात घटाने, स्थानीय आवश्यकता की देश में ही आपूर्ति सुनिश्चित करने और निर्यात बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाने की आवश्यकता है और सरकार के इन प्रयासों में यही परिलक्षित हो रहा है।

किसी भी देश के आर्थिक स्वास्थ्य के लिए आयात पर निर्भरता कम होनी चाहिए। देश में ही उत्पादन होने लगता है तो एक और विदेशी मुद्रा की बचत होती है तो दूसरी और देश में ही रोजगार, निवेश और सरकारी राजस्व के साथ ही इकोनोमी का बूस्ट मिलता है। केन्द्र सरकार ने देश में ही उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन योजना सहित अनेक कदम उठाने जा रही है। इसे इस दृष्टि से शुभ संकेत व सरकार की गंभीरता के रुप में समझा जा सकता है। केन्द्र सरकार ने देश में ही उत्पादन बढ़ाने के लिए पीएलआई यानी प्रोडक्शन लिंक्ड इंस्टेटिव योजना लागू की है। इसमें इलेक्ट्रोनिक्स, फार्मा, ऑटोमोबाइल, रसायन सहित 14 प्रमुख क्षेत्रों को प्रोडक्शन लिंक्ड इंस्टेटिव के दायरें में लाया गया है। इसके साथ ही देश में आरएण्डी सेल बनाकर शोध एवं अनुसंधान पर जोर दिया जा रहा है। इसके अलावा विदेशों से आयात कर डंपिंग पर रोक लगाने के लिए एंटीडंपिंग शुल्क लगाने के साथ ही योजनाबद्ध तरीके से मेड इन इंडिया को प्रोत्साहित किये जाने पर जोर दिया जा रहा है।

देश को आर्थिक दृष्टि से सशक्त राष्ट्र बनाने के लिए आयात पर निर्भरता तो कम करनी ही होगी। आज विदेशी के नाम पर देशवासियों खासतौर से अमीर लोगों की खरीद की प्रवृति को भी बदलने की आवश्यकता है। माना जाना चाहिए कि उद्योग सचिव की कमेटी द्वारा 100 उत्पादों के चिन्हिकरण और ठोस योजना के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी और सरकार द्वारा भी कमेटी की सिफारिश के अनुसार चिन्हित 100 उत्पादों के उत्पादन बढ़ाने की खासतौर से स्थानीय मांग की पूर्ति की कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन करना होगा। इसके लिए आवश्यक किसी भी तरह का सहयोग की आवश्यकता हो तो सरकार को खुले दिल से आगे आना होगा। इससे सबसे बड़ा लाभ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। यहां के युवा एंटरप्रोन्योर बनेंगे, बाजार में सभावनाएं विकसित होगी और इकोनोमी को बूस्ट मिलेगा।

कैलाश-मानसरोवर : जहाँ मौन 'ॐ' बनकर गूंजता है...!

सुरेश गांधी

धरती पर कुछ स्थान ऐसे होते हैं जिन्हें केवल भौगोलिक सीमाओं में नहीं बाँधा जा सकता। वे किसी देश, किसी राज्य या किसी मानचित्र के नहीं, बल्कि पूरी मानव सभ्यता की आध्यात्मिक धरोहर होते हैं। हिमालय की गोद में स्थित कैलाश-मानसरोवर ऐसा ही एक तीर्थ है। यहाँ पहुँचने वाला हर यात्री केवल पहाड़, झील और बर्फ नहीं देखता, बल्कि अपने भीतर छिपे उस मौन से भी साक्षात्कार करता है, जिसे भारतीय दर्शन ने हजारों वर्षों से 'आत्मा' कहा है। कैलाश केवल एक पर्वत नहीं है, यह भारतीय संस्कृति के केंद्र में विराजमान भगवान शिव का निवास है। मानसरोवर केवल एक झील नहीं, बल्कि मन की निर्मलता, तपस्या और आत्मशुद्धि का प्रतीक है।

यही कारण है कि हजारों वर्षों से ऋषि, मुनि, योगी, संन्यासी और सामान्य श्रद्धालु इस दुर्गम यात्रा को जीवन का सबसे बड़ा आध्यात्मिक सौभाग्य मानते आए हैं। आज जब दुनिया तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भौतिक प्रगति के नए शिखर छू रही है, तब भी कैलाश-मानसरोवर का आकर्षण कम नहीं हुआ। बल्कि मानसिक तनाव, भागदौड़ और जीवन की जटिलताओं के बीच इसकी महत्ता और बढ़ गई है। यह यात्रा मनुष्य को याद दिलाती है कि जीवन का सबसे बड़ा शिखर बाहर नहीं, भीतर होता है। खास यह है कि कैलाश बुलाता नहीं, वह तभी दर्शन देता है जब स्वयं महादेव की कृपा होती है।

हिमालय के पश्चिमी तिब्बत क्षेत्र में समुद्र तल से लगभग 6,638 मीटर की ऊँचाई पर स्थित कैलाश पर्वत को सनातन धर्म में भगवान शिव और माता पार्वती का निवास माना जाता है। पुराणों में वर्णित है कि यहीं भगवान शिव समाधिस्थ रहते हैं, यहीं से वे सृष्टि के संतुलन का संचालन करते हैं और यहीं से योग, ध्यान तथा वैराग्य का संदेश सम्पूर्ण मानवता तक पहुँचता है। हिंदू मान्यता के अनुसार कैलाश ब्रह्मांड की आध्यात्मिक धुरी है। यही कारण है कि करोड़ों श्रद्धालु जीवन में एक बार इस धाम के दर्शन की कामना करते हैं। 'मानसरोवर' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है—'मानस' अर्थात मन और 'सरोवर' अर्थात झील। पुराणों में वर्णन मिलता है कि सृष्टिकर्ता ब्रह्मा ने अपने मन में इस झील की कल्पना की और उसी संकल्प से इसका प्राकट्य हुआ। इसलिए इसका नाम मानसरोवर पड़ा। करीब 320 वर्ग किलोमीटर में फैली यह झील विश्व की सबसे ऊँचाई पर स्थित मीठे पानी की प्रमुख झीलों में गिनी जाती है। इसका जल इतना स्वच्छ होता है कि शांत मौसम में पूरा कैलाश पर्वत इसमें दर्पण की तरह प्रतिबिंबित होता दिखाई देता है। कैलाश-मानसरोवर केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की आध्यात्मिक चेतना का शिखर है। यह वह भूमि है जहाँ श्रद्धा और प्रकृति एकाकार हो जाती हैं। यहाँ पहुँचने वाला व्यक्ति केवल पर्वत और झील नहीं देखता, बल्कि अपने भीतर बसे उस मौन से भी परिचित होता है, जिसे हमारे ऋषियों ने आत्मबोध का मार्ग कहा है। इसलिए भारतीय परंपरा में कहा गया है कि कैलाश की यात्रा पैरों से नहीं, श्रद्धा से पूरी होती है।

चार धर्मों की साझा आस्था

कैलाश-मानसरोवर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल हिंदुओं का तीर्थ नहीं है। सनातन धर्म : भगवान शिव का दिव्य निवास। बौद्ध धर्म : बौद्ध परंपरा में इसे मेरु पर्वत का प्रतीक और ध्यान की सर्वोच्च भूमि माना जाता है। जैन धर्म : मान्यता है कि प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव ने यहीं निर्वाण अथवा कैवल्य ज्ञान प्राप्त किया। बोन धर्म : तिब्बत के प्राचीन बोन धर्म के अनुयायी भी कैलाश को सम्पूर्ण ब्रह्मांड का केंद्र मानते हैं। विश्व में ऐसे तीर्थ अत्यंत दुर्लभ हैं जहाँ चार-चार धार्मिक परंपराओं की समान श्रद्धा हो।

चार महान नदियों का उद्गम क्षेत्र

कैलाश क्षेत्र को एशिया का 'जल स्तंभ' भी कहा जाता है। इसके आसपास के हिमनदों और पर्वतीय क्षेत्रों से चार महान नदी प्रणालियों का उद्गम माना जाता है— सिंधु सतलुज ब्रह्मपुत्र कर्णाली (घाघरा प्रणाली). इन नदियों ने हजारों वर्षों से करोड़ों लोगों की सभ्यता, कृषि, संस्कृति और अर्थव्यवस्था को जीवन दिया है।

क्यों नहीं चढ़ा कोई कैलाश पर?

माउंट एवरेस्ट सहित विश्व की लगभग सभी प्रमुख चोटियों पर मानव पहुँच चुका है, लेकिन कैलाश आज भी आरोहण से अछूता है। इसके पीछे केवल प्राकृतिक कठिनाई नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था भी है। कैलाश को भगवान शिव का निवास मानते हुए इस पर चढ़ना अनुचित माना गया। यही कारण है कि इसे विश्व के उन विरले पर्वतों में गिना जाता है जिसकी पवित्रता आज भी अक्षुण्ण है।

कैलाश परिक्रमा लगभग 52 किलोमीटर लंबी होती है। सामान्यतः इसे तीन दिनों में पूरा किया जाता है। इस दौरान यात्रियों को लगभग 18,600 फीट ऊँचे डोलमा ला दर्रे से गुजरना पड़ता है। कम ऑक्सीजन, तेज हवाएँ, बर्फबारी, ऊबड़-खाबड़ रास्ते और शून्य से नीचे तापमान यात्रा को अत्यंत कठिन बना देते हैं। लेकिन श्रद्धालुओं का कहना है— कैलाश तक पैर नहीं, विश्वास पहुँचाता है।

मानसरोवर स्नान का आध्यात्मिक महत्व

हिंदू मान्यता है कि मानसरोवर में स्नान करने से मनुष्य के अनेक जन्मों के पाप धुल जाते हैं। हालांकि इसका वास्तविक संदेश केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि है। जब कोई श्रद्धालु हजारों किलोमीटर की कठिन यात्रा के बाद इस निर्मल जल को देखता है, तब उसे अपने भीतर भी वैसी ही निर्मलता लाने की प्रेरणा मिलती है।

कैलाश पर क्यों रहते हैं शिव?

भारतीय दर्शन में शिव केवल देवता नहीं, बल्कि जीवन का सिद्धांत हैं। वे हिमालय जैसे अचल हैं। वे गंगा जैसे निर्मल हैं। वे आकाश जैसे अनंत हैं। कैलाश इसीलिए उनका निवास है क्योंकि यह संसार के कोलाहल से दूर पूर्ण मौन, ध्यान और संतुलन का प्रतीक है।

रहस्य और विज्ञान

कैलाश का आकार लगभग चारमुखी पिरामिड जैसा दिखाई देता है। इसकी सममित आकृति वैज्ञानिकों को भी आकर्षित करती रही है। समय-समय पर इसके बारे में अनेक रहस्यमयी दावे किए गए—जैसे समय तेजी से बीतना, अलौकिक ऊर्जा, चुंबकीय प्रभाव आदि। किंतु इन दावों के समर्थन में ठोस वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। वास्तविकता यह है कि कैलाश का सबसे बड़ा रहस्य उसकी आध्यात्मिक अनुभूति और सांस्कृतिक विरासत है। वास्तविकता यह है कि कैलाश का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक विरासत है, जिसने हजारों वर्षों से करोड़ों लोगों को प्रेरित किया है.

भारतीय साहित्य और कला में कैलाश

संस्कृत साहित्य, शिवपुराण, स्कंदपुराण, रामचरितमानस, शिवमहिम्न स्तोत्र, कालिदास की रचनाओं और लोक साहित्य में कैलाश का बार-बार उल्लेख मिलता है। काशी से लेकर केदारनाथ और अमरनाथ तक शिव की आराधना का केंद्र कहीं न कहीं कैलाश की स्मृति से जुड़ा हुआ है। भारतीय चित्रकला, मंदिर स्थापत्य और लोकगीतों में भी कैलाश का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कैलाश यात्रा : पर्यटन नहीं, तपस्या

कैलाश-मानसरोवर की यात्रा किसी पर्यटन पैकेज की तरह नहीं होती। यहाँ हर दिन कठिन पैदल यात्रा होती है। ऑक्सीजन कम होती है। मौसम पलभर में बदल जाता है। कई बार बर्फबारी, वर्षा और तेज हवाएँ साथ चलती हैं। इसीलिए इस यात्रा को तपस्या कहा गया है।

मानसरोवर की सुबह : प्रकृति की सबसे सुंदर आरती

भोर होते ही जब सूर्य की पहली किरण मानसरोवर पर पड़ती है तो पूरा सरोवर सुनहरी चादर ओढ़ लेता है। दूर कैलाश पर्वत पर बर्फ चमकने लगती है। हवा में ऐसी निस्तब्धता होती है कि पक्षियों की आवाज भी किसी मंत्र की तरह प्रतीत होती है। यात्री कहते हैं कि उस क्षण शब्द समाप्त हो जाते हैं और केवल अनुभव शेष रह जाता है।

पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी

कैलाश-मानसरोवर क्षेत्र केवल धार्मिक धरोहर नहीं, बल्कि हिमालयी पारिस्थितिकी का महत्वपूर्ण भाग है। जलवायु परिवर्तन के कारण हिमनदों के सिकुड़ने, तापमान बढ़ने और पर्यावरणीय असंतुलन की चुनौतियाँ इस क्षेत्र को भी प्रभावित कर रही हैं। इसलिए तीर्थयात्रियों की जिम्मेदारी है कि वे प्लास्टिक, कचरा और प्रदूषण से इस क्षेत्र को बचाएँ।

भारत के लिए कैलाश का महत्व

कैलाश भारतीय सांस्कृतिक चेतना का अभिन्न अंग है। आदि शंकराचार्य से लेकर आधुनिक संतों तक सभी ने कैलाश को आत्मबोध की भूमि कहा है। भारतीय समाज में शिव का अर्थ केवल पूजा नहीं, बल्कि समरसता, करुणा, त्याग, समानता, प्रकृति के प्रति सम्मान और संयम भी है। इसीलिए कैलाश भारतीय सभ्यता का जीवंत प्रतीक है।

यात्रा की तैयारी

कैलाश-मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले यात्रियों को कई महीनों पहले से तैयारी करनी चाहिए। प्रतिदिन 5–8 किलोमीटर पैदल चलने का अभ्यास। हृदय, फेफड़े और रक्तचाप की चिकित्सकीय जाँच। ऊँचाई पर होने वाली समस्याओं के प्रति जागरूकता। गर्म कपड़े, ट्रेकिंग जूते और आवश्यक दवाइयाँ। मानसिक धैर्य और अनुशासन।

आधुनिक समय में यात्रा का बदलता स्वरूप

हाल के वर्षों में भारत सरकार ने कैलाश-मानसरोवर यात्रा के लिए व्यवस्थाओं को अधिक व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के प्रयास किए हैं। सड़क संपर्क, चिकित्सा सहायता, डिजिटल पंजीकरण और वैकल्पिक मार्गों पर भी काम हुआ है, जिससे श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके। फिर भी यह यात्रा आज भी दुनिया की सबसे कठिन तीर्थयात्राओं में गिनी जाती है और इसके लिए शारीरिक क्षमता, चिकित्सकीय अनुमति तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं का पालन आवश्यक है।

आस्था का सर्वोच्च शिखर

शिवपुराण, स्कंदपुराण, मत्स्यपुराण, लिंगपुराण और अनेक अन्य ग्रंथों में कैलाश का उल्लेख मिलता है। पुराणों के अनुसार यहीं भगवान शिव समाधिस्थ रहते हैं, यहीं से योग, ध्यान, तप और वैराग्य का संदेश समूची सृष्टि तक पहुँचता है। कैलाश का प्रत्येक भाग प्रतीकात्मक रूप से दिव्यता का परिचायक माना गया है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इसका दक्षिण भाग नीलम, पूर्व भाग स्फटिक (क्रिस्टल), पश्चिम भाग माणिक (रूबी) और उत्तर भाग स्वर्ण के समान तेजस्वी माना जाता है। यह वर्णन केवल भौतिक स्वरूप का नहीं, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा के विभिन्न आयामों का प्रतीक है।

पौराणिक मान्यता है कि सृष्टिकर्ता ब्रह्मा ने अपने मानस में इस दिव्य सरोवर की कल्पना की और उसी संकल्प से इसका प्राकट्य हुआ। इसी कारण इसे 'मानसरोवर' कहा गया। भारतीय दर्शन में यह केवल एक झील नहीं, बल्कि निर्मल मन, पवित्र विचार और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। मान्यता है कि मानसरोवर के दर्शन, उसके तट पर ध्यान अथवा श्रद्धा से स्नान करने से व्यक्ति के भीतर आध्यात्मिक शांति का संचार होता है।

महावीर स्वामी की राजा को सीख

धन, पद और सुविधाएं अस्थायी हैं, इनका घमंड न करें, क्योंकि इनके जाने के बाद आत्मविश्वास भी खत्म हो जाता है

एक लोक कथा है, पुराने समय में एक राजा अपनी शक्ति और धन के लिए प्रसिद्ध था। उसके पास सोने-चांदी के खजाने, रत्न और विशाल सेना थी। धीरे-धीरे इन उपलब्धियों ने उसके भीतर अहंकार भर दिया। उसे लगता था कि संसार में उससे बड़ा और महत्वपूर्ण व्यक्ति कोई और नहीं है।

राजा अक्सर महावीर स्वामी के दर्शन करने जाता था। हर बार वह अपने साथ बहुमूल्य उपहार लेकर पहुंचता। कभी सोने की थाल, कभी हीरे-जवाहरात, तो कभी दुर्लभ रत्न। वह सोचता था कि इतने कीमती उपहार देखकर महावीर स्वामी अवश्य प्रसन्न होंगे, लेकिन हर बार महावीर स्वामी मुस्कुराकर केवल एक ही बात कहते, "राजन, इन्हें गिरा दो।"

राजा स्वामी की आज्ञा मानकर उपहार वहीं रख देता, लेकिन उसके मन में सवाल उठता कि आखिर स्वामी इन वस्तुओं को स्वीकार क्यों नहीं करते। कई बार ऐसा ही होने पर राजा के मन में चिंता बढ़ने लगी। उसे लगा कि शायद स्वामी उसके सम्मान की कद्र नहीं करते।

एक दिन उसने अपने मंत्री से सलाह मांगी। मंत्री बुद्धिमान था। उसने कहा, "राजन, अगली बार केवल फूल लेकर जाइए।"

राजा फूल लेकर पहुंचा। उसने श्रद्धा से फूल अर्पित किए, लेकिन इस बार भी महावीर स्वामी ने वही कहा, "इन्हें गिरा दो।"

राजा और अधिक निराश हो गया। तब मंत्री ने सुझाव दिया कि अगली बार वह खाली हाथ जाए।

दूसरे दिन राजा बिना किसी उपहार के महावीर स्वामी के पास पहुंचा। उसने कहा, "स्वामी जी, अब मैं कुछ भी लेकर नहीं आया हूं। अब आप क्या गिराने को कहेंगे?"

महावीर स्वामी ने शांत स्वर में कहा, "राजन, अब स्वयं को गिरा दो।"

राजा चौंक गया। कुछ क्षण बाद वह समझ गया कि स्वामी वस्तुओं की नहीं, उसके अहंकार की बात कर रहे थे। उसने महसूस किया कि उसने धन, पद और शक्ति को अपनी पहचान बना लिया था।

उस दिन राजा ने विनम्रता का मार्ग अपनाने का संकल्प लिया। उसने समझ लिया कि जीवन की सबसे बड़ी जीत दूसरों पर नहीं, बल्कि अपने अहंकार पर विजय पाना है। तभी मन में शांति, रिश्तों में मधुरता और जीवन में सच्ची सफलता मिलती है।

कथा की सीख

अहंकार की पहचान करें

जीवन में प्रगति करना अच्छी बात है, लेकिन जब उपलब्धियां घमंड में बदल जाएं, तो वे विकास को रोक देती हैं। समय-समय पर स्वयं से पूछें कि कहीं सफलता ने आपको दूसरों से श्रेष्ठ समझने की आदत तो नहीं दे दी।

सीखने की मानसिकता बनाए रखें

जो व्यक्ति सोचता है कि उसे सब कुछ पता है, उसका विकास रुक जाता है। हर व्यक्ति और हर परिस्थिति से कुछ न कुछ सीखने का अवसर मिलता है। विनम्रता सीखने के द्वार खोलती है।

पद और संपत्ति को पहचान न बनाएं

धन, पद और प्रतिष्ठा अस्थायी हैं। यदि हमारी पहचान केवल इन्हीं पर आधारित होगी, तो इनके जाने पर आत्मविश्वास भी खत्म हो जाएगा। अपनी पहचान अच्छे चरित्र और मूल्यों से बनाएं।

सादगी को अपनाएं

सादगी केवल पहनावे में नहीं, बल्कि विचारों में भी होनी चाहिए। सरल जीवन और स्पष्ट सोच व्यक्ति को तनाव से दूर रखती है और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाती है।

दूसरों का सम्मान करें

हर व्यक्ति के पास कोई न कोई विशेषता होती है। कर्मचारियों, सहकर्मियों, परिवार के सदस्यों और मित्रों के विचारों को महत्व दें। सम्मान देने से संबंध मजबूत होते हैं।

आलोचना को अवसर समझें

कई लोग आलोचना सुनते ही नाराज हो जाते हैं, लेकिन रचनात्मक आलोचना हमारी कमियों को उजागर करती है। इसे सुधार के अवसर के रूप में स्वीकार करें।

दूसरों से तुलना करना छोड़ें

दूसरों से तुलना करने पर या तो अहंकार बढ़ता है या हीन भावना पैदा होती है। अपनी तुलना केवल अपने पिछले प्रदर्शन से करें और निरंतर सुधार पर ध्यान दें।

कृतज्ञता का अभ्यास करें

प्रतिदिन उन लोगों और परिस्थितियों के लिए धन्यवाद व्यक्त करें, जिन्होंने आपके जीवन को बेहतर बनाया है। कृतज्ञता अहंकार को कम करती है और सकारात्मकता बढ़ाती है।

अच्छे मार्गदर्शक का साथ लें

गुरु या अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन जीवन की दिशा स्पष्ट करता है। उनका अनुभव हमारी गलतियों को कम कर सकता है।

स्वयं पर विजय प्राप्त करें

हमें अपने मन, अहंकार और नकारात्मक भावनाओं पर नियंत्रण करना चाहिए। जो व्यक्ति स्वयं को जीत लेता है, वह किसी भी चुनौती का सफलतापूर्वक सामना कर सकता है। जीवन में वास्तविक सफलता धन या शक्ति से नहीं, बल्कि विनम्रता, आत्म-जागरूकता और अहंकार पर विजय से प्राप्त होती है। यही महावीर स्वामी के संदेश का सार है।

इस मूलांक के लोग होते हैं सबसे बड़े दानवीर

अंकज्योतिष शास्त्र अनुसार किसी भी व्यक्ति के मूलांक से आप उसके नेचर, आदतों और भविष्य का आसानी से पता कर सकते हैं। जैसे किसी मूलांक के लोग बेहद आक्रामक स्वभाव के होते हैं तो किसी के शांत। इसी तरह से एक ऐसा मूलांक भी है जिससे जुड़े लोग बेहद दानवीर स्वभाव के होते हैं।

इनके अंदर दया भाव इतनी ज्यादा होती है कि इनसे किसी का भी दुख देखा नहीं जाता और ये तुरंत ही मदद के लिए तैयार हो जाते हैं। इस मूलांक वालों पर ईश्वर की खास कृपा रहती है। चलिए जानते हैं ये किस मूलांक के लोग हैं।

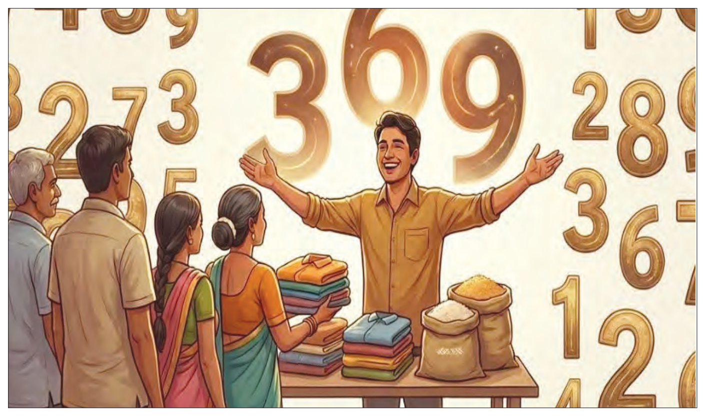

कौन सा है यह खास मूलांक?

ये खास मूलांक है 9। जिन लोगों की जन्म तारीख 9, 18 और 27 होती है उनका मूलांक 9 होता है। इस मूलांक के लोग मंगल की ऊर्जा लेकर पैदा होते हैं। इनकी सोच काफी सकारात्मक होती है और दिल बहुत ही बड़ा। ये लोग दूसरों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

सबसे ज्यादा दानवीर स्वभाव के होते हैं ये लोग

मूलांक 9 के लोग किसी को भी परेशानी में नहीं देख सकते, इसलिए ये तुरंत ही मदद के लिए तैयार हो जाते हैं।

ये लोग अपने जीवन में खूब दान-पुण्य करते हैं।

समाज सेवा में इनका खूब मन लगता है। यही कारण है कि इस मूलांक के लोग अक्सर NGO, अनाथालयों, अस्पतालों या इसी तरह के सामाजिक संस्थाओं से जुड़े होते हैं।

इन्हें लाइफ में पैसा ही नहीं बल्कि भरपूर सम्मान भी मिलता है।

इनके अंदर अन्याय के खिलाफ लड़ने का जज्बा होता है।

ये भले ही ऊपर से बड़े कठोर दिखाई दें लेकिन दिल से ये बहुत ही कोमल होते हैं।

ये रिश्ते निभाने में भी माहिर होते हैं।

इनके दोस्त भी काफी जल्दी बन जाते हैं।

ईश्वर की पाते हैं खास कृपा

कहते हैं मूलांक 9 वालों पर ईश्वर की खास कृपा सदैव बनी रहती है। जिस कारण से ये जो भी काम हाथ में लेते हैं उसमें सफलता जरूर पाते हैं। ये बिजनेस में भी खूब अच्छा करते हैं। भगवान की कृपा से इनकी आर्थिक स्थिति भी अमूमन बढ़िया ही रहती है। ये अपनी कड़ी मेहनत से अच्छा धन कमाने में सफल रहते हैं।

अक्सर लोग ड्राइंग रूम में सोफा सेट लगाने के बाद उसके ठीक पीछे वाली दीवार पर सुंदर पेंटिंग्स जरूर लगाते हैं। लेकिन अब सवाल ये आता है कि यहां कौन सी तस्वीर लगाना सबसे शुभ होता है। यहां हम इसी बारे में आपको बताएंगे।

वास्तु अनुसार सोफे के ठीक पीछे वाली दीवार पर ऐसी तस्वीर लगानी चाहिए जिससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहे। कहते हैं यहां लगी सही तस्वीर जीवन में स्थिरता और उन्नति लाती है। वहीं अगर इस जगह पर गलत तस्वीर लगा दी जाए तो उससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ने लगता है। अगर आप अपने लिविंग रूम को सकारात्मक ऊर्जा का पावरहाउस बनाना चाहते हैं तो यहां वास्तु अनुसार इन 4 तरह की तस्वीर लगा सकते हैं।

पहाड़ों की पेंटिंग

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सोफे के ठीक पीछे वाली दीवार पर खूबसूरत पहाड़ों की तस्वीर लगाना बेहद शुभ माना जाता है। कहते हैं इस तरह की तस्वीर करियर में तरक्की के रास्ते खोलती है और भाग्य चमकाती है। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि पहाड़ की तस्वीर में पानी का झरना या नदी नहीं होनी चाहिए। केवल मजबूत, शांत और सुंदर पहाड़ ही दिखने चाहिए।

उगते हुए सूरज की तस्वीर

पहाड़ के अलावा सोफे के पीछे उगते हुए सूरज की तस्वीर लगाना भी बेहद शुभ होता है। कहते हैं ये तस्वीर घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाती है और तरक्की के रास्ते खोलती है। यदि आपके सोफे के पीछे की दीवार पूर्व या फिर उत्तर-पूर्व दिशा में है तो यहां सूरज की तस्वीर लगाना ओर भी ज्यादा फायदेमंद साबित होगा। इस तरह की तस्वीर ड्राइंग रूप में लगाने से करियर में आ रही बाधाएं दूर हो जाती हैं।

उड़ते हुए पक्षियों की तस्वीर

आकाश में उड़ते हुए रंग-बिरंगे पक्षियों की पेंटिंग ड्राइंग रूम में लगाना बेहद शुभ माना जाता है। अगर इस तस्वीर को आप सोफे के पीछे वाली दीवार पर लगाते हैं तो इससे आप करियर में नई ऊंचाइयां हासिल करेंगे। यह पेंटिंग सुख-समृद्धि में वृद्धि करती हैं और हमेशा सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखती है।

हरे-भरे जंगल की तस्वीर

घर के ड्राइंग रूम में सोफे के पीछे हरियाली या शांत घने जंगल की तस्वीर लगाना भी बेहद शुभ माना जाता है। कहते हैं ये तस्वीर विकास का प्रतीक होती है। इससे घर का माहौल सकारात्मक बने रहता है और धन-धान्य के स्रोत खुलते हैं। ऐसी तस्वीर घर के सभी सदस्यों की तरक्की के मार्ग खोल देती है।

काम के बीच में अपने को पुनः ऊर्जावान भी करते रहिए

बहुत सारे लोग आठ-दस घंटे लगातार काम करते हैं और कुछ लोग एक-दो घंटे में बार-बार ब्रेक लेते हैं। दोनों ही स्थितियां ठीक नहीं हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि लगातार यदि काम करना है तो अवधि चार घंटे की रखिए, इसे कहेंगे जमकर काम करना। चार घंटे तक काम करें तो मानसिक थकान नहीं आएगी। फिर ब्रेक लें और फिर जुट जाएं। मध्यांतर में क्या करें?

योग के आठ चरण हैं। इसमें तीसरा चरण है आसन, चौथा है प्राणायाम, पांचवां है प्रत्याहार, छठा है धारणा। यह चार काम चार-पांच मिनट के लिए कर लीजिए। आसन, यानी बॉडी की स्ट्रेचिंग करिए। प्राणायाम, मतलब आती-जाती सांस पर दृष्टि डालिए। प्रत्याहार का अर्थ होता है अपनी इंद्रियों को भीतर मोड़िए। और धारणा का अर्थ होता है मन को एकाग्र करिए।

आपका जो मध्यांतर है, इन चार बातों से यदि भर गया तो अगले चार घंटे के लिए आप एकदम तरोताजा रहेंगे। तो जमकर काम करिए, डूबकर करिए, लेकिन बीच-बीच में हर चार घंटे बाद अपने-आप को पुनः ऊर्जावान करिए।

पिता सनी देओल के साथ अभिनय करने का सपना हुआ सच

करण ने फादर्स डे पर शेयर की भावुक पोस्ट

आमिर खान प्रोडक्शन की फिल्म 'बंटवारा 1947' में सनी देओल के अलावा चर्चित एक्टर्स नजर आएंगे। इस फिल्म में सनी देओल के बेटे करण देओल भी एक अहम किरदार निभा रहे हैं। पिता के साथ अभिनय करने और फादर्स डे पर उनके लिए अपने प्यार को जताने के लिए करण ने एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर साझा की है। जानिए, इस पोस्ट में उन्होंने पिता सनी देओल के लिए क्या लिखा?

करण देओले ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में सनी देओल के साथ फिल्म 'बंटवारा 1947' का एक सीन साझा किया है, जो काफी भावुक करने वाला है। इस पोस्ट के कैप्शन में करण लिखते हैं, 'कुछ पल ऐसे होते हैं जो किस्मत में पहले से लिखे होते हैं। पापा के साथ एक्टिंग करना मेरा सपना था। आज उनके साथ स्क्रीन शेयर करना, उन्हें इतने करीब से देखना, इस फादर्स डे को सच में खास बनाता है।'

करण देओल आगे लिखते हैं, '14 अगस्त 2026 को वह सपना सच होगा। मुझे 'बंटवारा 1947' में अपने पापा के साथ सिल्वर स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलेगा। यह एक ऐसा अहसास है, जिसे मैं कभी शब्दों में बयां नहीं कर पाऊंगा। इस अहसास को मैं जिंदगी भर संजोकर रखूंगा।'

करण देओल ने पिता को कहा शुक्रिया

करण देओल पोस्ट में अपने पिता सनी देओल को शुक्रिया कहते हैं। वह लिखते हैं, मैंने उन्हें एक बेटे, भाई, पिता, एक्टर और लाखों लोगों के चहेते लीजेंड के तौर पर देखा है। लेकिन सेट पर उनके साथ खड़े होने पर मुझे याद आया कि उनका सबसे बड़ा रोल बस रियल बने रहना है। ईमानदार, विनम्र, मजबूत और हर काम में पूरी तरह समर्पित व्यक्ति वह पर्दे पर भी नजर आते हैं।'

करण आगे लिखते हैं, 'हैप्पी फादर्स डे पापा। मेरे सबसे बड़े टीचर, मेरे सबसे मजबूत सपोर्ट और मेरे पहले हीरो, आपके साथ इस पल को जीने के लिए मैं बहुत शुक्रगुजार हूं।

फिल्म 'बंटवारा 1947' में शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, अली फजल जैसे चर्चित एक्टर भी नजर आएंगे। इस फिल्म का संगीत ए. आर. रहमान ने तैयार किया है। गीत जावेद अख्तर ने लिखे हैं। फिल्म का निर्माण आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने किया है। वहीं निर्देशन की कमान राजकुमार संतोषी ने संभाली है। 'बंटवारा 1947' इस साल 14 अगस्त से सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रुक्मिणी वसंत के डीपफेक वीडियो मामले में साइबर क्राइम ने लिया एक्शन, तीन गिरफ्तार

बेंगलुरु साइबर क्राइम पुलिस ने कन्नड़ एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत की एआई से बनी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर बनाने और फैलाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपियों ने रुक्मिणी की मॉर्फ्ड तस्वीरें और वीडियो बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स का इस्तेमाल किया और उन्हें ऑनलाइन शेयर किया। उनका मकसद एक्ट्रेस को बदनाम करना और उनकी छवि को नुकसान पहुंचाना था।

पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं और मामले की जांच शुरू कर दी है। खबरों के मुताबिक, बाद में आरोपियों को ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और जांच आगे बढ़ने तक उन्हें कस्टडी में भेज दिया गया।

पुलिस ने इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। जांच करने वाले अधिकारी यह भी पता लगा रहे हैं कि क्या इस छेड़छाड़ किए गए कंटेंट को बनाने और फैलाने में और लोग भी शामिल थे।

यह गिरफ्तारी तब हुई जब एक्ट्रेस ने साइबर क्राइम की शिकायत दर्ज कराई, क्योंकि उनसे जुड़ी एआई से बनी बिकिनी तस्वीरें ऑनलाइन वायरल हो गई थीं। उन्होंने कहा कि वायरल हो रही तस्वीरें नकली थीं और टेक्नोलॉजी के गलत इस्तेमाल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

पिछले महीने मई में रुक्मिणी वसंत ने एआई से बनी बिकिनी तस्वीरों की कड़ी निंदा की थी, जो वायरल हो गई थीं। उन्होंने एक औपचारिक बयान जारी कर साफ किया था कि बड़े पैमाने पर शेयर की गई तस्वीरें पूरी तरह से नकली थीं और चेतावनी दी थी कि वह इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगी। एक डीपफेक वीडियो में एक प्रोफेशनल फोटोशूट का सेटअप दिखाया गया, जिसमें एक महिला हरे रंग की बिकिनी पहनकर स्विमिंग पूल में उतरती हुई दिख रही थी। ये क्लिप्स सोशल मीडिया पर तेज़ी से फैल गए, जिससे ऑनलाइन चर्चा शुरू हो गई और कई यूजर्स को लगा कि फुटेज असली है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो रुक्मिणी आखिरी बार पिछले साल आई ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा: चैप्टर 1' में नजर आई थीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और इसने शानदार कमाई की थी। अब रुक्मिणी के खाते में कई बड़ी फिल्में हैं। इनमें यश के साथ 'टॉक्सिक' और जूनियर एनटीआर के साथ 'ड्रैगन' जैसी बड़े बजट की मच अवेटेड फिल्में शामिल हैं।

कुछ तो लोग कहेंगे...: मौनी रॉय

छोटे पर्दे यानी टैलीविजन से बड़े पर्दे यानी फिल्मों तक अपनीलम्बी छलांग के बारे में हालिया इंटरव्यू में खुलकर बात करते हुए मौनी रॉय का कहना है कि वह अभी भी एक अभिनेत्री के तौर पर बहुत कुछ करना चाहती है।

गत दिनों कान्स फिल्म फैस्टिवल के रैड कार्पेट पर अपने फैशन और स्टाइल से सबको प्रभावित करने वाली मौनी ने टी.वी. से फिल्मों में आने में लगे सालों और इस दौरान उसे जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, उनके बारे में भी बात की। मौनी का कहना है कि वह अभी भी महत्वाकांक्षी है, अच्छे काम के लिए हमेशा तैयार है और फिल्मों से लेकर वैब सीरीज में अलग-अलग रोल करने के लिए तैयार है।

मौनी ने कहा कि छोटे पर्दे से बड़े पर्दे में आने में उसे 9 साल लग गए। उसने कहा, मैं काम के लिए बहुत, बहुत भूखी हूं। बता दें कि 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'देवों के देव... महादेव' और 'नागिन' जैसे धारावाहिकों से घर-घर में मशहूर होने के बाद वह फिल्मों में आई और 'गोल्ड', 'मेड इन चाइना', 'ब्रह्मास्त्र', 'द भूतनी' से लेकर ' है जवानी तो इश्क होना है' जैसी फिल्में कर चुकी है।

अपने करियर के अलग-अलग चरणों में लोगों की ओर से उसके बारे में अलग-अलग तरह की राय कायम किए जाने पर उसने कहा, मुझे अपने करियर की शुरुआत से ही टाइपकास्ट किया गया है। जब मैंने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' किया तो लोगों ने कहा कि यह 'पड़ोस की लड़की' जैसे रोल करने वाली है और ग्लैमरस रोल नहीं कर सकती। जब मैंने कुछ रियलिटी शो, डांस रियलिटी शो किए तो उन्होंने कहा कि मैं कुछ ज्यादा ही ग्लैमरस हूं। जब मैंने 'सती' किया, तो उन्होंने कहा कि मैं कुछ ज्यादा ही भारतीय हूं। जब मैंने 'नागिन' किया, तो कहा गया कि यह तो सिर्फ फंतासी, फिक्शन या माइथोलॉजिकल शो ही कर सकती है । यह कुछ ऐसा है जिसका मैं हमेशा सामना करती रही हूं, और इसे मैं अपने दिल पर नहीं लेती हूं।

मौनी ने कहा कि लोगों की ऐसी राय अब उसकी पसंद तय नहीं करती। उसने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप मुझे ग्लैमरस, स्टाइलिश या कुछ और कहते हैं- जैसे यह कहना कि वह किसी खास तरह के रोल के लिए ही अच्छी है ।'

उसने आगे कहा, "जब मैंने 'ब्रह्मास्त्र' या 'भूतनी ' की, तो लोगों ने कहा कि वह इन बड़े रोल के लिए अच्छी है, लेकिन ज्यादा अजीब रोल के लिए नहीं । वह खास तरह के रोल को ही अच्छे से निभा सकती है। चाहे वह ग्लैमरस हो, अजीब हो, गर्ल नैक्स्ट डोर हो, या डांसिंग हो - अगर मैं अपनी ओर से पूरी मेहनत और 100 प्रतिशत दे रही हूं, और यह दर्शकों को पसंद आता है, तो इसी में मेरी खुशी है ।

ऑनलाइन ट्रोलिंग पर बोली

जब मौनी सोशल मीडिया पर आई थी तो लोगों की नकारात्मक टिप्पणियों और ऑनलाइन आलोचना से उसे परेशानी होती थी लेकिन अब वह इस नकारात्मकता को सिर्फ एक शोर मानकर नजरअंदाज करती है। वह बिना मतलब के विवादों में पड़ने के बजाय ऐसे लोगों को माफ कर देती है और अगर कोई बात ज्यादा परेशान करे तो उसे ब्लॉक करके आगे बढ़ जाती है। उसका कहना है, "देखिए चाहे फैशन की बात हो या कुछ और सोशल मीडिया पर आपको तरह-तरह के लोगों से मिल सकते हैं। जैसा कि कहते हैं न कि 'कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना' मेरा मानना है कि आप लोगों की जुबान को कंट्रोल नहीं कर सकते इसलिए बस अपना काम कीजिए और मस्त रहिए।

निजी जीवन को लेकर भी है चर्चा में

मौनी पिछले कुछ महीनों से अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में रही है । अपने पति और दुबई बेस्ड बिजनैसमैन सूरज नांबियार से चार साल बाद वह अलग हो गई है। मौनी ने ही नहीं, बल्कि उसकी पक्की सहेली दिशा पाटनी ने भी सूरज को इंस्टाग्राम से अनफॉलो कर दिया था, जिसे लेकर दोनों सुर्खियों में आ गई थीं। यहां तक कि कुछ लोग तो मौनी और दिशा को 'लैस्बियन' कह कर ट्रोल भी करने लगे हैं ।

मौनी के करियर की बात करें तो गत दिनों वैब सीरीज 'सलाकार' और इन दिनों डेविड धवन की फिल्म ' है जवानी तो इश्क होना है' में वह नजर आ रही है जिसमें उसके साथ वरुण धवन, पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर हैं।

मलाइका से लेकर शिल्पा तक, हर दिन योगा करते हैं ये सेलेब्स; फिटनेस के लिए मानते हैं जरूरी

रविवार यानी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। बॉलीवुड में भी कई सितारे हैं, जो अपनी रोजाना की फिटनेस और मानसिक सेहत के लिए योग को एक जरूरी हिस्सा मानते हैं। इनमें शिल्पा शेट्टी, मलाइका अरोड़ा और करीना कपूर खान जैसे स्टार्स योग के बड़े प्रशंसक हैं और वे पूरी सेहत (होलिस्टिक वेलनेस) और पारंपरिक भारतीय फिटनेस तरीकों को बढ़ावा देते हैं। इसके अलावा अक्षय कुमार और आलिया भट्ट जैसे सितारे भी योग को जरूरी मानते हैं।

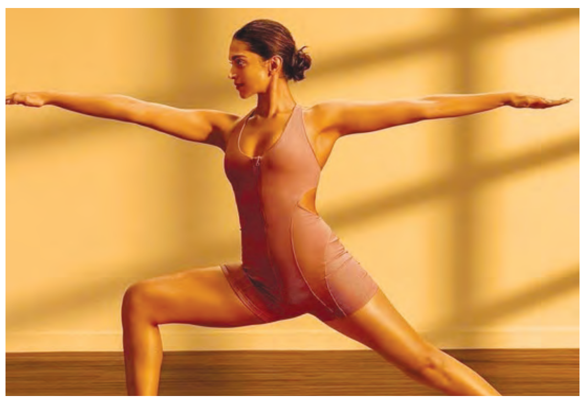

मलाइका अरोड़ा

मलाइका अरोड़ा का मानना है कि 'योगा से ही होगा'। उनका कहना है कि शुरुआत करने के लिए आपको प्रोफेशनल होने की जरूरत नहीं है, बस रोजाना अभ्यास करने से ही शरीर में बदलाव आता है। वह योग को सिर्फ शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं मानतीं, बल्कि इसे एक संपूर्ण जीवनशैली मानती हैं जो आंतरिक शांति, मानसिक स्पष्टता और मन-शरीर के जुड़ाव पर जोर देती है।

शिल्पा शेट्टी कुंद्रा

शिल्पा ने बॉलीवुड में योग को लोकप्रिय बनाया और वह एक सर्टिफाइड योग इंस्ट्रक्टर हैं। वह अक्सर मुश्किल आसनों के साथ-साथ सूर्य नमस्कार भी करती हैं और अपने फिटनेस ऐप पर भी अपने रूटीन शेयर करती हैं।

करीना कपूर खान

अपने अनुशासन के लिए मशहूर करीना कपूर रोजाना 101 सूर्य नमस्कार करने के लिए जानी जाती हैं। वह अपने स्टैमिना और प्रेग्नेंसी के बाद फिटनेस बनाए रखने का श्रेय पावर और अष्टांग योग को देती हैं।

आलिया भट्ट

आलिया अपने वीकली रूटीन में अष्टांग और एंटी-ग्रेविटी (एरियल) योग जैसे कई तरह के योग शामिल करती हैं। अपने अभ्यास को जारी रखने के लिए वह अक्सर अपने इंस्ट्रक्टर के साथ यात्रा करती हैं।

अक्षय कुमार

मार्शल आर्ट्स और कोर-स्ट्रेंथनिंग योग को मिलाने के लिए मशहूर अक्षय, इस प्रैक्टिस का इस्तेमाल अनुशासन और सर्वांगीण सेहत के लिए करते हैं। वो भारत सरकार की 'इंटरनेशनल योग डे' पहल के मुखर समर्थक रहे हैं।

सारा अली खान

सारा अली खान ने अपनी फिटनेस यात्रा का श्रेय खुलकर योग को दिया है, साथ ही पिलेट्स और वेट ट्रेनिंग को भी। वे एरियल योग करने के लिए भी जानी जाती हैं।

दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण अपने व्यस्त शेड्यूल के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए अपनी फिटनेस रूटीन में रोप ट्रेनिंग से लेकर योग की कई तरह की तकनीकों को शामिल करती हैं।

प्यार और दोस्ती के बदलते मायनों की कहानी

शाहिद, कृति और रश्मिका की तिकड़ी छोड़ती है असर

मूवी रिव्यू- कॉकटेल 2:

कास्ट- शाहिद कपूर, कृति सेनन, रश्मिका मंदाना

डायरेक्टर- होमी अदजानिया

14 साल पहले आई 'कॉकटेल' ने दोस्ती, प्यार और रिश्तों की उलझनों को एक नए अंदाज में पेश किया था। अब निर्देशक होमी अदजानिया 'कॉकटेल 2' लेकर आए हैं। इस बार कहानी पहले से ज्यादा परिपक्व है। फिल्म प्यार मिलने की नहीं, बल्कि प्यार को बचाए रखने की मुश्किलों पर बात करती है। यही वजह है कि इसकी कहानी आज के युवाओं और लंबे रिश्तों में रह रहे लोगों से जुड़ती हुई नजर आती है।

कैसी है फिल्म की कहानी?

कुणाल (शाहिद कपूर) और दिया (रश्मिका मंदाना) कई सालों से साथ हैं। दोनों का रिश्ता बाहर से स्थिर दिखता है, लेकिन भीतर कई अनकहे सवाल मौजूद हैं। शादी, करियर और भविष्य को लेकर दोनों की सोच अलग होने लगती है। इसी दौरान उनकी जिंदगी में एली (कृति सेनन) की एंट्री होती है। एली की मौजूदगी सिर्फ रिश्ते में हलचल नहीं लाती, बल्कि तीनों किरदारों को अपने फैसलों और भावनाओं का सामना करने पर मजबूर करती है।

फिल्म की अच्छी बात यह है कि यह किसी एक किरदार को सही या गलत साबित करने की कोशिश नहीं करती। कहानी धीरे-धीरे आगे बढ़ती है और रिश्तों के उन पहलुओं को छूती है, जिनसे ज्यादातर लोग कभी न कभी गुजरते हैं।

कैसी है स्टारकास्ट की एक्टिंग?

शाहिद कपूर ने कुणाल के किरदार को काफी सहजता से निभाया है। उनके हिस्से में ज्यादा शोर मचाने वाले सीन नहीं हैं, लेकिन इमोशनल सीन में वह असर छोड़ते हैं। रश्मिका मंदाना का काम भी अच्छा है। उन्होंने अपने किरदार की उलझनों और असमंजस को स्वाभाविक तरीके से पर्दे पर उतारा है।

कृति सेनन फिल्म की मजबूत कड़ी बनकर सामने आती हैं। उनका किरदार सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कहानी आगे बढ़ने के साथ कई परतें खोलता है। तीनों कलाकारों के बीच की केमिस्ट्री फिल्म को विश्वसनीय बनाती है।

डायरेक्शन और तकनीकी पक्ष?

होमी अदजानिया रिश्तों पर आधारित फिल्मों को हमेशा एक अलग विजुअल ट्रीटमेंट देते रहे हैं और यहां भी ऐसा ही देखने को मिलता है। फिल्म की रफ्तार ज्यादातर हिस्सों में संतुलित रहती है। संवाद बनावटी नहीं लगते और कई जगह सीधे दिल तक पहुंचते हैं।

सिसिली की खूबसूरत लोकेशंस फिल्म को आकर्षक बनाती हैं। सिनेमैटोग्राफी शानदार है और कई दृश्य लंबे समय तक याद रहते हैं। कॉस्ट्यूम और प्रोडक्शन डिजाइन भी कहानी के माहौल को मजबूत बनाते हैं।

हालांकि फिल्म का दूसरा भाग कुछ जगह थोड़ा लंबा महसूस होता है। कुछ भावनात्मक दृश्यों को छोटा रखा जाता तो प्रभाव और बेहतर हो सकता था। कुछ मोड़ ऐसे भी हैं जिनका अंदाजा पहले से लगाया जा सकता है।

कैसा है फिल्म का म्यूजिक?

प्रीतम का संगीत फिल्म के मूड के साथ चलता है। गाने कहानी पर हावी होने की बजाय उसका हिस्सा बनते हैं। बैकग्राउंड स्कोर भी भावनात्मक दृश्यों को बेहतर बनाता है। हालांकि एल्बम में ऐसा कोई गीत नहीं है जो फिल्म खत्म होने के बाद लंबे समय तक साथ रहे, लेकिन कहानी के भीतर गानों का इस्तेमाल प्रभावी है।

फाइनल वर्डिक्ट: फिल्म देखें या नहीं?

'कॉकटेल 2' रिश्तों की जटिलताओं को समझने और महसूस करने वाली फिल्म है। यह बड़े दावे नहीं करती और न ही हर सवाल का आसान जवाब देती है। कुछ कमजोरियों के बावजूद मजबूत अभिनय, खूबसूरत विजुअल्स और भावनात्मक ईमानदारी इसे एक अच्छी वीकेंड वॉच बनाते हैं। अगर आपको रिश्तों पर आधारित फिल्में पसंद हैं तो यह फिल्म आपको निराश नहीं करेगी।

अमिताभ बच्चन को रातभर नहीं आई नींद, 'एक गलती' के कारण खुद पर हुआ शक, फैंस बोले- ज्यादा मत सोचो अंकल!

अमिताभ बच्चन 19 जून की सुबह अपने ब्लॉग में अपनी एक गलती और फिर लिए गए फैसले का जिक्र किया, जिसके कारण उनकी नींद उड़ गई और वह रातभर जागते रहे। इस फैंस ने उन्हें हौसला दिया और कहा कि वह ज्यादा न सोचें। वहीं X पर कुछ ऐसा लिखा कि यूजर्स भन्ना गए। अमिताभ बच्चन को रातभर नहीं आई नींद, 'एक गलती' के कारण खुद पर हुआ शक, फैंस बोले- ज्यादा मत सोचो अंकल!,

अमिताभ बच्चन इस वक्त बड़ी उलझन में हैं। हाल ही काम के दौरान उन्होंने कुछ ऐसा किया कि खुद पर ही संदेह होने लगा, नींद उड़ गई। सारी रात जागते रहे और सुबह हो गई। 83 वर्षीय अमिताभ बच्चन को फिल्म इंडस्ट्री में पांच दशक से भी ज्यादा बीत चुके हैं, पर अभी भी वह अपने काम को पूरी रिहर्सल और शिद्दत के साथ करते हैं। इस बात का खास ख्याल रखते हैं कि कहीं कोई गलती न हो। यह अमिताभ का जज्बा ही है कि पिछले दिनों उन्होंने एक ही दिन में 12 शॉर्ट फिल्में शूट की थीं। लेकिन हाल ही लिए एक फैसले ने उन्हें उनकी गलती और किए गए काम पर सोचने पर मजबूर कर दिया। इतना मजबूर कि वह रात भर जागते रहे।

अमिताभ बच्चन के साथ क्या हुआ, इसका जिक्र उन्होंने अपने हालिया ब्लॉग पोस्ट में किया है। उन्होंने 19 जून की सुबह 6:30 बजे बताया कि काम को लेकर उनके जेहन में चल रही उथल-पुथल ने उन्हें सोने नहीं दिया और सोचने पर मजबूर हो गए कि क्या दूसरी बार की कोशिश से सच में नतीजा बेहतर हुआ है या नहीं?

अमिताभ बच्चन ने लिखा, 'बस यूंही, काम के कुछ क्षण। जो किया था, मुझे लगा और अच्छा हो सकता है। अनुमति मिल गई, सो दोबारा कर दिया। अब पता नहीं अच्छा हुआ कि नहीं। ये तो वो ही बताएंगे। इसी सोच में अभी तक सोया नहीं, और सुबह हो गई।' इस पोस्ट पर यूजर्स के काफी कमेंट्स आ रहे हैं और वह मेगास्टार को अपना ख्याल रखने के लिए कह रहे हैं। उनका कहना है कि वो पहले से ही परफेक्शनिस्ट हैं।

एक हफ्ते पहले ही अमिताभ ने एक ब्लॉग पोस्ट में बताया था कि वह कितना बिजी रहे और एक दिन में 12 शॉर्ट फिल्में शूट की थीं। उन्होंने लिखा था, 'काम तो काम है, काम तो काम है। आज 12 शॉर्ट फिल्में शूट कीं, 2 स्टिल शूट किए। और अब आप पर काम कर रहा हूं।'

फ्री में झाड़ू-पोछा और मनपसंद खाना

क्यों एआई कंपनियां दे रहीं ऐसी सर्विस?

न्यूयॉर्क शहर में माइक्रो एजीआई नाम की एआई कंपनी लोगों को मुफ्त में घर साफ करने और कुकिंग कर मनपसंद खाना खिलाने का ऑफर दे रही हैं। इसके बदले में वे हर काम को सिर पर कैमरा लगी टोपियों से रिकॉर्ड करेंगे। एक्सपट्र्स इसे प्राइवेसी के बदले एक रिश्वत की तरह देख रहे हैं, जिसके परिणाम खराब हो सकते हैं। सोचिए आपको कोई एआई कंपनी आपको पूरे घर की सफाई और निजी शेफ से खाना तैयार करवाकर देने का ऑफर दे। शर्त सिर्फ इतनी होगी कि ये काम करने जो लोग आपके घर आएंगे उनके सिर पर कैमरा बंधा होगा और वे हर काम को रिकॉर्ड करेंगे। क्या एआई कंपनी के ऑफर के लिए हां कहेंगे? दरअसल यह कोई रिएलिटी टीवी शो की स्क्रिप्ट नहीं बल्कि न्यूयॉर्क की हकीकत है।

यहां एआई कंपनियां लोगों के घरों की मुफ्त सफाई और खाना बनाने की सर्विस ऑफर कर रही हैं। हालांकि, बदले में ये आपसे रोबोट्स को ट्रेनिंग देने के लिए घर के कोने-कोने का डेटा लेंगी। माइक्रो एजीआई नाम की कंपनी की इस पहल का नाम शिफ्ट है।

फ्री सर्विस लो, प्राइवेसी दो

न्यूयॉर्क में कॉलेज पास आउट युवा साफ-सफाई ऑफर करने वाली एआई कंपनियों के लिए काम कर रहे हैं। साफ-सफाई और कुकिंग करने वाले इन युवाओं को खास कैमरे वाली टोपियां दी जाती

हैं, जो कि सीधे फोन से कनेक्ट होती हैं। जब ये लोग घरों की सफाई करते हैं या फिर बर्तन धोते हैं, तो इनके हाथों की मूवमेंट्स और काम करने का तरीका हर पल रिकॉर्ड होता रहता है।

दरअसल इन एआई कंपनियों का मकसद रोबोट्स को इंसानों की तरह हाथो चलाने का तरीका सिखाना है। रिपोट्र्स के अनुसार शिफ्ट नाम की इस पहल की शुरुआत करने वाले बेरकान किलिक इस डेटा कलेक्शन को मानवता के साथ जोड़कर देखते हैं। उनका मानना है कि इससे रोबोट्स घर के हर तरह के काम करना सीख सकते हैं।

डेटा के लिए हो रही तमाम कोशिशें

फ्री में घरों की सफाई या कुकिंग के ऑफर के पीछे असल में एक बड़ा बिजनेस मॉडल मौजूद है।

इस कंपनी का असल मकसद घरों के अंदर से इक्ट्ठा किए गए डेटा को अन्य एआई और रोबोटिक्स कंपनियों को भारी मुनाफे में बेचना है।

इस कंपनी का दावा है कि डेटा को पूरी तरह अज्ञात रखा जाएगा और किसी की पहचान सामने नहीं आएगी।

आगे कंपनी का टार्गेट इंसानों द्वारा किए जाने वाले हर काम के लिए इस तरह की मुफ्त सर्विस पेश करना है।

न्यूयॉर्क शहर के घरों में मुफ्त सर्विस देने के अलावा ये कंपनी फिलहाल तुर्की में मैकेनिकों के जरिए कार ठीक करने का डेटा भी जुटा रही है।

एक्सपट्र्स की चेतावनी

रिपोट्र्स के मुताबिक प्राइवेसी एक्सपट्र्स डेटा के बदले अपनी और अपने घर की प्राइवेसी बेचने को लेकर कड़ी चेतावनी दे रहे हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि यह एक तरह की रिश्वत है, जो बदले में आपसे आपकी प्राइवेसी लेती है और यह काफी खतरनाक भी हो सकती है।

इन एक्सपट्र्स का कहना है कि आज एक बार की मुफ्त सर्विस के बदले आपसे ली जा रही जानकारी को कंपनिया भविष्य में विज्ञापन और निगरानी के लिए आपके खिलाफ ही इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके अलावा यह तकनीक आगे चलकर सफाईकर्मियों की नौकरी तक छीन लेगी। वहीं इस पर कंपनी का तर्क है कि वे लोगों से डेटा चुराने की जगह साफ तौर पर मुफ्त सर्विस के बदले उनसे डेटा ले रहे हैं।

12वीं के बाद कैसे बनते हैं एयर होस्टेस?

एयर होस्टेस की नौकरी एक ऐसा पेशा है, जिसमें काम के साथ साथ घूमना और रोमांच भी है। कई लोगों से मिलना, लाखों की सैलरी और बड़ी जिम्मेदारी। आइए, जानते हैं कि एयर होस्टेस कैसे बनते हैं और एक एयर होस्टेस की सैलरी कितनी होती है-

एयर हॉस्टेस एक ग्लैमरस करियर है। आज की युवा पीढ़ी में इसे लेकर काफी क्रेज है। इसी के साथ लोग एयर होस्टेस कोर्स के बारे में जानना चाहते हैं। एयर होस्टेस की सैलरी, योग्यता, जॉब्स आदि के बारे में सर्च करते हैं। आइए, जानते हैं कि एयर होस्टेस कैसे बनते हैं और एक एयर होस्टेस की सैलरी कितनी होती है-

एयर होस्टेस की नौकरी एक ऐसा पेशा है, जिसमें काम के साथ साथ घूमना और रोमांच भी है। कई लोगों से मिलना, लाखों की सैलरी और बड़ी जिम्मेदारी। एयर होस्टेस को फ्लाइट अटेंडेंट या केबिन क्रू भी कहा जाता है।

12वीं के बाद एयर होस्टेस कैसे बनें?

12वीं के बाद एयर होस्टेस बना जा सकता है। इसके लिए किसी प्रतिष्ठित संस्थान से ट्रेनिंग का कोर्स करना होगा। 12वीं के बाद

एयर होस्टेस बनने के लिए सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री कोर्स कर सकते हैं। एविएशन में भी बीबीए, बीएससी, एमबीए और बीए जैसी डिग्री मिलती है। एयर होस्टेस बनने के लिए न्यूनतम आयु 17 साल और अधिकतम 26 साल निर्धारित की गई है। हालांकि, कुछ कंपनियां हैं जो 30+ उम्र वाली लड़कियों को भी नौकरी पर रखती हैं।

एयर होस्टेस बनने के लिए जरूरी पात्रता

एयर होस्टेस बनने के लिए हाइट संबंधित अनिवार्यता को पूरा करना जरूरी है। एयर होस्टेस की लंबाई कम से कम 5 फीट 2 इंच होनी चाहिए। साथ ही स्वास्थ्य संबंधित कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। एयर होस्टेस के आंखों की रोशनी भी अच्छी होनी चाहिए।

एयर होस्टेस के मुख्य काम

यात्रियों का स्वागत करना, उनको ब्रीफिंग देना और उनका मार्गदर्शन करना

उड़ान के दौरान यात्रियों को भोजन व पेयजल आदि देना

उड़ान के दौरान यात्रियों को हर तरह की परेशानी और आपदा के लिए तैयार रहने की ट्रेनिंग देना

एयर होस्टेस सैलरी

एयर होस्टेस की नौकरी में अच्छी सैलरी मिलती है, जो इस पेशे को और भी ग्लैमरस बनाती है। एयर होस्टेस महीने में भी लगभग 1-2 लाख रूपये होती है। एयर होस्टेस की शुरुआती सैलरी 45 से 50 हजार रुपये तक होती है। वहीं, अनुभव बढ़ने के साथ एयर होस्टेस महीने में दो- ढाई लाख रुपये भी आसानी से कमा सकती हैं। इसके अलावा इस पेशे में फ्री में घूमना, फ्री टिकट्स, बोनस और अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं।

बोहेमियन स्टाइल में स्टाइलिश दिखने के लिए क्रोशिया फैशन को अपनाएं

फैशन की दुनिया में ट्रेंड्स आते-जाते रहते हैं, लेकिन कुछ ट्रेंड्स ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी पहचान और भी मजबूत कर लेते हैं। क्रोशिया फैशन आज ऐसा ही एक प्रमुख ट्रेंड बन चुका है, जिसने पारंपरिक हस्तकला से निकलकर आधुनिक और लग्जरी फैशन की दुनिया में अपनी खास जगह बना ली है। आज क्रोशिया के डिजाइंस को ग्लोबल रनवे, फैशन वीक और डिजाइनर कलेक्शंस में मुख्य रूप से देखा जा सकता है। क्रोशिया सस्टेनेबल और स्लो फैशन है। इसके अलावा, विंटेज और बोहेमियन फैशन का ट्रेंड भी इसे एक नया और आकर्षक रूप दे रहा है।

क्रोशिया टॉप्स

क्रोशिया टॉप्स समर फैशन के लिए सबसे अच्छा विकल्प हैं। इसे हाई-वेस्ट डेनिम, मैक्सी स्कर्ट या लिनन शॉट्र्स के साथ पहनें। डेनिम के साथ यह कूल और स्टाइलिश दिखता है, वहीं मैक्सी स्कर्ट के साथ आप बोहो लुक क्रिएट कर सकती हैं। हॉल्टर टॉप को वाइड-लेग ट्राउजर, ओवरसाइज्ड सनग्लासेस के साथ पहनें।

परफेक्ट ड्रेसेस

यदि आप बिना किसी तामझाम

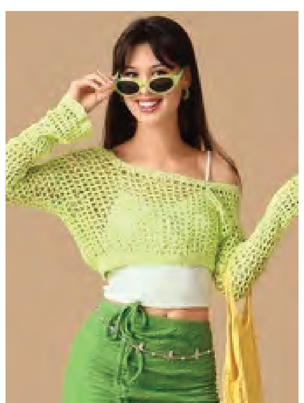

या खुद को अनकम्फर्ट किए बिना स्टाइलिश दिखना चाहती हैं तो क्रोशिया ड्रेस सबसे आसान और बेहतरीन चुनाव है। रंगीन और कॉटन थ्रेड की ड्रेस जैसे मिनी स्कर्ट या फ्लोई मैक्सी ड्रेस आपके फिगर को खूबसूरती से शेप देता है और आपको एक आधुनिक व एलिगेंट टच देता है। पेस्टल रंग ड्रेस के साथ प्लेटफॉर्म हिल कैरी करें। गोल्डन ज्वैलरी के साथ अपना लुक कंप्लीट करें।

बैग्स और एक्सेसरीज

क्रोशिया से बने हैंडबैग और टोट बैग आज हर जगह नजर आ रहे हैं। बकेट हैट, टोपी तो पहले से ही चलन में थे। वहीं हैंडमेड स्लिंग बैग, क्लच और यहां तक बेल्ट भी क्रोशिया से बने पसंद किए जा रहे हैं।

क्रोशिया होम डेकोर से घर को दें नया लुक

कपड़ों के अलावा सालों पहले लोग क्रोशिया से बने चीजों का इस्तेमाल घर सजाने के लिए करते थे। वहीं समय के साथ बदले होम डेकोर ट्रेंड के चलते आज के समय में दोबारा लोग अपने घर को सजाने के लिए क्रोशिया से बनी चीजें पसंद कर रहे हैं। क्रोशिया के टेबल मैट, कोस्टर और वॉल हैंगिंग आपके घर को एक बहुत ही प्यारा और विंटेज लुक देते हैं। ये चीजें देखने में जितनी सुंदर लगती हैं, उतनी ही घर के इंटीरियर में एक अलग सा अपनापन और सादगी ले आती

हैं। अगर आप अपने ड्राइंग रूम या डाइनिंग टेबल को थोड़ा अलग और क्लासी दिखाना चाहती हैं, तो क्रोशिया की ये छोटी-छोटी चीजें बहुत बढ़िया काम करती हैं।

कैसे मिलती है बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर की नौकरी?

सैलरी और करियर ग्रोथ की पूरी जानकारी

बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर की नौकरी बैंकिंग सेक्टर की सबसे लोकप्रिय नौकरियों में से एक है. आज हम आपको बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर बनने की योग्यता, चयन प्रक्रिया, सैलरी, मिलने वाले भत्ते और प्रमोशन के अवसरों के बारे में पूरी जानकारी देंगे, जो बैंकिंग परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए काफी उपयोगी है.

कैसे मिलती है बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर की नौकरी?

बैंकिंग सेक्टर की नौकरी हमेशा से युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय रही है. खासकर बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर का पद अच्छी सैलरी, सम्मानजनक नौकरी, प्रमोशन के अवसर और कई सरकारी सुविधाओं की वजह से सबसे पसंदीदा करियर विकल्पों में शामिल है. हर साल लाखों उम्मीदवार इस पद के लिए तैयारी करते हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं में हिस्सा लेते हैं.

बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर कौन होता है?

बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर यानी प्रोबेशनरी ऑफिसर एक अधिकारी स्तर का पद होता है. चयन के बाद उम्मीदवार को कुछ समय तक प्रोबेशन पीरियड में काम करना होता है. इस दौरान उसे बैंक के अलग-अलग विभागों की ट्रेनिंग दी जाती है. ट्रेनिंग पूरी होने के बाद अधिकारी को ब्रांच में नियमित जिम्मेदारियां दी जाती हैं, जैसे ग्राहक सेवा, लोन प्रक्रिया, अकाउंट मैनेजमेंट और

प्रशासनिक कार्य.

बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर की नौकरी कैसे मिलती है?

पब्लिक सेक्टर बैंकों में बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर बनने के लिए उम्मीदवार को IBPS PO या संबंधित बैंक द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षा पास करनी होती है. परीक्षा आमतौर पर तीन चरणों में होती है.

तीसरा चरण – इंटरव्यू या पर्सनैलिटी टेस्ट

इन तीनों चरणों में सफल होने के बाद मेरिट के आधार पर उम्मीदवारों का चयन किया जाता है और उन्हें अलग-अलग बैंकों में नियुक्ति मिलती है.

कौन कर सकता है आवेदन?

बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर पद के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन पास होना जरूरी है. उम्मीदवार की आयु सामान्य तौर पर 20 से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए. आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को सरकारी नियमों के अनुसार आयु सीमा में छूट भी मिलती है.

कितनी होती है बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर की सैलरी?

बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर की शुरुआती बेसिक सैलरी लगभग 48,480 रुपये से 56,480 रुपये प्रति माह के बीच होती है. इसके अलावा महंगाई भत्ता (DA), हाउस रेंट अलाउंस (HRA), स्पेशल अलाउंस, मेडिकल सुविधा और ट्रैवल अलाउंस जैसे कई लाभ भी दिए जाते हैं, जिससे कुल वेतन और आकर्षक हो जाता है.

वहीं, कई कटौतियों जैसे प्रोविडेंट फंड (PF), आयकर और अन्य अंशदान के बाद बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर की इन-हैंड सैलरी आमतौर पर 74,561 रुपये से 80,350 रुपये प्रति माह के बीच रहती है.

सैलरी के अलावा मिलते हैं कई फायदे

बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर को वेतन के अलावा मेडिकल सुविधा, लीव ट्रैवल बेनिफिट, हाउस रेंट अलाउंस, महंगाई भत्ता, स्पेशल अलाउंस और अन्य कर्मचारी सुविधाएं भी मिलती हैं. यही वजह है कि बैंकिंग सेक्टर की नौकरी को सुरक्षित और आकर्षक करियर माना जाता है.

प्रमोशन और करियर ग्रोथ के बेहतरीन मौके

बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर के रूप में करियर शुरू करने के बाद अधिकारियों के पास आगे बढ़ने के कई अवसर होते हैं. अनुभव और विभागीय परीक्षाओं के आधार पर वे असिस्टेंट मैनेजर, ब्रांच मैनेजर, सीनियर मैनेजर, चीफ मैनेजर और उससे भी बड़े पदों तक पहुंच सकते हैं. बेहतर प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को समय-समय पर प्रमोशन और अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी मिलती हैं.

क्यों करें बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर की तैयारी?

अगर आप एक ऐसी नौकरी चाहते हैं जिसमें अच्छी सैलरी, नौकरी की सुरक्षा, सम्मान और लंबे समय तक करियर ग्रोथ के अवसर मिलें, तो बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर आपके लिए एक शानदार विकल्प हो सकता है. सही रणनीति, नियमित पढ़ाई और लगातार अभ्यास से इस प्रतिष्ठित पद तक पहुंचने का सपना पूरा किया जा सकता है.

बारिश और उमस में नहीं होगा मेकअप खराब

बस फॉलो करें ये 9 वॉटरप्रूफ मेकअप सीक्रेट्स

बारिश के मौसम में जहां गर्मी से राहत मिलती है, वहीं उमस, पसीना और अचानक होने वाली बारिश मेकअप को जल्दी खराब कर देती है। ऐसे में अगर सही वॉटरप्रूफ मेकअप सामान और लाइटवेट मेकअप फॉलो किया जाए, तो मेकअप लंबे समय तक ताजा और प्राकृतिक दिख सकता है।

मानसून में मेकअप करने का स्टेप बाय स्टेप तरीका

स्टेप 1: मानसून हो या कोई भी सीजन, अच्छी और हेल्दी स्किन के लिए हमेशा मेकअप से पहले अच्छी स्किन केयर जरूरी होती है। इसलिए मेकअप की शुरुआत करने से पहले CTM यानी क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग अपने स्किन टाइप के हिसाब से करें।

स्टेप 2: मेकअप बेस को लंबे

समय तक फेस पर टिकाए रखने के साथ ही अच्छा बेस देने में प्राइमर बड़ा रोल निभाता है। इसलिए किसी भी मौसम में मेकअप से पहले स्किन केयर के बाद प्राइमर लगाएं। मानसून के दिनों में वॉटरप्रूफ प्राइमर का इस्तेमाल करें, ताकि मेकअप लंबे समय तक टिका रहे।

स्टेप 3: प्राइमर लगाने के बाद, अगर आपके चेहरे पर ज्यादा दाग-धब्बे हैं या आप किसी फंक्शन में जा रही हैं, तो वॉटरप्रूफ हल्के टेक्सचर वाला फाउंडेशन चुनें। अगर आप कॉलेज या ऑफिस के लिए तैयार हो रही हैं, तो फाउंडेशन के बदले BB या CC क्रीम चुनें, जो एक अच्छा कवरेज और बेस देने के साथ ही स्किन को सांस लेने में भी मदद करे। आप चाहें तो इसके लिए टिंटेड सनस्क्रीन भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

स्टेप 4: बेस मेकअप करने के बाद, अगर आपके चेहरे पर ज्यादा दाग-धब्बे हैं, तो वॉटरप्रूफ कंसीलर का इस्तेमाल करें। दाग-धब्बों के अलावा, नेचुरल बेस के लिए कंसीलर को BB या CC क्रीम की जगह पर भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

स्टेप 5: अब बेस मेकअप को कॉम्पैक्ट पाउडर से सेट करें। ऐसा करने से मेकअप लंबे समय तक फेस पर टिका रहेगा और उमस होने पर केकी (Cakey) नहीं होगा।

स्टेप 6: अब आई मेकअप शुरू करने से पहले अपनी आइब्रो को नेचुरल डायरेक्शन में सेट रखने के लिए वॉटरप्रूफ आइब्रो पेंसिल का इस्तेमाल करके उन्हें भरें।

स्टेप 7: आइब्रो को शेप देने के बाद अपनी आंखों को डिफाइन करने के लिए वॉटरप्रूफ आईलाइनर का इस्तेमाल करें और पलकों पर वॉटरप्रूफ मस्कारा लगाएं ताकि वह फैले नहीं।

स्टेप 8: इसके बाद लिप टिंट का इस्तेमाल करें। इसे चीक पर ब्लश की तरह लगाने के साथ ही लिप्स पर नेचुरल लुक और लंबे समय तक टिकाए रखने के लिए लगाएं। आप चाहें तो एक अच्छी लिपस्टिक भी लगा सकती हैं, पर लिप टिंट ज्यादा नेचुरल लुक देता है।

स्टेप 9: अब आखिर में, पूरे मेकअप को सेट करने के लिए एक अच्छे सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल करें। इससे मेकअप अपनी जगह पर सेट होने के साथ ही सारी लेयर एक-दूसरे में मेल्ट होकर नेचुरल लुक देंगी।

उद्योग मंत्री पीयूष गोयल बोले- नौ व्यापार समझौतों ने भारतीय उत्पादों के लिए खोले वैश्विक बाजार

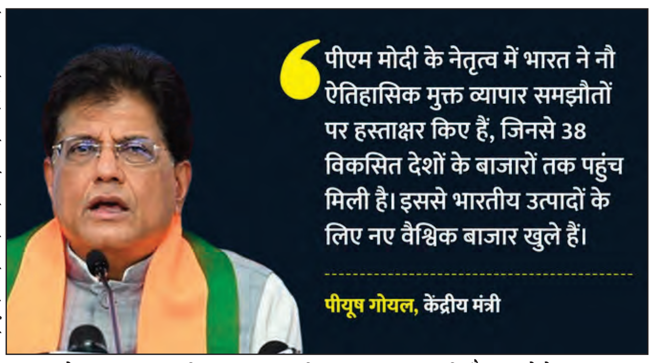

मुंबई,21 जून (एजेंसियां)। केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने के अवसर पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को घोषणा की कि बहुप्रतीक्षित भारत-यूनाइटेड किंगडम (यूके) मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 15 जुलाई से लागू होने जा रहा है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने संभावनाओं वाले देश से आत्मनिर्भर वैश्विक शक्ति बनने तक का आत्मविश्वास भरा सफर तय किया है।

इस अवसर पर राज्य सह-मीडिया प्रमुख ओमप्रकाश चौहान और राज्य प्रवक्ता पंकज मोदी भी मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि इससे भारतीय उत्पादों के लिए नए वैश्विक बाजार खुले हैं, रोजगार के अवसर बढ़े हैं और खास तौर पर भारतीय उद्यमियों, किसानों, मछुआरों और महिला कारोबारियों के लिए व्यापार के नए रास्ते बने हैं। पीयूष गोयल ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की हालिया फ्रांस यात्रा के दौरान हुई द्विपक्षीय वार्ताएं और 15 जुलाई से लागू होने वाला भारत-ब्रिटेन एफटीए भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए निकट भविष्य में बड़े सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा।

प्रधानमंत्री मोदी की वैश्विक लोकप्रियता का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दुनिया के 33 देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है। इनमें कई विकसित देश और ऐसे राष्ट्र भी शामिल हैं जिनके साथ भारत के पहले बहुत करीबी कूटनीतिक संबंध नहीं रहे थे। देश के भीतर किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए गोयल ने कहा कि सरकार की मूल सोच बिना किसी भेदभाव के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की रही है, जिसमें डिजिटल तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में हासिल की गई कई बड़ी उपलब्धियों का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा, 'जन धन योजना के तहत 55 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं, जिनमें से 32 करोड़ से अधिक खाते महिलाओं के नाम पर हैं। कोविड-19 महामारी शुरू होने के बाद से 81 करोड़ से अधिक लोगों को लगातार मुफ्त राशन दिया जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना के तहत 60 करोड़ से अधिक हेल्थ कार्ड जारी किए गए हैं, जिससे जरूरतमंद लोगों को मुफ्त इलाज मिल रहा है। वहीं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 58 करोड़ से अधिक लोगों को सुरक्षा कवच प्रदान किया गया है'।

मानसून में देरी से तपिश और बढ़ी
आसमान छू रहे अंडे और सब्जियों के दाम

मुंबई,21 जून (एजेंसियां)। अभी चल रही लू और मॉनसून में देरी की वजह से अंडे और सब्जियों की कीमतों में काफी बढ़ोतरी हुई है। कुछ हफ्ते पहले अंडे की कीमत 74-80 रुपये प्रति दर्जन तक गिर गई थी, लेकिन अब यह बढ़कर 90-96 रुपये प्रति दर्जन हो गई है। भीषण गर्मी के कारण उत्पादन कम हुआ है और पक्षियों की मौत की दर बढ़ गई है, जिससे मांग और आपूर्ति में असंतुलन पैदा हो गया है। फिलहाल, फूलगोभी, बीन्स, भिंडी और लौकी/तोरई जैसी सब्जियां 100-120 रुपये प्रति किलो बिक रही हैं। ग्वार फली, टिंडा, हरी मटर और फ्रेंच बीन्स की कीमत 160-200 रुपये प्रति किलो है।

अंडे और सब्जियों के दामों में भारी बढ़ोतरी

इसके अलावा, टमाटर 60 रुपये, धनिया 30 रुपये प्रति गुच्छी, पुदीना 20 रुपये और मेथी 25 रुपये की कीमत जेब पर भारी पड़ रही है। शनिवार को अंधेरी के लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स में 'ब्रेडक्राफ्ट' ने अंडे 96 रुपये प्रति दर्जन के भाव से बेचे, जबकि पिछले सोमवार को इनकी कीमत 90 रुपये प्रति दर्जन थी। बांद्रा में कीमतें 90 से 96 रुपये के बीच रहीं। वहीं, ठाणे के कलवा इलाके के एक निवासी ने बताया, मैंने 90 रुपये प्रति दर्जन के भाव से दो दर्जन अंडे खरीदे। पिछले हफ्ते इनकी कीमत 84 रुपये थी। फल और सब्जियों के दाम भी बढ़ गए हैं।

क्यों बढ़े दाम?

बांद्रा के एक मर्चेंट ने कहा, शनिवार को 100 अंडों के लिए एनईसीसी रेट 710 रुपये था। मांग के मुकाबले सप्लाई कम है। पोल्ट्री फार्मों पर भीषण गर्मी का असर पड़ा है। मुर्गी का दाना बहुत महंगा हो गया है और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी से ट्रांसपोर्टेशन का खर्च भी बढ़ गया है। नागपाड़ा के व्यापारी ने कहा, बहुत ज्यादा गर्मी से उत्पादन घट जाता है। मुर्गियों के मरने की दर भी बढ़ जाती है। इसलिए अंडों की कीमतें बढ़ जाती हैं। हमारी दुकान पर रिटेल रेट 90 रुपये प्रति दर्जन है। सब्जियों की बात करें तो ग्वार फली का खुदरा भाव 150 रुपये से बढ़कर 200 रुपये हो गया है। थोक बाजार में फूलगोभी का भाव 30 रुपये से बढ़कर 40 रुपये हो गया है, जबकि खुदरा भाव 70-80 रुपये से बढ़कर 100 रुपये हो गया है। बंदगोभी का खुदरा भाव 40 रुपये पर स्थिर है। थोक बाजार में टमाटर और हरी मिर्च 40 रुपये प्रति किलो मिल रहे हैं, जबकि खुदरा भाव 60-80 रुपये के आसपास हैं। अदरक का थोक भाव एक हफ्ते पहले के 80 रुपये से बढ़कर 100 रुपये प्रति किलो हो गया है, जिससे खुदरा भाव 130 रुपये से बढ़कर 160 रुपये हो गया है।

ट्रेडर्स का क्या कहना है?

ट्रेडर्स का कहना है कि हालात गंभीर हैं क्योंकि सप्लाई चेन में मौसमी रुकावटों, खराब मौसम और ट्रांसपोर्टेशन की ज्यादा लागत की वजह से कीमतें बढ़ रही हैं।

बारशी-सोलापुर के किसान पांडुरंग गुल्वे ने बताया कि मॉनसून में देरी की वजह से उन्हें भारी नुकसान हो रहा है। वेजिटेबल होलसेलर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट बालासाहेब बडाडे ने कहा, राज्य में टमाटर की कमी है और रिटेल कीमतें 80-100 रुपये प्रति किलो से ज्यादा हो सकती हैं। ग्वार फली, भिंडी और फूलगोभी की कीमतों में भी काफी बढ़ोतरी देखी जा रही है।

इस हफ्ते 5 फैक्टर्स शेयर बाजार के लिए अहम
विदेशी निवेशक लौटे, क्या निफ्टी पार करेगा 24,500 का स्तर; अमेरिका-ईरान वार्ता पर भी नजर

मुंबई,21 जून (एजेंसियां)। कल 22 जून से शुरू होने वाले हफ्ते में शेयर बाजार में काफी हलचल रहने वाली है। 26 तारीख को मुहर्रम के चलते बाजार में केवल 4 दिन कारोबार होगा। अमेरिका-ईरान तनाव और विदेशी निवेशकों की खरीदारी-बिकवाली से लेकर टेक्निकल फैक्टर बाजार की दिशा तय करेंगे।

चलिए समझते हैं अगले हफ्ते बाजार में क्या हो सकता है...

सपोर्ट और रेजिस्टेंस

सपोर्ट जोन: 23,936 | 23,870 | 23,820 | 23,466 | 23,345 | 23,320

सपोर्ट यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को नीचे गिरने से सहारा मिलता है। यहां खरीदारी बढ़ने से कीमत आसानी से नीचे नहीं जाती। यहां खरीदारी का मौका हो सकता है।

रेजिस्टेंस जोन: 24,140 | 24,382 | 24,450 | 24,480 | 24,535 | 24,646

रेजिस्टेंस यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को ऊपर जाने में रुकावट आती है। ऐसा बिकवाली बढ़ने से होता है। रजिस्टेंस जोन पार करने पर तेजी की उम्मीद रहती है।

नोट: सपोर्ट और रेजिस्टेंस के लेवल्स वेल्थ व्यू एनालिटिक्स की रिपोर्ट के अनुसार है।

5 फैक्टर्स जो तय करेंगे बाजार की दिशा...

1. अमेरिका-ईरान शांति समझौते के बाद भी बढ़ा तनाव

अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए 60 दिनों के सीजफायर पर सहमति बनी थी, लेकिन तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। ईरान ने एक बार फिर शनिवार को 'स्ट्रैट ऑफ होर्मुज' बंद करने की घोषणा की है। हालांकि, अमेरिकी सेना ने इस दावे का गलत बताया। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अगर ईरान के साथ 60 दिनों में कोई समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका भविष्य में होर्मुज स्ट्रेट में टोल लगाने पर विचार कर सकता है। यह शुल्क मिडिल-ईस्ट में सुरक्षा पर हुए खर्च की भरपाई के लिए होगा। आज रविवार को अमेरिका और ईरान शांति वार्ता के लिए स्विट्जरलैंड भी पहुंच चुके हैं। अमेरिकी डेलिगेशन में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर हैं। वहीं, ईरानी डेलिगेशन का नेतृत्व विदेश मंत्री अब्बास अराघच कर रहे हैं।शुक्रवार को बाजार की गिरावट में सबसे बड़ा हाथ आईटी सेक्टर का रहा। इंफोसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयर 7% तक टूट गए। इस गिरावट की मुख्य वजह अमेरिकी कंसल्टिंग कंपनी एक्सेंचर का रेवेन्यू ग्रोथ अनुमाना है। एक्सेंचर ने वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने रेवेन्यू ग्रोथ के अनुमान को 3-5% से घटाकर 3-4% कर दिया है। इसके शेयरों में आई 11% की गिरावट आई।

अंबानी-अडानी लगा रहे हैं अरबों
पर चीन ने समंदर के नीचे रच दिया इतिहास, भारत के लिए भी बड़ा मौका

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक कंप्यूटिंग के इस दौर में डेटा सेंटर्स की मांग आसमान छू रही है। अब तक आपने जमीन पर बड़े-बड़े डेटा सेंटर्स देखे होंगे, लेकिन अब चीन ने तकनीक की दुनिया को समंदर की गहराइयों में उतार दिया है।

चीन ने शंघाई के तट के पास दुनिया का पहला ऐसा अंडरवॉटर डेटा सेंटर शुरू किया है, जो पूरी तरह से समुद्री हवा से चलने वाले बिजली फार्म से ऊर्जा लेता है। इस अनूठे प्रोजेक्ट पर करीब 238 मिलियन डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपये) का निवेश किया गया है। यह डेटा सेंटर भारत के लिए बड़ा सबक और मौका है।

समुद्र तट से 16 किमी दूर

शंघाई लिंगांग नाम का यह 24 मेगावाट क्षमता वाला डेटा सेंटर शंघाई के तट से 16 किमी दूर और समुद्र की सतह से 10 मीटर नीचे स्थापित किया गया है। इसे हाईक्लाउड टेक्नोलॉजी और सरकारी कंपनी चाइना कम्युनिकेशंस कंस्ट्रक्शन ने मिलकर तैयार किया है।

पानी और जमीन की 100% बचत

भारत हो या कोई और देश, जमीन पर बनने वाले पारंपरिक डेटा सेंटर्स के साथ दो बड़ी दिक्कतें होती हैं। पहली- भारी बिजली की खपत और दूसरी- साफ पानी की बर्बादी। सर्वर्स लगातार चलने की वजह से बहुत गर्म हो जाते हैं। उन्हें ठंडा रखने के लिए भारी मात्रा में पानी को पाइपों के जरिए घुमाना पड़ता है, जिसमें 25 से 40% बिजली सिर्फ कूलिंग में खर्च हो जाती है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2030 तक दुनिया भर के डेटा सेंटर्स 9.3 ट्रिलियन लीटर पानी पी जाएंगे। यह करीब 1.3 अरब लोगों यानी पूरे भारत की पीने के पानी की जरूरत के बराबर है। ऐसे में चीन का यह अंडरवॉटर मॉडल एक बड़ी क्रांति है।

अजूबा है चीन का यह मॉडल?

समुद्र के ठंडे पानी में डूबे होने के कारण इसे अलग से ठंडा करने के लिए पानी की कोई जरूरत नहीं पड़ती, जिससे साफ पानी की बर्बादी 100% रुक जाती है। जमीन पर बने डेटा सेंटर्स के मुकाबले यह 22.8% कम बिजली खाता है। यह प्रोजेक्ट 95% से अधिक पर्यावरण अनुकूल (विंड एनर्जी) बिजली का उपयोग करता है।

समुद्र के भीतर होने के कारण जमीन के इस्तेमाल में 90% से ज्यादा की कमी आई है।

अमेरिका से आगे निकला चीन

डेटा सेंटर्स के मामले में दुनिया के 32 प्रमुख देशों में से 90% सेंटर्स सिर्फ चीन और अमेरिका में हैं। लेकिन जहां अमेरिका के ज्यादातर डेटा सेंटर्स आज भी गैस और कोयले जैसे फ्यूल पर चल रहे हैं, वहीं चीन तेजी से ग्रीन एनर्जी की तरफ बढ़ रहा है।

रूस ने पहुंचा दिए भारत में टैंकर
मुश्किल समय में ऐसे बदली पिक्चर

नई दिल्ली,21 जून (एजेंसियां)। रूस मुश्किल समय में भारत का भरोसेमंद साथ ही बना हुआ है। जून में रूस से भारत का कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) आयात तेजी से बढ़ा। भरभरकर तेल के टैंकर भारत पहुंचे। वहीं, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से खरीद रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब बनी रही। रिफाइनर ने होर्मुज स्ट्रेट से शिपमेंट को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच सप्लाई सुरक्षित करने के लिए ऐसा किया। मैरीटाइम इंटेलिजेंस फर्म केप्लर और इंडस्ट्री एनालिस्ट के डेटा से इसका पता चलता है।

कहां से कितना आया तेल?

केप्लर के डेटा के अनुसार, भारत ने 1 जून से 19 जून के बीच रूस से औसतन 26.6 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) कच्चा तेल आयात किया। यह मई में 19.1 लाख बीपीडी था। इस बढ़ोतरी ने भारत के सबसे बड़े क्रूड सप्लायर के तौर पर रूस की स्थिति को और मजबूत किया। इसी अवधि के दौरान यूएई से आयात 6,36,000 बीपीडी रहा।

यह मई में आयात किए गए रिकॉर्ड 6,44,000 बीपीडी से थोड़ा ही कम था। वेनेजुएला 2,09,000 बीपीडी के शिपमेंट के साथ भारत का चौथा सबसे बड़ा कच्चा तेल सप्लायर बनकर उभरा।

उससे आगे सऊदी अरब था; उसने 3,84,000 बीपीडी की सप्लाई की।

इसके उलट अमेरिका से आयात मई में 2,52,000 बीपीडी से घटकर जून में 91,000 बीपीडी रह गया।

आयात के ये नए ट्रेंड ग्लोबल एनर्जी मार्केट में रुकावट के समय भारतीय रिफाइनरों की सोर्सिंग में विविधता लाने और सप्लाई सिक्योरिटी बनाए रखने की कोशिशों को दिखाते हैं। रूसी कच्चे तेल ने कम कीमतों के कारण खरीदारों को आकर्षित करना जारी रखा। वहीं, यूएई से अतिरिक्त सप्लाई ने होर्मुज स्ट्रेट से शिपमेंट को लेकर चिंताओं को कम करने में मदद की।

होर्मुज में रुकावट ने बदला सीन

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एनर्जी इंपोर्टर है। कच्चे तेल, लिक्विफाइड नेचुरल गैस और लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस के लिए वह खाड़ी क्षेत्र पर काफी हद तक निर्भर है। अमेरिका और इजरायल से जुड़ी सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान की ओर से होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने से एनर्जी सप्लाई में रुकावट आई।

यह जलमार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण एनर्जी चोकपॉइंट्स में से एक है, जहां से दुनिया के कुल तेल खपत का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है। यह सऊदी अरब, इराक, कुवैत, यूएई और कतर जैसे प्रमुख खाड़ी उत्पादकों के लिए मुख्य एक्सपोर्ट रूट के रूप में काम करता है।

अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर (युद्धविराम) पर सहमति बनने के बाद पिछले हफ्ते के आखिर में इस स्ट्रेट से शिपिंग गतिविधियां फिर से शुरू होने लगीं। हालांकि, ईरानी अधिकारियों की ओर से इजरायल पर समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाने के बाद इस व्यवस्था के टिके रहने को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं।

वैश्विक अनिश्चितता घटी
आरबीआई रेपो रेट में नहीं कर सकता बदलाव

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। वैश्विक अस्थिर में कमी आने के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) रेपो रेट को लेकर अपनी वेट-एंड-वॉच नीति को जारी रख सकता है और आने वाली मौद्रिक नीति में ब्याज दर को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखा जा सकता है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका-ईरान शांति समझौते से ग्लोबल अनिश्चितता में बड़ी कमी आई है। इससे केंद्रीय बैंकों को एनर्जी की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर प्रतिक्रिया देने के बजाय डेटा पर आधारित फैसले लेने की ज्यादा जगह मिली है।

आरबीआई का न्यूट्रल पॉलिसी का रुख बरकरार

रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई पॉलिसी की दिशा में कोई भी बदलाव करने से पहले मानसून की प्रगति, खाने-पीने की चीजों की महंगाई के ट्रेंड और कच्चे तेल की कीमतों पर नजर रखना जारी रखेगा। आरबीआई ने जून में हुई एमपीसी की बैठक में वैश्विक आर्थिक माहौल और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर चिंताओं के बीच रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बनाए रखा और अपनी न्यूट्रल पॉलिसी का रुख भी बरकरार रखा।

महंगाई का अनुमान 50 आधार अंक बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत किया

इसके अलावा, केंद्रीय बैंक ने अपने मैक्रो-इकोनॉमिक अनुमानों में बदलाव किया। मौसम से जुड़े जोखिमों और खाने-पीने की चीजो की कीमतों को लेकर अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए, बैंक ने वित्त वर्ष 27 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 30 आधार अंक घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया, जबकि महंगाई का अनुमान 50 आधार अंक बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया। एमपीसी की बैठक के मिनट्स से पता चला कि सभी सदस्य महंगाई के बढ़ते जोखिमों और अस्थिर आर्थिक माहौल को लेकर एकमत थे। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, नीति निर्माताओं ने यह भी माना कि महंगाई नियंत्रण में है और व्यापक स्तर पर महंगाई का असर आगे भी बने रहने के कोई तत्काल संकेत नहीं हैं। मिनट्स में अस्थिर आर्थिक माहौल और महंगाई के बढ़ते जोखिमों पर आम सहमति दिखी। हालांकि, सदस्यों ने कहा कि महंगाई का दबाव नियंत्रण में रहा है, इसलिए डेटा पर आधारित अप्रोच अपनाना सही कदम होगा।

पेट्रोल-डीजल के दाम कब होंगे कम?
सरकार का आ गया जवाब, हरदीप सिंह पुरी ने सब कर दिया क्लियर

सोनभद्र,21 जून (एजेंसियां)। कच्चे तेल के दाम कम होने के बाद अब भारत में लोगों की नजर सस्ते पेट्रोल और डीजल पर टिकी है। देश में पेट्रोल-डीजल के दाम कब होंगे, इस बारे में सरकार का जवाब आ गया है। अमेरिका और ईरान के बाद डील समझौता होने के बाद कच्चे तेल के दाम में कमी आई है। लेकिन इजरायल के हमले के बाद दाम में फिर से तेजी देखने को मिल रही है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संकेत दिया कि अगर हाल ही में कम कीमत पर खरीदा गया कच्चा तेल भारतीय रिफाइनरियों तक पहुंचता है, तो पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की जा सकती है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि वैश्विक तेल बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद घरेलू ईंधन की कीमतों में बहुत सीमित बढ़ोतरी हुई है।

केंद्रीय मंत्री बोले- थोड़ा समय लगेगा

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पुरी ने कहा कि तेल विपणन कंपनियां वर्तमान में ऊंचे दामों पर खरीदे गए कच्चे तेल को प्रोसेस कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई कमी का फायदा खुदरा कीमतों में दिखने में थोड़ा समय लगेगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल कंपनियों के पास महंगे दामों पर खरीदे गए कच्चे तेल का स्टॉक है। जब कम कीमत पर खरीदा गया क्रूड उनके पास पहुंचेगा, तो ईंधन की कीमतों में कमी आने की संभावना है।

ईंधन की कीमतों पर दी सफाई

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा बाजारों में व्यवधान और विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारत में ईंधन की कीमतें अपेक्षाकृत स्थिर रही हैं। पुरी ने कहा, अगर हम वास्तविक स्थिति को देखें, तो देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में (उस अनुपात में) कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।

क्या फिर बढ़ेंगे दाम?

इजरायल ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते को मानने से इनकार कर दिया है। इजरायल अब ईरान पर हमले कर रहा है। ईरान-अमेरिका के बीच हुए समझौते में लिखा है कि अमेरिका इजरायल पर हमले न करने का दबाव बनाएगा। लेकिन इजरायल ने इस समझौते को मानने से इनकार कर दिया है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	मिथुन	मे
चंद्र	कन्या	मे
मंगल	वृष	मे
बुध	मिथुन	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	कर्क	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
मिथुन--	05-19 बजे
कर्क----	07-32 बजे
सिंह---	09-44 बजे
कन्या--	11-50 बजे
तुला----	13-56 बजे
वृश्चिक--	16-06 बजे
धनु----	18-19 बजे
मकर--	20-25 बजे
कुंभ---	22-16 बजे
मीन---	23-54 बजे
मेष----	01-30 बजे
वृष----	03-15 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-46
सूर्यास्त 18-49
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष सोमवार 22 June 2026
तिथि - अष्टमी 15-40 तक उपरान्त नवमीं
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी 10-22 तक उप हस्त
योग. - व्यतिपात 10-31 तक उप वरियान
करण - बव 15-40 तक उप बालव
विशेष: कर्के बुध १५-३० से, आम केरी त्याग नियम प्रा (जैन)

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-23 से 09-01 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया		
अमृत	05-46 - 07-23	शुभ
काल	07-23 - 09-01	अशुभ
शुभ	09-01 - 10-40	शुभ
रोग	10-40 - 12-18	अशुभ
उत्पात	12-18 - 13-57	अशुभ
चंचल	13-57 - 15-35	शुभ
लाभ	15-35 - 17-14	शुभ
अमृत	17-14 - 18-49	शुभ

रात का चौघड़िया		
चंचल	18-49 - 20-14	शुभ
रोग	20-14 - 21-35	अशुभ
काल	21-35 - 22-57	अशुभ
लाभ	22-57 - 00-18	शुभ
उत्पात	00-18 - 01-40	अशुभ
शुभ	01-40 - 03-01	शुभ
अमृत	03-01 - 04-23	शुभ
चंचल	04-23 - 05-46	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा । घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेहतर अवसरों के लिए किसी नईं जगह जाना चाहते हैं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और किसी अधूरे पड़े काम को हाथ में लेंगे । समस्याएं आएँगी लेकिन आपका रास्ता नही रोक पाएंगी । कोई अच्छा दोस्त आपका साथ देगा । कार्यस्थल पर मिलने वाले एक महत्वपूरण सम्बन्ध की सहायता से नया मौका मिलेगा । अतीत के फेर से निकलकर आगे की सोचें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप आज अपने परिवहन के साधन से परेशान हो सकते हैं । अगर कहीं किसी महत्वपूरण काम के लिए जाना है तो अपने लिए वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था कर लें और कोई बैकअप योजना तैयार रखें । आज आप किसी भीतरी उलझन से परेशान हैं,लेकिन शांति बनाये रखें,यह समय जल्दी ही बीत जायेगा । परिवार के साथ समय बिताएं।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें । इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे । दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें । तर्कशक्ति से काम लें । अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें । निवेश के लिए अच्छा दिन है । अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप व्यवसायिक या निजी कारणों से यात्रा कर सकते हैं । हालाँकि इस समय आपके लिए यात्रा करना मुश्किल होगा लेकिन आप कर पायेंगे और इससे आपको लाभ भी होगा । जो लोग पहले आपकी उदारता को नही समझते थे ,अब उन्हें भी इसकी कीमत समझ आएगी ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं । आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज के दिन की खासियत आपकी किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात रहेगी जिसका प्रभाव आपके जीवन पर पर काफी लम्बे समय तक रहेगा । आप किसी ऐसीस्थिति या व्यक्ति के संपर्क में भी आ सकते हैं जहाँ आपको विपरीत दृष्टिकोणों का सामना करना पड़ सकता है । आपको रचनात्मक आलोचना को सही तरीके से ही लें और बदतमीज हुए बिना ही अपनी बात को समझाने से कोशिश करें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं । अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें । बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप अन्दर से डरे हुए से हैं । यह जान लें कि इन मुद्दों से घबराने की जरूरत नही है। इन वर्तमान समस्याओं के कई कारण हैं और इनके लिए दुसरे जिम्मेदार हैं,आप नहीं ।ये छोटी बातें जल्दी ही सुलझ जायेंगी । अपने आपको राहत देने के लिए किसी मनोरंजक कार्यकलाप की योजना बनाएं ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

‘बदल जाएगा राजस्थान में रेल नेटवर्क का नक्शा’

रेल मंत्री ने बीकानेर में कर डाली कई घोषणाएं

बीकानेर, 21 जून (एजेंसियां)। बीकानेर से साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के मुख्य कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राजस्थान केंद्रित रेलवे के भविष्य के बड़े प्रोजेक्ट्स की रूपरेखा जनता के सामने रखी। रेल मंत्री ने एक नक्शे को दिखाते हुए बताया कि केंद्र सरकार अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे राजस्थान के आखिरी गांवों तक रेल लाइन ले जाने के बड़े संकल्प पर काम कर रही है। इस नए रोडमैप के धरातल पर उतरने के बाद राजस्थान के बॉर्डर एरिया की पूरी तस्वीर और आर्थिक भूगोल हमेशा के लिए बदल जाएगा।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बीकानेर के अपने संबोधन में इस बात पर विशेष जोर दिया कि भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे राजस्थान के जिलों में रेल लाइनों का यह विस्तार केवल आम यात्रियों की आवाजाही को सुलभ बनाने का माध्यम नहीं है। इसका एक बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण सामरिक पहलू भी है जो सीधे तौर पर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और अखंडता से जुड़ा हुआ है।

रोडमैप के अनुसार, बेहतर रेल नेटवर्क स्थापित होने से सीमावर्ती चौकियों तक भारतीय सेना, सीमा सुरक्षा बल और भारी सैन्य साजो-सामान के त्वरित परिवहन को एक अभूतपूर्व और मजबूत आधार मिलेगा। आपातकालीन स्थितियों में देश की रक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ यह नेटवर्क स्थानीय स्तर पर आम जनता के दैनिक सफर, कृषि उत्पादों के परिवहन, क्षेत्रीय व्यापार, लघु उद्योगों और थार रेगिस्तान के पर्यटन को भी एक नई ऊंचाई प्रदान करेगा। सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के इस विस्तार से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के हजारों नए अवसर सृजित होंगे।

रेल मंत्री द्वारा साझा किए गए नक्शे और विवरण के अनुसार, इस नए सीमावर्ती रेल कॉरिडोर के तहत मुख्य रूप से 4 बड़े सीमावर्ती क्षेत्रों को आपस में और राज्य के मुख्य रेल जंक्शन्स से जोड़ा जाएगा-

अनूपगढ़ और खाजूवाला कनेक्टिविटीः इन दोनों ही महत्वपूर्ण सीमावर्ती उपखंडों को नए रेल ट्रैक्स के जरिए आपस में जोड़ते हुए बीकानेर जंक्शन से सीधे लिंक करने की योजना है।

जैसलमेर और बाड़मेर विस्तारः इन दोनों ही रेगिस्तानी जिलों के सुदूर थार क्षेत्रों में नई रेल पटरियां बिछाई जाएंगी ताकि डिफेंस और सिविलियन दोनों ही मोर्चों पर रेलवे की निर्बाध पहुंच सुनिश्चित की जा सके।

इस विस्तृत घोषणा के बाद से ही पश्चिमी राजस्थान के इन सभी सीमावर्ती जिलों के नागरिकों, किसान संगठनों और व्यापारियों के बीच भारी उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

बीकानेर के रेल विकास को लेकर मंच पर मौजूद केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री और स्थानीय सांसद अर्जुन राम मेघवाल ने रेल मंत्री के सामने बीकानेर संभाग के यात्रियों की एक बेहद पुरानी और लंबित मांग को रखा। मेघवाल ने मांग की कि बीकानेर और उसके आस-पास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग व्यापार और शिक्षा के लिए पंजाब और हरियाणा जाते हैं, इसलिए बीकानेर को सीधे चंडीगढ़ से जोड़ने वाली एक नई रेल सेवा शुरू की जानी चाहिए।

इस मांग पर तुरंत संज्ञान लेते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंच से ही घोषणा की कि उन्होंने रेलवे बोर्ड के उच्च अधिकारियों को इस संबंध में तकनीकी व्यवहार्यता जांचने और जल्द से जल्द इस रूट पर नई ट्रेन सेवा शुरू करने की कार्ययोजना तैयार करने के कड़े निर्देश जारी कर दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने साबरमती एक्सप्रेस के संचालन का पूरा श्रेय भी अर्जुन राम मेघवाल के निरंतर प्रयासों को दिया।

भारत-पाक बॉर्डर के पास सिर्फ 100 लोगों के लिए क्यों बनी करोड़ों की मस्जिद?

पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी का सवाल

बाड़मेर, 21 जून (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश चौधरी ने भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास होने वाली संदिग्ध गतिविधियों और अतिक्रमण को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों और सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कानून सख्त कार्रवाई करेगा।

कैलाश चौधरी ने जैसलमेर जिले में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के नजदीक बनी एक मस्जिद का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि बॉर्डर से महज पांच किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक पंचायत में, जहां की कुल आबादी सिर्फ 60, 70 या अधिकतम 100 लोगों की है, वहां करोड़ों रुपए (लगभग 5 से 7 करोड़ रुपए) की लागत से एक विशाल मस्जिद का निर्माण किया गया है।

चौधरी ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उस समय इस जगह के

लिए विशेष तौर पर 100 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण करवा दिया गया था। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी कम आबादी वाले बॉर्डर क्षेत्र में इतनी बड़ी रकम खर्च करके मस्जिद बनाने और विशेष सड़क देने के पीछे आखिर कौन सी गतिविधियां चल रही हैं? उन्होंने इस पूरे मामले को सीमा की सुरक्षा के लिहाज से बेहद चिंताजनक और संवेदनशील बताया।

कैलाश चौधरी ने अपने पश्चिम बंगाल चुनाव प्रचार के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि बंगाल में सीमावर्ती इलाकों के हालात बहुत भयावह बने हुए थे। चौधरी ने दावा किया कि अगर पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं आती तो आने वाले 10 वर्षों में बंगाल की स्थिति ऐसी हो जाती कि वह बांग्लादेश का हिस्सा बनने की कगार पर पहुंच जाता। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की निगरानी करना देश के आम नागरिकों और प्रशासन, दोनों की साझी जिम्मेदारी है।

कैलाश चौधरी ने स्पष्ट किया कि प्रशासन किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण या अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं करेगा। यदि किसी भी पिछली सरकार के समय गलत तरीके से या नियमों को ताक पर रखकर कोई निर्माण कार्य या कब्जा किया गया है तो मौजूदा सरकार और प्रशासन उस पर उचित कानूनी प्रक्रिया के तहत निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि अगर कुछ गलत हुआ है, तो उसे वैसे ही नहीं छोड़ा जा सकता।

जब पत्रकारों ने उनसे सवाल किया कि कांग्रेस इस कार्रवाई को लेकर हमलावर है और आरोप लगा रही है कि इससे आपसी सौहार्द और भाईचारा बिगाड़ा जा रहा है तो इस पर चौधरी ने दो टूक जवाब दिया। उन्होंने कहा कि भाईचारे और सौहार्द की बात करने वालों को अतिक्रमण करने से पहले सोचना चाहिए था। सरकारी भूमि पर कब्जा करने वालों के खिलाफ प्रशासन को अपना काम करना ही होगा। इसमें किसी के नाराज होने या सरकार पर हमलावर होने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि सरकार आगे भी ऐसी कार्रवाइयां जारी रखेगी।

कैलाश चौधरी ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार पूरी पारदर्शिता और शांतिप्रिय तरीके से काम कर रही है। भजनलाल सरकार ने हमेशा विकास को प्राथमिकता दी है और राज्य की जनता उनके काम करने के तरीके को बेहद पसंद कर रही है।

उन्होंने कहा कि हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान एक दुश्मन देश है, जिसकी भारत विरोधी गतिविधियों से सभी भली-भांति वाकिफ हैं। ऐसे माहौल में यदि देश के भीतर का कोई भी व्यक्ति बॉर्डर के पास संदिग्ध गतिविधियों को बढ़ावा देगा या राष्ट्र विरोधी तत्वों को शह देने का काम करेगा, तो उसे न तो यह सरकार बख्शेगी और न ही देश का जनमानस उसे स्वीकार करेगा।

‘फादर्स-डे’ पर शेयर की सवाई भवानी सिंह संग थ्रोबैक फोटो, साथ में लिखा भावुक मैसेज

जयपुर, 21 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय पितृ दिवस यानी फादर्स डे के खास मौके पर आज देश और दुनिया भर के लोग अपने पिताओं को याद कर रहे हैं और उनके प्रति सम्मान व्यक्त कर रहे हैं। इसी क्रम में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने भी अपने जीवन के मार्गदर्शक और अपने पिता, जयपुर के पूर्व महाराजा ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह को याद करते हुए एक बेहद भावुक पोस्ट साझा की है। डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर एक दुर्लभ थ्रोबैक तस्वीर पोस्ट की है। इस ब्लैक एंड व्हाइट फोटो में देखा जा सकता है कि दीया कुमारी अपने बचपन के दिनों में हैं और एक छोटी बच्ची के रूप में अपने पिता सवाई भवानी सिंह की गोद में मुस्कुराते हुए बैठी हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने एक प्रेरणादायी संदेश लिखकर अपने पिता के प्रति गहरा आदर और कृतज्ञता प्रकट की है।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने अपनी इस पोस्ट के जरिए न

केवल अपने पिता को याद किया, बल्कि उनके द्वारा देश और समाज के लिए स्थापित किए गए महान आदर्शों को भी जनता के सामने रखा।

उन्होंने लिखा, ₹पितृ दिवस के अवसर पर मैं पूज्य पिताजी ‘महावीर चक्र’ से अलंकृत ब्रिगेडियर महाराजा सवाई भवानी सिंह जी की पुण्य स्मृतियों को नमन करती हूं। पिताश्री ने अपने जीवन से राष्ट्रप्रेम, साहस, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा के जो उत्कृष्ट आदर्श स्थापित किए, वे सदैव मेरे लिए प्रेरणा के स्रोत रहेंगे। उनके द्वारा दिए गए संस्कारों ने मुझे जनसेवा को जीवन का उद्देश्य मानते हुए समर्पण, संवेदनशीलता और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान की है। उनका व्यक्तित्व एवं राष्ट्रभक्ति, नेतृत्व और त्याग का प्रेरणादायी उदाहरण है। उनके आदर्शों का अनुसरण करते हुए प्रदेश की सेवा एवं जनकल्याण के लिए सतत कार्य करना मेरे जीवन का संकल्प है।

सवाई भवानी सिंह केवल एक राजा नहीं थे, बल्कि वे भारतीय सेना की पैराशूट रेजिमेंट (कमांडो) के एक साहसी और जांबाज सैन्य अधिकारी थे। वर्ष 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान उन्होंने अदम्य साहस का परिचय दिया था। उनके रणनीतिक नेतृत्व में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के भीतर घुसकर छाछरो सहित कई महत्वपूर्ण चौकियों पर अपना नियंत्रण स्थापित किया था।

डेड लाइन पूरी, नहीं आई ओबीसी आयोग की रिपोर्ट

31 जुलाई तक पंचायत-निकाय चुनाव पर बढ़ा संशय

जयपुर, 21 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों को लेकर एक बार फिर अनिश्चितता गहरा गई है। राजस्थान हाईकोर्ट ने 22 मई को राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग को 31 जुलाई 2026 तक चुनाव कराने के निर्देश दिए थे तथा निकाय व पंचायत चुनावों से जुड़ी सभी तरह की रिपोर्ट्स को 20 जून तक पेश करने के लिए कहा था। आज 20 जून को यह डेडलाइन पूरी हो गई और ओबीसी आयोग की रिपोर्ट सहित पंचायत-निकाय चुनावों से जुड़ी कोई रिपोर्ट अब तक नहीं आई है। ऐसे में तय समयसीमा के भीतर चुनाव कराना मुश्किल नजर आने लगा है। दरअसल, पंचायत और निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण का निर्धारण आयोग की रिपोर्ट के आधार पर होना है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में आयोग के कामकाज पर नाराजगी जताते हुए कहा था कि उसके ढुलमुल रवैये को चुनाव कराने में बाधा नहीं बनने दिया जाएगा। इसके बावजूद आयोग की रिपोर्ट समय पर नहीं आ सकी।

चुनावी प्रक्रिया की राह में सिर्फ ओबीसी आरक्षण ही बाधा नहीं है। सरकार से जुड़े विधि विशेषज्ञों का कहना है कि एससी, एसटी और महिला आरक्षण का अंतिम निर्धारण भी राज्य सरकार के स्तर पर होना है। इसके बाद वार्डों और सीटों का आरक्षण तय होगा। ऐसे में पूरी प्रक्रिया में और समय लगना तय माना जा रहा है। इधर मामले में याचिकाकर्ता पूर्व विधायक संयम लोढ़ा का कहना है कि वे इस मामले में विधिक विकल्प तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के निर्देश थे कि निर्वाचन से जुड़ी सभी तरह की रिपोर्ट्स 20 जून पेश हो जाएं।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा था कि यदि ओबीसी आयोग समय पर रिपोर्ट नहीं देता है तो ओबीसी आरक्षित सीटों को सामान्य मानते हुए चुनाव कराए जा सकते हैं। लेकिन चुनाव आयोग का मानना है कि बिना आरक्षण से जुड़े सभी आंकड़ों और प्रक्रियाओं को अंतिम रूप दिए चुनाव कराना कानूनी विवादों को जन्म दे सकता है।

आगरा-जयपुर हाईवे पर नारकोटिक्स ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई

लग्जरी कार से 115 किलो अफीम बरामद, तस्कर अरेस्ट

दौसा, 21 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) नीमच ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। आगरा-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने एक लग्जरी कार से 115.160 किलोग्राम अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। सीबीएन ने अफीम और कार को जब्त कर एक आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किया है। जिसे रविवार को दौसा के एनआई कोर्ट में पेश किया गया। फिलहाल एनसीबी मामले की जांच में जुटी है। कार्रवाई उप नारकोटिक्स आयुक्त निखिल गांधी एवं विपिन कुमार के निर्देशन में गठित विशेष टीम द्वारा की गई। टीम में निरीक्षक परिक्षित चौधरी, उप निरीक्षक मोहित यादव सहित अन्य अधिकारियों की भूमिका रही।

सीबीएन को मिली सूचना के आधार पर अभियान शुरू किया गया। सीबीएन की टीम ने करीब 2000 किलोमीटर लंबे रूट पर निगरानी रखी। टीम ने रविवार सुबह आगरा-जयपुर हाईवे पर सिंकदरा टोल प्लाजा के पास झारखंड रजिस्ट्रेशन की कार को रूकवाकर तलाशी ली। इस दौरान कार की डिक्की में 109 पैकेट में कुल 115.160 किलोग्राम अफीम बरामद हुई। जब्त की गई अफीक की कीमत करोड़ों रुपए बताई जा रही है। सीबीएन की टीम को तलाशी के दौरान झारखंड नंबर की लग्जरी कार से नशे की बड़ी खेप बरामद हुई। अफीम की गंध को छिपाने के लिए कार के अंदर परफ्यूम का छिड़काव किया हुआ था। ऐसे में टीम को शक हुआ है और गहनता से तलाशी ली गई। तभी कार की डिग्गी से तीन बोरियां बरामद हुई। जिन्हें खोलकर देखा तो अफीम के 109 पैक कट्टे बरामद हुए।

सीबीएन टीम ने रविवार दोपहर आरोपी मालाराम विश्नोई निवासी फलोदी को दौसा की एनआई कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे 2 दिन के रिमांड पर भेज दिया। एनसीबी फिलहाल मामले की जांच में जुटी है। अधिकारियों के अनुसार आरोपी से पूछताछ कर पूरे तस्करी नेटवर्क का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल, पूरे मामले की जांच जारी है। बरामद अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये बताई जा रही है।

इधर, हनुमानगढ़ जिले में नोहर थाना पुलिस और डीएसटी सेक्टर नोहर की टीम ने गांव असरजाना के खेत में बनी ढाणी में संचालित एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से राजकीय विद्यालय में कार्यरत एक पीटीआइ सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में एमडी ड्रग्स बनाने के रासायनिक पदार्थ तथा एमडी ड्रग्स व अफीम बरामद की।

'बुर्का मेरी पहचान है', अजमेर में नीट सेंटर पर अड़ी छात्रा; बहस के बाद मिली एंट्री

अजमेर, 21 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर में नीट परीक्षा के दौरान अजमेर के एक परीक्षा केंद्र पर उस समय विवाद की स्थिति बन गई, जब ब्यावर से परीक्षा देने पहुंची एक छात्रा को बुर्का पहनकर प्रवेश करने पर रोक दिया गया. मामला शहर के सावित्री स्कूल परीक्षा केंद्र का है, जहां परीक्षार्थी कुलसुम और केंद्र पर मौजूद अधिकारियों के बीच कुछ समय तक बहस और समझाइश का दौर चलता रहा. बाद में उच्च अधिकारियों से चर्चा और आवश्यक जांच के बाद छात्रा को परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दे दी गई. जानकारी के अनुसार, ब्यावर निवासी कुलसुम निर्धारित समय पर नीट परीक्षा देने के लिए सावित्री स्कूल स्थित परीक्षा केंद्र पहुंची थी. प्रवेश प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा जांच और ड्रेस कोड संबंधी नियमों को लेकर उसे केंद्र के बाहर रोक लिया गया. इससे छात्रा और उसके परिजन परेशान हो गए. छात्रा का कहना था कि बुर्का उसकी धार्मिक पहचान का हिस्सा है और वह इसे छोड़कर परीक्षा देने के लिए तैयार नहीं है. कुलसुम ने कहा कि वह परीक्षा के सभी नियमों का पालन करते हुए केंद्र पर पहुंची थी और उसके पास आवश्यक दस्तावेज भी मौजूद थे.

जारी है कृषि मंत्री की ‘छापेमार कार्रवाई’, नकली और अवैध कृषि उत्पादों के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़

जयपुर, 21 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के किसानों के हक और शुद्ध कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा एक बार फिर पूरी तरह से जमीनी एक्शन मोड में दिखाई दे रहे हैं। कृषि मंत्री ने कृषि विभाग के आला अधिकारियों की एक बड़ी टीम को साथ लेकर जयपुर के विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र में संचालित विभिन्न फर्टिलाइजर एवं कृषि उत्पाद निर्माण इकाइयों पर अचानक धावा बोल दिया। इस औचक निरीक्षण के दौरान औद्योगिक क्षेत्र की 3 बड़ी इकाइयों में गंभीर अनियमितताएं, बिना वैधानिक लाइसेंस के प्रतिबंधित कृषि रसायनों का निर्माण और सबसे बढ़कर किसानों के साथ की जा रही एक बहुत बड़ी धोखाधड़ी का लाइव पर्दाफाश हुआ

है। मंत्री की इस त्वरित कार्रवाई से मिलावटखोरों और कृषि माफियाओं के पूरे सिंडिकेट में हड़कंप मच गया है। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की इस छापेमारी का सबसे गंभीर और संवेदनशील मामला वीकेआई क्षेत्र में स्थित 'नंदी फर्टिलाइजर्स' नामक इकाई में देखने को मिला। पूर्व में सील की गई इस इकाई को जब अधिकारियों की मौजूदगी में दोबारा खुलवाकर सघन निरीक्षण किया गया, तो वहां का नजारा देखकर खुद कृषि मंत्री भी हैरान रह गए।

जांच टीम ने पाया कि इस फैक्ट्री के भीतर भारी मात्रा में साधारण नमक के कचरे और अपशिष्ट का प्रसंस्करण किया जा रहा था। इस नमक के अपशिष्ट में कुछ हानिकारक रसायन और रंग मिलाकर हूबहू असली जैसा दिखने वाला 'म्यूरेट ऑफ पोटाश' तैयार किया जा रहा था। इस नकली पोटाश को ब्रांडेड कट्टों में पैक करके राजस्थान के विभिन्न जिलों के ग्रामीण बाजारों में भेजा जा रहा था। पोटाश फसल की पैदावार और उसकी गुणवत्ता के लिए एक अत्यंत आवश्यक उर्वरक माना जाता है, ऐसे में नमक से बना यह नकली पोटाश न केवल किसानों की जेब काट रहा था, बल्कि मरुधरा की उपजाऊ भूमि को भी पूरी तरह बंजर बनाने का एक बड़ा माध्यम बन रहा था। इस सफल और बड़ी कार्रवाई के तुरंत बाद कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मीडिया और अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल के जरिए मिलावटखोरों को एक बेहद कड़ा और स्पष्ट संदेश जारी किया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि किसानों की आजीविका के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

कृषि मंत्री ने अपने बयान में कहा, जयपुर के वीकेआई क्षेत्र में किए गए औचक निरीक्षण के दौरान नकली पोटाश, अवैध बायो-स्टिमुलेंट तथा बिना वैधानिक अनुमति संचालित कृषि उत्पाद निर्माण इकाइयां पाई गई हैं।

5 गुना पैसा करने का झांसा देकर थमाए ‘चिल्ड्रन बैंक’ के नोट, नकली नोटों की 14 गड्डियां जब्त, आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 21 जून (एजेंसियां)। यदि कोई शख्स आपको 'एक के बदले पांच' यानी कम पैसों के बदले पांच गुना ज्यादा रकम देने का लालच दे, तो तुरंत सावधान हो जाएं। वह आपको अमीर बनाने नहीं, बल्कि कंगाल करने आया है। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) और मुरलीपुरा थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बच्चों के खेलने वाले नकली नोटों से ठगी करने वाले एक शातिर इनामी बदमाश पीयूष चौधरी (21) निवासी झुंझुनूं को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पत्रकार कॉलोनी थाने के एक मामले में 15 हजार रुपए का इनाम घोषित था। सीएसटी की टीम को इनपुट मिला था कि आरोपी बिना नंबर की सफेद कार से ठगी करने आ रहा है। सीकर रोड स्थित ढेहर का बालाजी के पास पुलिस ने जब उसे रोकने का प्रयास किया, तो पीयूष ने कार को बैंक कर गली में भगाने की कोशिश की। इस आपाधापी में उसकी कार डिवाइडर से टकरा गई और टायर फट गया। पुलिस ने तुरंत 'ई-साक्ष्य' एप के जरिए मौके की लाइव वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी कर आरोपी को दबोच लिया। आरोपी के पास से पुलिस को भूरे रंग के लेदर बैग में 500-500 रुपए की 14 गड्डियां (कुल 1400 नोट) मिलीं।

जिस पिस्टल से हुई थी सिद्धू मूसेवाला की हत्या, उसका सप्लायर गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, 21 जून (एजेंसियां)। चार साल पहले पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की जिगना और ग्लॉक पिस्टल से गोली मारकर हत्या की गई थी, उसका सप्लायर और गैंगस्टर को शकील अंसारी उर्फ आदिल को श्रीगंगानगर पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा गैंग के लिए हथियार सप्लाई करने का आरोप है। पुलिस का दावा है कि वह कई संगीन मामलों में वांछित था और विभिन्न राज्यों की कानून प्रवर्तन एजेंसियां उसकी तलाश कर रही थीं। पुलिस के अनुसार, शकील अंसारी पंजाब के लुधियाना का रहने वाला है। उसे गुरुवार तड़के श्रीगंगानगर में उस समय

घेरा गया, जब वह किसी संभावित आपराधिक वारदात की योजना के तहत क्षेत्र में पहुंचा था। पुलिस टीम ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने कथित तौर पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके दाहिने पैर में लगी, जिसके बाद उसे काबू कर लिया गया। घायल आरोपी को तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका ऑपरेशन किया गया। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत फिलहाल स्थिर है। पुलिस सुरक्षा के बीच उसका उपचार जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में शकील अंसारी का नाम कई आपराधिक मामलों में सामने आया है।

पेपर बेचने का दावा! वीडियो कॉल पर दिखाया कथित प्रश्न पत्र, 30000 रुपये भी मांगे

अजमेर, 21 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा से ठीक पहले अजमेर में पेपर बेचने के नाम पर छात्रों को झांसे में लेने का मामला सामने आया है। डीएवी कॉलेज के छात्रसंघ अध्यक्ष एवं एबीवीपी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कृष्ण सिंह ठाकुर ने इस संबंध में पुलिस प्रशासन को मौखिक शिकायत दी है। डीएवी कॉलेज की एक छात्रा के मोबाइल पर अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने दावा किया कि उसके पास नीट परीक्षा का प्रश्न पत्र उपलब्ध है और वह परीक्षा से पहले इसे उपलब्ध करा सकता है। छात्रा ने जब इसकी पुष्टि के लिए प्रमाण मांगा तो आरोपी ने वीडियो कॉल के माध्यम से कथित प्रश्न पत्र दिखाया। मामले की जानकारी मिलने के बाद कृष्ण सिंह ठाकुर ने स्वयं संबंधित नंबर पर संपर्क किया। आरोप है कि कॉल करने वाले व्यक्ति ने कथित रूप से पूरा प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने के बदले 30 हजार रुपये की मांग की। रकम लेने के लिए उसने क्यूआर कोड भी भेजा। आरोपी केवल वीडियो कॉल के जरिए बातचीत कर रहा था और अपनी पहचान छिपाने की कोशिश कर रहा था।

करण कुमावत पर हमले के दो आरोपी गिरफ्तार

सीकर, 21 जून (एजेंसियां)। सीकर स्थित खाटूश्यामजी में 26 मई की रात हुए चर्चित जानलेवा हमले के मामले में सीकर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। करीब तीन सप्ताह से फरार चल रहे दो मुख्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों पर पुलिस अधीक्षक की ओर से 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों को घटनास्थल पर ले जाकर मौका तस्दीक करवाई, जहां उन्होंने अपने किए पर पछतावा जताते हुए सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी। खाटूश्यामजी निवासी करण कुमावत पर

26 मई की रात हमला किया गया था। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल बन गया था और आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर विरोध-प्रदर्शन भी हुए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष अभियान शुरू किया और आरोपियों की तलाश में कई टीमों को लगाया गया। थानाधिकारी पवन कुमार चौबे के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस, जिला विशेष टीम और साइबर सेल ने राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार दबिश दी। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिरों से मिली सूचनाओं के आधार पर आरोपियों की गतिविधियों पर नजर रखी गई।

भविष्य के ओलंपियन तैयार करेगी तेलंगाना की नई स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी : भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा है कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें विश्वस्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। इसी लक्ष्य के तहत तेलंगाना में जल्द ही अंतरराष्ट्रीय मानकों वाली अत्याधुनिक खेल विश्वविद्यालय (स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी) की स्थापना की जाएगी, जो भविष्य में राज्य के खिलाड़ियों को ओलंपिक पदक जीतने के लिए तैयार करेगी। रविवार को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियममें आयोजित 'टीजी-20 क्रिकेट लीग' के भव्य उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह टूर्नामेंट राज्य में खेलों के विकास और खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव साबित होगा। उन्होंने कहा कि पहले क्रिकेट मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों तक सीमित था, लेकिन राज्य सरकार ने पहली बार सभी जिलों से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर जिला स्तरीय टीमों का गठन किया है। इससे ग्रामीण युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा मंच मिला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार खेलों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और खिलाड़ियों को हरसंभव प्रोत्साहन प्रदान कर रही है। भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि हैदराबाद में शीघ्र ही विश्वस्तरीय खेल विश्वविद्यालय स्थापित किया जाएगा, जिसमें आधुनिक सुविधाएं और उत्कृष्ट खेल अवसंरचना उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने में सक्षम है और राज्य सरकार ओलंपिक स्तर का प्रशिक्षण देने के लिए मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रही है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि 21 दिनों तक चलने वाला 'टीजी-20 क्रिकेट' टूर्नामेंट राज्यभर के खेल प्रेमियों के लिए उत्सव जैसा माहौल तैयार करेगा। उपमुख्यमंत्री ने टूर्नामेंट की सफलता के लिए सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर खेल जगत से जुड़े कई गणमान्य व्यक्ति, खिलाड़ी और खेल प्रेमी उपस्थित थे।

लोक अदालत अभियान में 7,161 यातायात मामलों का निपटारा

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने 8 से 20 जून तक चलाए गए विशेष लोक अदालत अभियान के तहत 7,161 लंबित यातायात मामलों का निपटारा किया। इस अभियान का उद्देश्य लंबे समय से लंबित मामलों, विशेषकर शराब पीकर वाहन चलाने और मोटर वाहन अधिनियम के तहत अन्य उल्लंघनों से जुड़े मामलों का निस्तारण करना था।

पुलिस के अनुसार, निपटाए गए मामलों में सबसे अधिक 3,804 मामले शराब पीकर वाहन चलाने से संबंधित थे। इसके अलावा ड्राइविंग लाइसेंस उल्लंघन के 1,245 मामले, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के 1,042 मामले तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के उपयोग से जुड़े 381 मामलों का भी निपटारा किया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के यातायात नियमों के उल्लंघन से जुड़े 689 अन्य मामलों का भी लोक अदालत के माध्यम से समाधान किया गया। हैदराबाद के संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) डी. जोएल डेविस ने कहा कि सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने, दुर्घटनाओं को रोकने और शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए आम जनता का सहयोग बेहद जरूरी है।

आंध्र प्रदेश से योगमय राष्ट्र व योगमय विश्व का आह्वान

करो योग, रहो निरोग , यही योग का मंत्र है

विजयवाड़ा, 21 जून (एजेंसियां)। स्वामी रामदेव के अखण्ड पुरुषार्थ व अथक प्रयासों से योग 21 जून को लगभग 200 देश एक साथ योगाभ्यास कर रहे हैं। इस वर्ष 12वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर परम पूज्य स्वामी जी महाराज ने कृष्णा नदी क्षेत्र, अमरावती (विजयवाड़ा), आंध्र प्रदेश से योगमय राष्ट्र व योगमय विश्व का आह्वान किया। यह कार्यक्रम पतंजलि योगपीठ तथा आंध्र प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया जिसमें आचार्य बालकृष्ण का भी सान्निध्य रहा। इस वर्ष योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग रही।

सरकारी प्रोटोकॉल के अनुसार स्वामी रामदेव महाराज, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू एवं आचार्य बालकृष्ण महाराज ने हजारों साधकों को योग का अभ्यास कराया। प्रारंभ में प्रार्थना, ग्रीवा, कंधा, कमर और घुटनों से सम्बंधित चालन क्रियाओं का अभ्यास कराया गया, तत्पश्चात खड़े होकर करने वाले आसनों में ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्ध चक्रासन और त्रिकोणासन, बैठकर करने वाले आसनों में भद्रासन, वज्रासन, अर्ध उष्ट्रासन, शशकासन और उत्तान मंडूकासन, पेट के बल लेटकर करने वाले आसनों में मकरासन, भुजंगासन और शलभासन, पीठ के बल करने वाले आसनों में सेतुबंधासन, उत्तानपादासन, अर्ध हलासन और पवनमुक्तासन का अभ्यास कराया। अंत में प्राणायाम और ध्यान के लिए अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, और ध्यान व संकल्प का अभ्यास कराया गया।

इससे पूर्व स्वामी जी महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के दिशानिर्देशन व नेतृत्व में योग का यह अनुष्ठान सहजतापूर्वक सम्पन्न हुआ है। श्री नायडू एक विजनरी मुख्यमंत्री हैं। उनमें दृढ़ता, सेवाभाव, समर्पण की भावना व अप्रतिम सृजनात्मक क्षमता विद्यमान है। वे केवल एक राज्य के मुख्यमंत्री ही नहीं अपितु इस सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि उनका मिशन योग को राज्य के हर घर तक पहुंचाना है ताकि इसे एक जन आंदोलन बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि स्वामी रामदेव ने योग को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय बनाया है। वे केवल भारत ही नहीं, अपितु पूरी दुनिया के योगगुरु हैं।

कार्यक्रम में आचार्य बालकृष्ण महाराज ने कहा कि विजयवाड़ा पुण्यक्षेत्र है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की प्रातःकाल की बेला में परम पूज्य स्वामी महाराज तथा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू योग का संदेश दे रहे हैं, योग के प्रचार-प्रसार के लिए इससे बड़ी कोई बात नहीं है।

कार्यक्रम में श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी द्वारा रचित पुस्तक योगधियोगनिघण्टुः का विमोचन भी किया गया। आचार्य जी ने पुस्तक के विषय में बताया कि इसमें 3753 योगासनों, 55 प्रकार के प्राणायाम, 721 बंध मुद्रा, 120 ध्यान विधि, 150 शोधन क्रिया तथा 400 यौगिक व्यायाम का उल्लेख किया गया है। पहली बार कुल मिलाकर 5199 योग क्रियाओं के नामों को डाक्यूमेंटेशन किया गया है। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक संस्कृत और अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध है। यह योग की समग्र विरासत का संकलन है।

पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम् व पतंजलि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने योग स्तूप (मलखम्भ योग), रज्जु योग के साथ-साथ सामान्य योग प्रक्रियाओं व एडवांस योग का श्रेष्ठतम प्रदर्शन किया। उन्होंने कठिन आसनों को सरलता से करते हुए योग के क्षेत्र में पतंजलि के योगदान को परिभाषित किया।

योगा फोर यूथ, योगा फोर स्टूडेंट एण्ड योगा फोर चिल्ड्रन का मंत्र दिया। स्वामी जी ने कहा कि विद्यार्थियों के सामने आज कई प्रकार के संकट, परेशानियाँ व चुनौतियाँ हैं। उन्होंने कहा कि अपने बच्चों को कम से कम एडवांस योग की 5 प्रक्रियाओं को अवश्य कराएँ।

रेवंत रेड्डी सरकार ठीक शासन नहीं चला रही है : प्रियंका कक्कड़

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं तेलंगाना प्रभारी प्रियंका कक्कड़ ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि राज्य सरकार तानाशाही तरीके से काम कर रही है और किसानों को उनकी आजीविका से वंचित कर रही है।

शनिवार को बशीरबाग प्रेस क्लब में 'फ्यूचर सिटी' परियोजना से प्रभावित किसानों के साथ आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी राज्य में गलत चला रहे हैं। उन्होंने विकास के नाम पर किसानों की जमीनों के जबरन अधिग्रहण की कड़ी निंदा करते हुए इसे किसानों के साथ बड़ा अन्याय बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार रंगारेड्डी जिले में प्रकृति और पर्यावरण को बेरहमी से नष्ट कर रही है। उनका कहना था कि पर्यावरण को पहुंचाए जा रहे नुकसान का परिणाम सरकार को भविष्य में भुगतना पड़ेगा। प्रियंका कक्कड़ ने मुख्यमंत्री पर तानाशाही प्रवृत्ति अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य का शासन लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं चल रहा है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी प्रभावित किसानों के साथ खड़ी है और उनकी जमीनों की रक्षा तथा न्याय दिलाने के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों के अधिकारों की सुरक्षा और उनके हितों की रक्षा के लिए पार्टी अपना आंदोलन जारी रखेगी। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के कई राज्य एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर इंटेलिजेंस सिक्योरिटी विंग ने किया योगाभ्यास

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर यूसुफगुड़ा स्थित पीईटी परेड ग्राउंड में इंटेलिजेंस सिक्योरिटी विंग (आईएसडब्ल्यू) के तत्वावधान में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डिप्लॉयमेंट एसपी सैयद बाशा की निगरानी में आयोजित कार्यक्रम में सुरक्षा शाखा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर योगाभ्यास किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीएमएसजी जी. चक्रवर्ती ने कहा कि कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने वाले सुरक्षा कर्मियों के लिए योग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान उत्पन्न होने वाले तनाव को दूर करने तथा मानसिक संतुलन बनाए रखने में योग प्रभावी भूमिका निभाता है। नियमित योग और ध्यान से आत्मविश्वास बढ़ता है तथा कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वासुदेव रेड्डी ने सामान्य योग प्रोटोकॉल के तहत विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान अभ्यास कराए। उन्होंने कहा कि योग से शारीरिक सुदृढ़ता, एकाग्रता, धैर्य और सतर्कता में वृद्धि होती है। प्राणायाम मन को शांत रखने के साथ-साथ आपात परिस्थितियों में त्वरित निर्णय लेने में भी सहायक सिद्ध होता है। डिप्लॉयमेंट एसपी सैयद बाशा ने कहा कि योग को केवल एक दिन तक सीमित न रखकर दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इससे स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ-साथ कार्यकुशलता में भी वृद्धि होती है।कार्यक्रम के अंत में आरआई एडमिन श्रीधर रेड्डी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने मुख्य अतिथि जी. चक्रवर्ती, एसपी सैयद बाशा, अतिरिक्त एसपी वासुदेव रेड्डी तथा कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

एमएमटीएस स्टेशनों के प्लेटफार्मों पर मॉर्निंग वॉक पर रोक

उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने कई एमएमटीएस स्टेशनों के प्लेटफार्मों पर सुबह की सैर और शारीरिक व्यायाम करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस फैसले से रोजाना प्लेटफार्मों का उपयोग करने वाले सैकड़ों फिटनेस प्रेमियों की दिनचर्या प्रभावित हुई है। मलकाजगिरि, सफिलगुडा, रामकृष्ण पुरम गेट, कैवलरी बैरक, दयानंद नगर और सीताफलमंडी स्टेशनों पर यह प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। रेलवे अधिकारियों ने स्टेशन प्रबंधन को निर्देश दिया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ जुर्माना लगाया जाए या मामला दर्ज किया जाए। अब तक बड़ी संख्या में लोग सुबह पांच बजे से सात बजे के बीच खाली प्लेटफार्मों का इस्तेमाल मॉर्निंग वॉक के लिए करते थे। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) ने सोशल मीडिया के माध्यम से स्थानीय निवासियों को इस संबंध में जानकारी दी है। यूनाइटेड फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए के सदस्य के. राघवेंद्र ने बताया कि लोगों को रेलवे के निर्णय और संभावित कार्रवाई के बारे में सतर्क कर दिया गया है।

दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार, बड़ी संख्या में अनधिकृत लोग प्लेटफार्मों का उपयोग पैदल चलने के लिए कर रहे थे, जिससे व्यस्त समय में भीड़ बढ़ती थी और यात्रियों की सुरक्षा पर असर पड़ता था। अधिकारियों ने यह भी पाया कि मॉर्निंग वॉक करने वाले लोग यात्रियों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न करते हैं और यात्रियों के लिए आरक्षित बेंचों का उपयोग करते हैं। रेलवे प्रशासन ने स्टेशनों पर हिंदी, तेलुगु और अंग्रेजी में नोटिस बोर्ड लगाने का भी निर्णय लिया है। इन बोर्डों पर चेतावनी दी जाएगी कि अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा प्लेटफार्म पर चलना प्रतिबंधित है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 147 (अतिक्रमण) और धारा 146 (वैध निर्देशों का पालन न करने) के तहत कार्रवाई की जा सकती है। आरडब्ल्यूए ने सुबह की सैर करने वालों से वैकल्पिक व्यवस्था अपनाने की अपील की है, क्योंकि यह प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

मंचेरियल में धूमधाम से मनाया गया 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

मंचेरियल, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल जिले में रविवार को 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और योग के महत्व पर प्रकाश डाला। मंचेरियल कस्बे में मैत्री योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र (एमवाईएनसीसी) परिसर में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद श्रावंती मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। चैंबर ऑफ कॉमर्स की मंचेरियल इकाई के अध्यक्ष गुंडा सुधाकर भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। श्रावंती ने कहा कि योग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी है और लोगों को नियमित रूप से इसका अभ्यास करना चाहिए।

गुंडा सुधाकर ने कहा कि नियमित और सही ढंग से योग करने से अनेक बीमारियों से बचाव संभव है। उन्होंने कहा कि ऋषि पतंजलि द्वारा विकसित योग मानवता के लिए एक अमूल्य उपहार है और आज दुनिया के कई देश इसे अपना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि योग शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने का माध्यम है। उन्होंने स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए कार्य कर रहे एमवाईएनसीसी के संस्थापक डॉ. सुकुमार और डॉ. पी. समीरा की सराहना की। कार्यक्रम में योग साधकों ने कठिन आसनों का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। 12 वर्षीय नमानी वेंकट अद्विका, रेड्डी कॉलोनी की महिलाओं के समूह तथा योग प्रशिक्षकों की टीम द्वारा प्रस्तुत योग मुद्राएं कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहीं। इस अवसर पर प्रसिद्ध अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. त्रिनाथ राव, एनेस्थेसियोलॉजिस्ट डॉ. बीएसएन मूर्ति तथा बड़ी संख्या में फिटनेस प्रेमी उपस्थित रहे। इसी प्रकार बेल्लमपल्ली, मंदामारी, लक्सेट्टीपेट, क्याथनपल्ली और चेन्नूर समेत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आध्यात्मिक संगठनों द्वारा योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए गए। नासपुर स्थित एकीकृत जिला कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने भी भाग लिया।

पूर्व विधायक ने विरोध प्रदर्शन किया

मदनूर 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कामारेड्डी जिले के जुक्कल निर्वाचन क्षेत्र बिचकुंडा नगरपालिका केंद्र में जनता व राहगीरो को सड़क से गुजरते समय भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जुक्कल के पूर्व विधायक हनुमंत शिंदे ने रविवार सुबह मुख्य सड़क पर कांग्रेस सरकार के विरोध में अनोखा प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि बीआरएस की पूर्व सरकार बिचकुंडा नगरपालिका में ढाई साल पहिले सेंटिंग लाइटिंग व सड़क निमार्ण कार्य का शुभ आरंभ किया था लेकिन कांग्रेस सरकार आने के बाद स्वीकृत किया गया सेंटिंग लाइटिंग व सड़क निमार्ण व विकास कार्यों को आज तक पूरा नहीं कराया।

शनिवार के श्याम में बिचकुंडा में जोर दार बारिश होने के कारण मुख्य सड़क के गड्ढों में बारिश के पानी से भर जाने के बाद जनता व राहगीरो समस्याओं का सामना करना पडा। जिसे देखकर पूर्व विधायक हनमंत शिंदे ने पानी से भरे गड्ढे में बैठे कर विरोध प्रर्दशन करते हुये सेंट्रिंग लाईट व सड़क निमार्ण कार्य जल्द निर्माण करने के नारे लगाए।

योग भारत की एक अनुपम धरोहर : डॉ. एसवीएस नारायण मूर्ति

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) ने 12वाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन करके कर्मचारियों में शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य और समग्र कल्याण को बढ़ावा दिया गया। इसे प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर, चिकित्सक, अंतरराष्ट्रीय योग साधिका और पूर्व मिस अर्थ इंडिया डॉ. तेजस्विनी मोनोग्ना द्वारा संचालित किया गया।

अंतरराष्ट्रीय प्रमाणित योग प्रशिक्षिका श्रीमती ऋतिका गुप्ता और सहप्रशिक्षक राजीव कुमार ने कर्मचारियों को योगासन, प्राणायाम, ध्यान और विश्राम अभ्यास कराए। इस अवसर पर निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) पी. बाबू ने कहा कि व्यक्तिगत स्वास्थ्य ही संगठनात्मक सफलता, पारिवारिक कल्याण और राष्ट्रीय विकास की नींव है।

अर्धनारीश्वरम राष्ट्रीय नृत्य महोत्सव आज से

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना संगीत नाटक अकादमी राज्य सरकार के लोक प्रशासन के 100 दिनों के समारोह के हिस्से के रूप में 22 से 24 जून तक रवींद्र भारती में तीन दिवसीय राष्ट्रीय नृत्य महोत्सव, ₹अर्धनारीश्वरम₹ का आयोजन करेगी। रविवार को यहां जारी एक बयान के अनुसार, तेलंगाना संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष डॉ. अलेख्या पुंजला ने कहा कि अर्धनारीश्वरम की थीम पर आधारित इस महोत्सव में भारत भर के प्रख्यात वरिष्ठ और युवा कलाकार एक साथ आएंगे। प्रस्तुतियां प्रतिदिन शाम 5 बजे से शुरू होंगी। इस महोत्सव का उद्घाटन 22 जून को तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क और पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव करेंगे। इस कार्यक्रम में हाल ही में घोषित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कारों के तेलंगाना के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार पाने वालों में वोलेती रंगमणि (नृत्य कला में योगदान), राजेश्वरी साईनाथ (भरतनाट्यम), दुरिशेट्टी रामैया (लोक नृत्य - कड्डी) और डी. श्रीनिवास (संगीत - वीणा) शामिल हैं।

सम्मानित किए जाने वाले उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में सात्विका पेन्ना, पेरी त्यागराजू और अजय श्रीनिवास चक्रवर्ती शामिल हैं। उत्सव के मुख्य आकर्षण के लिए, 22 जून को - कुचिपुड़ी जोड़ी सुरेंद्र नाथ और बिजिना द्वारा प्रदर्शन, उसके बाद वसीम राजा द्वारा ₹समर्पणम₹ और अयाना मनोजना बलाराजू और मंडली द्वारा अधर्व; 23 जून - प्रस्तुतियों में पवित्रा भट्ट और अपर्णा शास्त्री द्वारा एकम देवयम, वसंत किरण द्वारा सभापति, और वैष्णवी साईनाथ द्वारा भरतनाट्यम गायन ₹नृत्य कदंबम₹ शामिल हैं। तेलंगाना जेल महानिदेशक सौम्या मिश्रा और पद्म श्री पुरस्कार विजेता आनंद शंकर जयंत सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लेंगे; 24 जून - समापन दिवस पर बेंगलुरु के कलाकार निधागा करुणाल और रचना कार्णिक की प्रस्तुति होगी, इसके बाद सूर्या एन. राव और मंडली की ओर से रावण , और यामिनी रेड्डी की कुचिपुड़ी प्रस्तुति ₹इशाना₹ होगी। पद्मश्री पुरस्कार विजेता दीपिका रेड्डी और अनुराधा जोनालगड्डा समापन सत्र में भाग लेंगी।

पुलिसकर्मियों ने तुरंत सीपीआर देकर शिशु की जान बचाई

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सतर्कता और मानवीय सेवा का एक उल्लेखनीय उदाहरण पेश करते हुए, राजेंद्रनगर के डीसीपी एस. श्रीनिवास और उनके साथ आए दल ने शमशाबाद-आरामघर मार्ग पर एक गंभीर सड़क दुर्घटना के बाद सांस लेना बंद कर चुके एक वर्षीय शिशु की जान बचाई। यह हादसा 18 जून को हुआ जब बेंगलुरु से हैदराबाद जा रही एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। नियमित रात्रि गश्त के दौरान, डीसीपी और उनकी टीम ने क्षतिग्रस्त वाहन को देखा और उसमें सवार लोगों की सहायता के लिए तुरंत पहुंचे। शिशु को बेहोश और सांस न लेते हुए देखकर पुलिसकर्मियों ने तुरंत सीपीआर दिया। उनके समय पर हस्तक्षेप से बच्चे की जान बच गई और उसे होश आ गया। इसके बाद परिवार के साथ उसे आगे के इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। आभारी माता-पिता ने पुलिस टीम को जीवनरक्षक बताया और संकट की घड़ी में अपने बच्चे को बचाने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। बाद में डीसीपी ने सीएआर मुख्यालय के कर्मियों सी.एच. महेश, प्रदीप, एम. वेंकटेश और पवन की असाधारण सूझबूझ, व्यावसायिकता और एक अनमोल जीवन बचाने में उनके समर्पण की सराहना की।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर चारमीनार पर योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया और योग के ज़रिए सेहत, तंदुरुस्ती और सद्भाव का संदेश दिया। इसमें जामबाग के पूर्व पार्षद राकेश जायसवाल, नूने बलराज गारू, बीजेपी सेंट्रल कोऑर्डिनेटर (तेलंगाना) टी. उमा महेंद्र , हैदराबाद बीजेपी गोलकोंडा ज़िला अध्यक्ष श्री श्रीधर, गोलकोंडा ज़िला प्रभारी संजय रतन, योग मास्टर बीजेपी गोलकोंडा ज़िला कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

दोपहिया वाहन की टक्कर से महिला की मौत

सिद्दिपेट, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गौराराम थाना क्षेत्र में रविवार सुबह राजीव राहधारी पर सड़क पार कर रही एक महिला की दोपहिया वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान पुदराई मंजुला (38) के रूप में हुई है। बताया गया कि मंजुला सड़क पार कर रही थीं, तभी तेज गति और लापरवाही से चलाए जा रहे एक दोपहिया वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में उनके सिर में गंभीर चोटें आईं और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गजवेल सरकारी अस्पताल भेज दिया है। मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

तमिलनाडु में

युवा महिलाएं हैं अधिकांश प्रभावित कर्मचारी :

इस बीच, शुरूआती दौर में कुछ लोगों की मौत की अफवाहें भी सामने आई थीं, लेकिन एक निजी अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक ने इन खबरों का खंडन किया। उन्होंने बताया कि अस्पताल में भर्ती सभी मरीज जीवित हैं और किसी की मौत नहीं हुई है। डॉक्टर के अनुसार, अस्पताल में कुल 44 मरीज भर्ती किए गए, जिनमें 43 महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। इनमें से 15 से 16 मरीजों को इंट्यूबेट किया गया है, जबकि 11 मरीज वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। उन्होंने बताया कि अधिकांश प्रभावित कर्मचारी 24 से 25 वर्ष आयु वर्ग की युवा महिलाएं हैं।

कई मरीजों का रक्तचाप सामान्य से काफी कम :

चिकित्सक ने कहा कि कई मरीजों का रक्तचाप सामान्य से काफी कम है, लेकिन उनकी उम्र कम होने के कारण उनके जल्द स्वस्थ होने की उम्मीद है। गंभीर हालत वाले कुछ और मरीजों को बेहतर इलाज के लिए सरकारी अस्पतालों में स्थानांतरित करने की तैयारी भी की जा रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद जिला कलेक्टर एस. कविता ने फैक्ट्री और अस्पतालों का दौरा किया तथा प्रभावित कर्मचारियों की स्थिति का जायजा लिया।

फैक्टरी के वाल्व में खराबी के कारण गैस रिसाव की आशंका :

शुरूआती जानकारी के अनुसार, फैक्टरी में किसी वाल्व की खराबी के कारण अमोनिया गैस का रिसाव हुआ हो सकता है। जांच में सुरक्षा मानकों के पालन और संभावित लापरवाही के पहलुओं की भी पड़ताल की जाएगी। प्रशासन ने कहा है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और सभी प्रभावित श्रमिकों को आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

वैभव सूर्यवंशी ने वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा :11 बॉल में अर्धशतक, 50 ओवर क्रिकेट में फास्टेस्ट फिफ्टी

फाइनल में श्रीलंका-A को 66 रन से हराया

दांबुला, 21 जून (एजेंसियां)। इंडिया-ए ने श्रीलंका-ए को 66 रन से हराकर ट्राई सीरीज अपने नाम कर ली। दांबुला में भारत-ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट पर 377 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका-ए 47.1 ओवर में 311 रन पर सिमट गई।

भारत की जीत के हीरो 15 साल के वैभव सूर्यवंशी रहे। उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर 94 रन की पारी खेली। 11 छक्के और 6 चौके भी लगाए। वैभव ने महज 11 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 50 ओवर क्रिकेट की सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। कप्तान तिलक वर्मा ने 67, प्रियांश आर्या ने 39 और

अनुकूल रॉय ने 15 गेंदों पर 39 रन का योगदान दिया।

वैभव से पहले 50 ओवर की क्रिकेट में फास्टेस्ट हाफ सेंचुरी श्रीलंका के कौशल्य वीरात्ने ने बनाई थी। उन्होंने 2006 में रागामा क्रिकेट कल्ब की ओर से खेलते हुए 12 बॉल पर फिफ्टी पूरी की थी। सीनियर लेवल पर 50 ओवर की क्रिकेट में दो तरह के मैच होते हैं। लिस्ट-ए और वनडे इंटरनेशनल। हर वनडे इंटरनेशनल अपने आप में एक लिस्ट-ए मैच भी होता है।

वनडे इंटरनेशनल में सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड एबी डिविलियर्स और मैथ्यू फोर्ड के नाम है। दोनों बल्लेबाजों ने 16-16 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया था। साउथ अफ्रीका के एबी डिविलियर्स ने 18 जनवरी 2015 को जोहानसबर्ग में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह कारनामा किया था। इसके बाद उन्होंने 44 गेंदों में 149 रन बनाए थे। वहीं, 23 मई 2025 को डबलिन में वेस्टइंडीज के मैथ्यू फोर्ड ने आयरलैंड के खिलाफ फिफ्टी लगाकर डिविलियर्स के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया है। भारतीय टीम इस सीरीज में शुभमन गिल की कप्तानी में खेलने उतरेगी। विराट कोहली को भी इस सीरीज के लिए टीम में मौका मिला है, लेकिन उनका इसमें खेलना फिटनेस पर निर्भर करता है। वहीं, अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में शतक लगाने वाले यशस्वी जायसवाल को मौका नहीं मिला है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम

- शुभमन गिल (कप्तान)
- रोहित शर्मा
- विराट कोहली*
- श्रेयस अय्यर (उपकप्तान)
- केएल राहुल (विकेटकीपर)
- ईशान किशन (विकेटकीपर)
- वाशिंगटन सुंदर
- अक्षर पटेल
- नीतीश रेड्डी
- कुलदीप यादव
- जसप्रीत बुमराह
- प्रसिद्ध कृष्णा
- हर्षित राणा
- अर्शदीप सिंह
- गुरनूर बरार

बीसीसीआई की पुरुष चयन समिति ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम का एलान तो कर दिया है, लेकिन इसमें स्पष्ट कहा है कि विराट कोहली का इस सीरीज में खेलना फिटनेस टेस्ट पर निर्भर करता है। कोहली की फिटनेस जांच बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 22 जून को होगी। विराट कोहली ने आईपीएल 2026 के फाइनल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ नाबाद 75 रन की पारी खेलते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को जीत दिलाई थी। इसी मैच के दौरान विराट को हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई थी। चोट के कारण विराट को अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर रहना पड़ा। विराट फिलहाल लंदन में रिहैब कर रहे हैं।

इंग्लैंड दौरे के लिए सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को वनडे टीम में नहीं चुना गया है। यशस्वी ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में शतक लगाया था, इसके बावजूद वह टीम में जगह बरकरार नहीं रख सके। दरअसल, शुरुआत में यशस्वी को अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भी नहीं चुना गया था। कोहली के चोट के कारण बाहर होने के बाद यशस्वी को मौका मिला था। वहीं, टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है जिससे प्रिंस यादव को बाहर बैठना पड़ा है। तेज गेंदबाजों में बुमराह के अलावा गुरनूर, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा और अर्शदीप सिंह टीम में शामिल है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली*, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, नीतीश रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार।

एएफआई ने किया दिग्गजों का सम्मान

पीटी उषा सहित चार को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की ओर से आयोजित पहले इंडियन एथलेटिक्स अवॉर्ड्स समारोह में भारतीय खेल जगत की चार दिग्गज हस्तियों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वालों में महान धाविका और भारतीय ओलंपिक संघ (आओए) की अध्यक्ष पीटी उषा, पूर्व एशियाई खेल स्वर्ण पदक विजेता गुरबचन सिंह रंधावा, पूर्व राष्ट्रीय मुख्य कोच बहादुर सिंह चौहान और विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता अंजू बॉबी जॉर्ज शामिल हैं। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद पीटी उषा ने कहा कि उन्हें इस सम्मान की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा, 'मैंने इस पुरस्कार के लिए आवेदन नहीं किया था। भारत में अक्सर

बिना आवेदन किए पुरस्कार मिलना मुश्किल होता है। एएफआई की यह पहल बेहद सराहनीय है।'

एएफआई ने भारतीय एथलेटिक्स के विकास में योगदान देने वाले खिलाड़ियों, कोचों, तकनीकी अधिकारियों, मेंटर्स, राज्य संघों और अन्य हितधारकों को सम्मानित करने के उद्देश्य से इस पुरस्कार समारोह की शुरुआत की है। पहले संस्करण में कुल 10 श्रेणियों में पुरस्कार दिए गए, जिनमें सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी, सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी, सर्वश्रेष्ठ कोच, सर्वश्रेष्ठ तकनीकी अधिकारी, सर्वश्रेष्ठ राज्य संघ और लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रमुख रहे।

पीटी उषा को भारत की महानतम एथलीटों में गिना जाता है। उन्होंने एशियाई खेलों में कई पदक जीते और तीन ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। वर्तमान में वह भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष हैं। अंजू बॉबी जॉर्ज ने 2003 में पेरिस में आयोजित विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था। वहीं गुरबचन सिंह रंधावा भारतीय ट्रैक एंड फील्ड के अग्रणी खिलाड़ियों में रहे हैं। उन्होंने 1962 एशियाई खेलों में डेकाथलॉन का स्वर्ण पदक जीता था। बहादुर सिंह चौहान ने राष्ट्रीय मुख्य कोच के रूप में लंबे समय तक भारतीय एथलेटिक्स को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कई पीढ़ियों के खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया।

भारतीय एथलेटिक्स के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के पहले इंडियन एथलेटिक्स अवॉर्ड्स 2025 में 'बेस्ट मेल एथलीट ऑफ द ईयर' सम्मान से नवाजा गया। समारोह नई दिल्ली में आयोजित किया गया। टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता नीरज ने पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा कि यह सम्मान उनके दिल के बेहद करीब है, क्योंकि उन्हें यह पुरस्कार एथलेटिक्स की पुरानी और नई पीढ़ी के खिलाड़ियों की मौजूदगी में मिला है।

नीरज हुई दोहा डायमंड लीग प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रहे थे। उन्होंने 85.69 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया और आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए एएफआई द्वारा निर्धारित क्वालिफिकेशन मार्क भी पार कर लिया।वहीं, महिला वर्ग में पारुल चौधरी को 'बेस्ट फीमेल एथलीट ऑफ द ईयर' चुना गया।

डबल्स स्क्वैश चैंपियनशिप

अभय और सेंथिलकुमार ने फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। तीसरी एशियन डबल्स स्क्वैश चैंपियनशिप में भारत का खिताब बचाने का अभियान मजबूती से आगे बढ़ रहा है। शीर्ष वरीयता प्राप्त अभय सिंह और वेलावन सेंथिलकुमार ने फाइनल में जगह बना ली है। रविवार को पुरुष युगल वर्ग में गत चैंपियंस का सामना पाकिस्तान की दूसरी वरीयता जोड़ी नासिर इकबाल और नूर जमान से होगा। अभय और वेलावन ने दिन की शुरुआत जापान के नाओकी हयाशी और रेन माकिनो को एक कड़े क्वार्टर-फाइनल मुकाबले में 11-3, 10-12, 11-5 से हराकर की। इसके बाद उन्होंने सेमीफाइनल में मलयेशिया के संजय जीवा और डंकन ली को 11-7, 11-9 से मात दी। भारतीय जोड़ी ने फाइनल तक अपना एक भी मैच नहीं गंवाया है। भारतीय जोड़ी ने पूल-ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने दक्षिण कोरिया के ओह सियोजिन और मिनवू ली को हराया और फिर हांगकांग के शिंग फंग लैम और यैट लॉन्ग चुंग के खिलाफ सीधे गेम में शानदार जीत दर्ज की थी। हालांकि, भारतीय महिला और मिश्रित युगल इवेंट में निराशा हाथ लगी, क्योंकि दोनों में पदक की उम्मीदें सेमीफाइनल में ही खत्म हो गईं।

दूसरी वरीयता प्राप्त जोशना चिनप्पा और राधिका सीलन को मलयेशिया की शीर्ष वरीय आइना अमानी और यी जिन यिंग के हाथों 9-11, 7-11 से हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। टूर्नामेंट में इससे पहले, भारतीय जोड़ी ने पूल-बी में दबदबा बनाते हुए अपने सभी चार लीग मैच जीते थे। इसमें सिंगापुर की वाई लिन औ योंग और नैशा सिंह के खिलाफ सीधे गेम में मिली जीत भी शामिल थी, जिससे वे स्टैंडिंग में शीर्ष पर रहीं। मिश्रित युगल में भी जोशना का अभियान सेमीफाइनल में ही खत्म हो गया। जोशना ने वेलावन सेंथिलकुमार के साथ जोड़ी बनाकर मलयेशिया की आइना अमानी और मोहम्मद कमाल को कड़ी टक्कर दी, लेकिन सेमीफाइनल में 8-11, 11-8, 8-11 से हार का सामना करना पड़ा। इस नतीजे से भारतीय जोड़ी को कांस्य पदक मिला, जो पिछले साल इस इवेंट में उनके पोडियम फिनिश में एक और उपलब्धि है। ये दोनों खिलाड़ी पूल-बी में अजेय रहते हुए शानदार फॉर्म के साथ नॉकआउट राउंड में पहुंचे थे। उन्होंने सिंगापुर और दक्षिण कोरिया की दो जोड़ियों को हराकर ग्रुप में टॉप किया था।

विमेंस टी-20 वर्ल्डकप: बांग्लादेश से हारकर पाकिस्तान बाहर

इंग्लैंड ने हेडिंग्ले में स्कॉटलैंड को और ऑस्ट्रेलिया ने नीदरलैंड्स को हराया

हेडिंग्ले (इंग्लैंड), 21 जून (एजेंसियां)। महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में तीन मुकाबले खेले गए। दिन के सबसे बड़े उलटफेर में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 23 रन से हराकर टूर्नामेंट से लगभग बाहर कर दिया। लगातार तीसरी हार के साथ पाकिस्तान की टीम अपने दो ग्रुप मैच बाकी रहते ही नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो गई।

साउथैम्प्टन के रोज बाउल में खेले गए मुकाबले में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 123 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 8 विकेट पर 100 रन ही बना सकी। बांग्लादेश की तीन मैचों में यह दूसरी जीत रही, जबकि पाकिस्तान को लगातार तीसरी हार झेलनी पड़ी।

दिन के तीसरे मुकाबले में इंग्लैंड ने हेडिंग्ले में स्कॉटलैंड को 38 रन से हराया। इंग्लैंड ने 5 विकेट पर 200 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया, जिसमें सोफिया

डंकली ने 57 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। जवाब में स्कॉटलैंड की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 162 रन ही बना सकी।

दिन के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने नीदरलैंड को 98 रन से हराया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टूर्नामेंट में अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखा।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने शुरुआती पांच ओवर में ही तीन विकेट गंवा दिए और पावरप्ले के बाद स्कोर 3 विकेट पर 24 रन था। इसके बाद कप्तान निगार सुल्ताना और सोभना मोस्तारी ने चौथे विकेट के लिए 35 रन जोड़कर पारी को संभाला। मोस्तारी 22 रन बनाकर आउट हुईं।

अंतिम ओवरों में शोर्ना अख्तर ने 22 गेंदों पर 39 रन की तेज पारी खेली, जिससे बांग्लादेश 6 विकेट पर 123 रन तक पहुंच गया। टीम ने आखिरी चार ओवर में 43 रन जोड़े। पाकिस्तान की ओर से कप्तान फातिमा सना ने 4 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि नशरा संधू ने 4 ओवर में सिर्फ 14 रन खर्च किए।

124 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान को मुनीबा अली और गुल फिरोजा ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 45 गेंदों में 49 रन जोड़े। हालांकि साझेदारी टूटते ही पाकिस्तान की पारी बिखर गई और लगातार विकेट गिरते रहे।

गुल फिरोजा 18 गेंदों पर 23 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि मुनीबा अली ने 25 रन बनाए। इनके अलावा आयशा जफर (11) और कप्तान फातिमा सना (10) ही दोहरे अंक तक पहुंच सकीं। नतीजतन पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 100 रन ही बना सकी।

बांग्लादेश की जीत में गेंदबाजों की अहम भूमिका रही। संजीदा अख्तर और नाहिदा अख्तर ने 3-3 विकेट झटके। संजीदा ने 21 रन और नाहिदा ने 18 रन देकर यह सफलता हासिल की। इसके अलावा राबिया खान और रितु मोनी को 1-1 विकेट मिला।

टेस्ट क्रिकेट में रूट के 14,000 रन पूरे

तेंदुलकर के बाद दूसरे खिलाड़ी; इंग्लैंड को पांचवें दिन चाहिए 281 रन

लंदन, 21 जून (एजेंसियां)। लंदन के ओवल मैदान पर इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में 14,000 रन पूरे कर लिए हैं। वे इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बने हैं। उनसे पहले केवल भारत के सचिन तेंदुलकर ही टेस्ट क्रिकेट में 14,000 से ज्यादा रन बना सके थे।

चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक रूट 75 रन बनाकर नाबाद थे। हालांकि मैच में न्यूजीलैंड की स्थिति मजबूत बनी हुई है। 463 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने दिन का खेल खत्म होने तक 5 विकेट पर 182 रन बनाए हैं। मेजबान टीम को जीत के लिए अभी 281 रन और बनाने हैं, जबकि न्यूजीलैंड को जीत के लिए सिर्फ 5 विकेट की जरूरत है।

463 रन के लक्ष्य के सामने इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब

रही। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन ने मैच के शुरुआती ओवरों में ही दोहरा झटका देकर इंग्लैंड को संकट में डाल दिया। सलामी बल्लेबाज एमिलियो गे को मैच के पहले ही ओवर में मैट हेनरी की गेंद पर जीवनदान मिला, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा सके और केवल 11 रन बनाकर फॉरवर्ड स्क्वायर लेग पर कैच थमा बैठे। इसके बाद जैमीसन ने जैकब बेथेल को अंदर आती गेंद पर एलबीडब्ल्यू कर पवेलियन भेजा।

बेन डकेट भी ज्यादा देर टिक नहीं सके और विल ओ'रूर्के की गेंद पर पुल शॉट खेलने के प्रयास में शॉर्ट मिडविकेट पर आसान कैच दे बैठे। केवल 40 रन पर 3 विकेट गिर जाने के बाद इंग्लैंड की टीम पूरी तरह दबाव में आ गई।

तीन विकेट जल्दी गिर जाने के बाद जो रूट और हैरी ब्रूक ने पारी को संभाला और तेजी से रन बनाए। ब्रूक ने अपने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और महज 33 गेंदों में अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। चायकाल के बाद ब्रूक ने जैमीसन की गेंद पर मिड-ऑफ के ऊपर से शानदार शॉट लगाया। दोनों के बीच अच्छी साझेदारी पनप रही थी, लेकिन न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने रनों की गति पर अंकुश लगाने की रणनीति अपनाई। मैट हेनरी ने अपने दूसरे स्पैल में बेहतरीन गेंदबाजी (6 ओवर में 10 रन, 1 विकेट) करते हुए इस साझेदारी को तोड़ा। हैरी ब्रूक 54 रन बनाकर हेनरी की गेंद पर स्लिप में डेरिल मिचेल को कैच दे बैठे।

ओवल टेस्ट में इंग्लैंड की कमजोर बल्लेबाजी के बीच अगले मैच के लिए अच्छी खबर आ रही है। नियमित कप्तान बेन स्टोक्स ट्रेंट ब्रिज में होने वाले अगले टेस्ट मैच में वापसी कर सकते हैं। स्टोक्स फिलहाल ओवल से करीब 300 मील दूर डरहम के लिए नॉर्थम्पटनशायर के खिलाफ घरेलू मैच खेल रहे हैं, जहां उन्होंने 95 रनों की शानदार पारी खेली है। उनकी गैरमौजूदगी में इंग्लैंड का मिडिल ऑर्डर इस मैच में बिखरता हुआ नजर आया।

मौजूदा फुटबॉल विश्व कप में गोल की बौछार

1958 के बाद सबसे तेजी से पूरा हुआ 100 गोल का आंकड़ा

हुआस्टन, 21 जून (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप 2026 का खुमार पूरी दुनिया पर छा चुका है। मौजूदा टूर्नामेंट में ग्रुप चरण के करीब आधे मैच हो चुके हैं और धीरे-धीरे नॉकआउट

की तस्वीर साफ हो रही है। मौजूदा फुटबॉल विश्व कप इतिहास के पन्नों में भी अपना नाम दर्ज करा रहा है। इस टूर्नामेंट में गोलों की ऐसी बरसात हो रही है कि इसने पिछले 68 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 2026 का यह विश्व कप साल 1958 के बाद से सबसे तेजी से 100 गोल के आंकड़े तक पहुंचने वाला टूर्नामेंट बन गया है। इस ऐतिहासिक मुकाम को टूर्नामेंट के महज 33वें मैच में ही हासिल कर लिया गया। फीफा विश्व कप के 33वें मैच में नीदरलैंड का सामना स्वीडन से हुआ। इस मैच में नीदरलैंड ने स्वीडन को 5-1 से शिकस्त दी। इस मैच में नीदरलैंड की ओर से तीसरा गोल करते ही लिवरपूल के फॉरवर्ड खिलाड़ी कॉडी गैक्पो ने इतिहास रच दिया। उनका यह गोल इस टूर्नामेंट का 100वां गोल (शतक) साबित हुआ। इस समय अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में खेले जा रहे इस विश्व कप में प्रति मैच औसतन 3.09 गोल हो रहे हैं। गोल होने की इसी रफ्तार को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यह टूर्नामेंट आसानी से 300 गोल के जादुई आंकड़े को पार कर जाएगा।

हार्दिक पांड्या के बाद सूर्या भी छोड़ेंगे एमआई ?

दो टीमों से मिला कप्तानी का ऑफर ! हुआ चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई, 21 जून (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल 2026 भूलने लायक रहा. 2020 के बाद एमआई ने कोई भी ट्रॉफी नहीं जीती है और अब उन्होंने टीम में बड़े-बड़े बदलाव करने का प्लान बना लिया है. कुछ हफ्तों पहले खबर आई थी कि हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस छोड़ने वाले हैं. अब सूर्यकुमार यादव का भी मुंबई की फ्रेंचाइजी के साथ सफर खत्म हो सकता है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें दो टीमों से कप्तानी का ऑफर मिला है.

सूर्यकुमार यादव सालों से मुंबई इंडियंस का हिस्सा हैं और टीम के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक हैं. रेवस्पोर्ट्ज ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि सूर्यकुमार यादव भी टीमों की नजरों में हैं. सूर्या 35 साल के हो गए हैं और उनकी

फॉर्म में भी गिरावट आई है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'मुंबई इंडियंस उन्हें बाहर करने के लिए तैयार दिखाई दे रही है, ऐसे में उनके लिए ट्रेड डील से इनकार नहीं किया जा सकता है. नॉर्थ और ईस्ट की आईपीएल फ्रेंचाइजी सूर्या को अपनी टीम में लाने और कप्तान बनाने के लिए उत्सुक है.'

हार्दिक पांड्या के मुंबई इंडियंस छोड़ने की अटकलें लगाई जा रही हैं. रेवस्पोर्ट्ज के मुताबिक, हार्दिक की टीम राजस्थान रॉयल्स से ट्रेड को लेकर बातचीत कर रही है. उनकी जगह मुंबई इंडियंस में यशस्वी जायसवाल को शामिल करने की चर्चा है. रोहित शर्मा अपने करियर के अंतिम चरण में हैं. ऐसे में मुंबई इंडियंस को एक युवा टॉप ऑर्डर बल्लेबाज की जरूरत है. यह कमी जायसवाल पूरी कर सकते हैं.

रिपोर्ट में बताया गया है कि आईपीएल 2027 रोहित शर्मा का मुंबई इंडियंस में आखिरी सीजन हो सकता है. अभी यह तय नहीं है कि इसके बाद उनका टीम में क्या किरदार होगा. अगले हफ्ते मुंबई इंडियंस की रिव्यू मीटिंग होने जा रही है, जिसमें मुख्य अधिकारी और कुछ खिलाड़ी भी मौजूद रहेंगे. देखना होगा कि टीम मैनेजमेंट क्या फैसले लेता है.

जर्मनी फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट दौर में पहुंचा

न्यू जर्सी, 21 जून (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप-ई में दो मुकाबले खेले गए। पहले मैच में चार बार की चैंपियन जर्मनी ने आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराकर नॉकआउट में जगह पक्की कर ली। टोरंटो में खेले गए इस मुकाबले में जर्मनी एक समय 0-1 से पीछे था, लेकिन सब्स्टीट्यूट डेनिज उंदाव ने दूसरे हाफ में दो गोल कर टीम को शानदार जीत दिलाई। उन्होंने 68वें मिनट में बराबरी का गोल किया और फिर इंजरी टाइम (94वें मिनट) में विजयी गोल दागा।

दिन के दूसरे मुकाबले में कुरासाओ और इक्वाडोर के बीच मैच 0-0 से ड्रॉ रहा। इस परिणाम के साथ कुरासाओ ने फीफा वर्ल्ड कप इतिहास का अपना पहला अंक हासिल किया। टीम के गोलकीपर एलॉय रूम जीत के नायक रहे, जिन्होंने पूरे मैच में 15 शानदार सेव कर इक्वाडोर को गोल करने से रोके रखा। उनके दमदार प्रदर्शन की बदौलत कुरासाओ ने मजबूत दक्षिण अमेरिकी टीम को ड्रॉ पर रोक दिया। इस ड्रॉ के साथ ही कुरासाओ की टीम की अगले दौर (लास्ट 32) में पहुंचने की उम्मीदें जिंदा हैं, जबकि इक्वाडोर की टीम पर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडराने लगा है। आइवरी कोस्ट ने 30वें मिनट में कप्तान फ्रैंक केसी के गोल से बढ़त बनाई थी और पहले हाफ तक 1-0 से आगे रही। इससे पहले 22वें मिनट में जर्मनी का अलेक्सांद्र पावलोविच का गोल फाउल के कारण रद्द कर दिया गया था। इसके बाद काय हावर्त्ज का एक और गोल भी मान्य नहीं हुआ।

दूसरे हाफ में जर्मनी के कोच जूलियन नागल्समैन ने 60वें मिनट में तीन बदलाव किए। इनमें शामिल डेनिज उंदाव और नादीम अमीरी ने तुरंत असर दिखाया। अमीरी के क्रॉस पर उंदाव ने 68वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया।

योग समग्र स्वास्थ्य के लिए एक कालातीत उपहार है: राज्यपाल

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि योग मानवता के लिए भारत का एक शाश्वत उपहार और समग्र कल्याण का एक शक्तिशाली साधन है। उन्होंने कहा कि यह प्राचीन विद्या शारीरिक शक्ति, मानसिक लचीलापन और आध्यात्मिक संतुलन को पोषित करती है।राज्यपाल ने रविवार को लोक भवन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लिया। राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव एम. दाना किशोर, संयुक्त सचिव शशिकिरण कोमांदुर, उप सचिव जी. पल्लवी सहित वरिष्ठ अधिकारियों और लोक भवन के कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आज के इस दौर में, जब जीवनशैली तेजी से भाग रही है और तनाव बढ़ता जा रहा है, योग आंतरिक शांति, आत्म-अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा का मार्ग प्रशस्त करता है। योग को भारत की शाश्वत ज्ञान परंपरा का एक उज्ज्वल प्रतीक बताते हुए उन्होंने कहा कि आज यह स्वास्थ्य, सद्भाव और मानव कल्याण को बढ़ावा देने वाला एक वैश्विक आंदोलन बन चुका है। शिव प्रताप शुक्ल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को विश्वव्यापी मान्यता दिलाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की, जिसने दुनिया भर के लाखों लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया है।राज्यपाल ने कहा, "योग महज एक शारीरिक व्यायाम नहीं है; यह शरीर, मन और आत्मा के बीच गहरे संबंध का उत्सव है। यह भारत की प्राचीन विरासत है जो स्वास्थ्य, संतुलन और सार्वभौमिक कल्याण के संदेश से दुनिया को रोशन करती रहती है।" उन्होंने नागरिकों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान करते हुए लोगों से आग्रह किया कि वे इसे एक वार्षिक आयोजन के रूप में देखने के बजाय इसे जीवन भर के अभ्यास के रूप में अपनाएं। आर्ट ऑफ लिविंग के प्रयासों की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह संगठन तनावमुक्त, हिंसामुक्त समाज के निर्माण और शांति एवं खुशहाली की संस्कृति को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है।

तेलंगाना की सभी जेलों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के कारागार एवं सुधार सेवा विभाग ने रविवार को डॉ. सौम्या मिश्रा, महानिदेशक, के नेतृत्व में तेलंगाना राज्य की सभी जेलों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 को बड़े उत्साह के साथ मनाया। उत्सव के उपलक्ष्य में, कैदियों के बीच शारीरिक तंदुरुस्ती, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 10 जून से सभी जेलों में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। ये कार्यक्रम विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों के सहयोग से संचालित किए गए। डॉ. सौम्या मिश्रा ने चेरलापल्ली स्थित केंद्रीय जेल में आयोजित समारोह में भाग लिया, जहां बड़ी संख्या में कैदियों ने सामूहिक योग सत्र में हिस्सा लिया।सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि योग शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक दृढ़ता, भावनात्मक स्थिरता और आत्म-अनुशासन में सुधार का एक शक्तिशाली साधन है।

केटीआर पर टिप्पणियों को लेकर बीआरएस का कांग्रेस पर हमला

कांग्रेस नेता मैनमपल्ली से माफी की मांग

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने कांग्रेस नेता मैनमपल्ली हनुमंतराव द्वारा पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव (केटीआर) और बीआरएस नेतृत्व पर की गई टिप्पणियों की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें तत्काल माफी मांगने की मांग की है।तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में बीआरएस विधायक दल के व्हिप के. पी. विवेकानंद ने कहा कि पार्टी एसआईआर और सदस्यता अभियान को लेकर तैयारी बैठकें आयोजित कर रही है तथा जनता एक बार फिर के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व को चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस को मिल रहे जनसमर्थन से कांग्रेस नेता परेशान हैं और पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। विवेकानंद ने कहा कि बीआरएस कांग्रेस सरकार के कथित घोटालों को सबूतों के साथ जनता के सामने ला रही है। उन्होंने मैनमपल्ली हनुमंतराव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें बीआरएस ने अनेक अवसर दिए, लेकिन अब वे पार्टी नेतृत्व के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि माइनमपल्ली को अपनी भाषा पर संयम रखना चाहिए और अपने बयान वापस लेने चाहिए। पूर्व उपाध्यक्ष पद्मा देवेंद्र रेड्डी ने कहा कि राज्य की जनता आज भी केसीआर के शासन को बेहतर मानती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता केसीआर और केटीआर पर व्यक्तिगत टिप्पणियां कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी केवल मामलों और एसआईटी जांचों तक सीमित होकर रह गए हैं, जबकि मेडक सहित कई क्षेत्रों में विकास कार्य ठप पड़े हैं। पद्मा देवेंद्र रेड्डी ने कहा कि मेडक और मलकाजगिरि क्षेत्रों की समस्याओं पर ध्यान देने के बजाय कांग्रेस नेता व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बीआरएस नेतृत्व पर व्यक्तिगत हमले जारी रहे तो पार्टी चुप नहीं बैठेगी। पूर्व निगम अध्यक्ष मन्ने कृष्णांक ने कहा कि मैनमपल्ली स्वयं को बड़ा नेता समझ रहे हैं, जबकि जनता उनके दावों को गंभीरता से नहीं ले रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता केटीआर के खिलाफ झूठा प्रचार कर रहे हैं। कृष्णांक ने कहा कि राज्य में कांग्रेस की सरकार पूरी तरह विफल साबित हो रही है और जनता उसके कामकाज से निराश है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा बीआरएस नेताओं को धमकाने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन पार्टी कार्यकर्ता और नेता किसी भी दबाव से डरने वाले नहीं हैं। पूर्व निगम अध्यक्ष नंदिकांति श्रीधर ने कहा कि लोकतंत्र में व्यक्तिगत संघर्षों और धमकियों के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने माइनमपल्ली को सलाह दी कि वे मलकाजगिरि क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं पर ध्यान दें। श्रीधर ने कहा कि हैदराबाद का विकास केटीआर के कार्यकाल में हुआ, जिसे जनता भी स्वीकार करती है। यदि कांग्रेस के पास क्षमता है तो उसे इससे बेहतर विकास करके दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीआरएस द्वारा उठाए जा रहे जनहित के मुद्दों का जवाब देने के बजाय कांग्रेस नेता व्यक्तिगत हमलों का सहारा ले रहे हैं। मैनमपल्ली को जिम्मेदारी से बयान देना चाहिए और अपनी राजनीतिक गरिमा बनाए रखनी चाहिए।

20 दिन से लापता 14 वर्षीय किशोरी का नहीं लगा सुराग

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। फलकनुमा थाना क्षेत्र के टीगलकुंटा इलाके से 20 दिन पहले लापता हुई 14 वर्षीय किशोरी का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। शिफा खान नाम की किशोरी 31 मई की रात अपने घर में सोई थी, लेकिन अगली सुबह उसकी मां हीना बेगम ने देखा कि वह घर से गायब है। इसके बाद परिवार ने तुरंत पुलिस से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों का कहना है कि उन्होंने पुलिस को कुछ संदिग्धों के इंस्टाग्राम अकाउंट की जानकारी और कुछ फोन नंबर समेत कई सुराग उपलब्ध कराए हैं, लेकिनअब तक किशोरी का कोई पता नहीं चल सका है। किशोरी की मां हीना बेगम ने बताया कि परिवार ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से मामले की गंभीरता से जांच कराने और लड़की का पता लगाने के लिए विशेष टीम गठित करने की मांग की है। परिवार अपनी बेटी की सुरक्षित वापसी का इंतजार कर रहा है।

ऐप आधारित यूरिया बुकिंग प्रणाली के खिलाफ किसानों का प्रदर्शन

निजामाबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार से ऐप आधारित यूरिया बुकिंग प्रणाली को समाप्त करने की मांग को लेकर रविवार को कामारेड्डी जिले के उप्पलवाई में किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप है कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद यूरिया की बोरियों की आपूर्ति प्रभावित हुई है और उन्हें समय पर खाद नहीं मिल पा रही है। किसानों ने कहा कि ऐप पर उपलब्ध कराई जा रही जानकारी भ्रामक है और अधिकारियों द्वारा बताई जा रही उपलब्ध मात्रा तथा वास्तविक आपूर्ति में अंतर है। उनका आरोप है कि कई बार अधिकारी यूरिया की उपलब्धता से संबंधित जानकारी साझा नहीं करते, जिसके कारण उन्हें विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। प्रदर्शन कर रहे किसानों ने मांग की कि सभी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार ऐप आधारित यूरिया बुकिंग प्रणाली को रद्द कर पारंपरिक मैनुअल वितरण व्यवस्था को फिर से लागू करे।

मूसी परियोजना के नाम पर गरीबों के घर तोड़े जा रहे हैं : केटीआर

राजेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार की मूसी नदी परियोजना के कारण बड़े पैमाने पर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों का विस्थापन हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री महात्मा गांधी के नाम पर विनाश की राजनीति कर रहे हैं। राजेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए केटीआर ने कहा कि मूसी परियोजना के तहत घरों को तोड़े जाने का विरोध स्वयं महात्मा गांधी के पौत्र भी कर चुके हैं। इसके बावजूद सरकार हजारों परिवारों को बेघर करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री द्वारा महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित करने के प्रस्ताव पर कटाक्ष करते हुए केटीआर ने कहा कि यदि सरकार वास्तव में गांधीजी के विचारों का सम्मान करती है तो उसे गरीबों के घरों को तोड़ना बंद करना चाहिए और बिना किसी विस्थापन के प्रतिमा स्थापित करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विस्थापन की आशंका से परेशान बच्चों तक ने अपने गुल्लकों की बचत सरकार को देने की पेशकश की, ताकि उनके घर बचाए जा सकें, लेकिन सरकार ने उनकी भावनाओं की अनदेखी की। केटीआर ने भारतीय जनता पार्टी पर भी कांग्रेस सरकार का समर्थन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक ओर स्थानीय भाजपा नेता परियोजना का विरोध कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार इसके लिए आवश्यक मंजूरियां दे रही है। उन्होंने केंद्रीय नेताओं और का उल्लेख करते हुए भाजपा की भूमिका पर सवाल उठाए। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को क्रमशः "बड़े भाई" और "छोटे भाई" बताते हुए केटीआर ने आरोप लगाया कि दोनों नेता मूसी नदी के किनारे भूमि अधिग्रहण और ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया में साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने पूछा कि यदि प्रधानमंत्री वास्तव में गरीबों के हितैषी हैं तो वे कथित अन्याय और भूमि अधिग्रहण को क्यों नहीं रोकते। बीआरएस नेता ने कहा कि कांग्रेस सरकार पिछले ढाई वर्षों से चुनावी वादों को पूरा करने के लिए धन की कमी का हवाला देती रही है, लेकिन मूसी परियोजना पर लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये खर्च करने को तैयार है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह परियोजना कमीशनखोरी के उद्देश्य से तैयार की गई है। केटीआर ने दावा किया कि तेलंगाना में भ्रष्टाचार बढ़ गया है और राज्य को "माफिया राज्य" की तरह चलाया जा रहा है। उन्होंने राजेंद्रनगर क्षेत्र में सरकारी भूमि के कथित हस्तांतरण और भूमि कब्जों के मामलों की जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का कार्यकाल पूरी तरह विफल साबित हुआ है और जनता राजनीतिक बदलाव का इंतजार कर रही है। केटीआर ने विश्वास जताया कि आगामी चुनावों में बीआरएस अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी दोबारा सत्ता में लौटेगी। बैठक के दौरान केटीआर ने पार्टी कार्यकर्ताओं को सदस्यता अभियान और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के संबंध में भी दिशा-निर्देश दिए।

तेलंगाना भाजपा ने राहुल गांधी से मुलाकात के लिए मुख्यमंत्री से मदद मांगी

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता) । मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर पलटवार करते हुए, जिन्होंने केंद्रीय मंत्रियों और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलने का समय पाने के लिए केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी की मदद मांगी थी, भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने रविवार को उन्हें एक खुला पत्र लिखकर लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मिलने का समय मांगा ताकि तेलंगाना की जनता से किए गए अधूरे वादों और गारंटियों के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा जा सके।पत्र में राव ने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी द्वारा दिए गए व्यक्तिगत आश्वासनों और गारंटियों के आधार पर कांग्रेस पार्टी पर भरोसा जताया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के गठन के बावजूद, महिलाओं, किसानों, छात्रों, युवाओं, बुजुर्गों, कृषि श्रमिकों और गरीब परिवारों से किए गए कई महत्वपूर्ण वादे अभी भी पूरे नहीं हुए हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि महिलाएं अभी भी अपेक्षित 2,500 रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता का इंतजार कर रही हैं, जबकि किसान रैतू भरोसा योजना के तहत वादा किए गए 15,000 रुपये प्रति एकड़ की सहायता का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिहाड़ी किसान, कृषि मजदूर और इंदिराम्मा आवास की उम्मीद रखने वाले गरीब परिवारों को भी निराशा ही हाथ लगी है। छात्रों और युवाओं के संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए राव ने बताया कि विद्या भरोसा योजना के तहत वादा की गई 5 लाख रुपये की सहायता अभी तक नहीं मिली है। छात्र अभी भी फीस वापसी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, और बेरोजगार युवा अभी भी 4,000 रुपये के मासिक बेरोजगारी भत्ते का इंतजार कर रहे हैं, जिसका राहुल गांधी ने बार-बार वादा किया था।उन्होंने आरोप लगाया कि वरिष्ठ नागरिक भी अभी तक अपनी 4,000 रुपये की मासिक पेंशन का इंतजार कर रहे हैं और अकेली महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए वित्तीय सहायता बढ़ाने के वादे के बावजूद, इसे अभी तक लागू नहीं किया गया है।

सीपी ने वन-वे ट्रायल रन का निरीक्षण किया

यातायात व्यवस्था सुधारने की दिशा में पहल

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी इनोवेटिव एंड ट्रांसफॉर्मेटिव इंफ्रास्ट्रक्चर (एच-सिटी) परियोजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों के मद्देनजर रविवार को बंजारा हिल्स और जुबली हिल्स क्षेत्र में स्थित केबीआर पार्क के आसपास दूसरे वन-वे ट्रायल रन का आयोजन किया गया। इस दौरान शहर के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने स्वयं मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया। पुलिस आयुक्त ने ट्रैफिक संयुक्त आयुक्त , ट्रैफिक डीसीपी काजल तथा जुबली हिल्स जोन के डीसीपी रमणा रेड्डी सहित अन्य अधिकारियों के साथ केबीआर पार्क मुख्य द्वार, बसवतारकम अस्पताल, अग्रसेन जंक्शन, फिल्मनगर, रोड नंबर-45 और जुबली हिल्स चेकपोस्ट तक विभिन्न प्रमुख चौराहों का दौरा कर यातायात की स्थिति का जायजा लिया। इस अवसर पर सज्जनार ने कहा कि भविष्य में बढ़ने वाले यातायात दबाव को ध्यान में रखते हुए यह ट्रायल रन आयोजित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य ट्रैफिक समस्याओं का स्थायी समाधान तलाशना है। उन्होंने बताया कि इससे पहले 5 अप्रैल को दो घंटे का पहला ट्रायल रन आयोजित किया गया था और उस दौरान सामने आई कमियों को दूर करने के बाद दूसरा ट्रायल रन शुरू किया गया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह ट्रायल रन रविवार रात 8 बजे तक ही लागू रहेगा और सोमवार सुबह से यातायात व्यवस्था सामान्य रूप से संचालित होगी। ट्रायल रन के दौरान उत्पन्न होने वाली समस्याओं का लगातार अध्ययन किया जा रहा है। सज्जनार ने बताया कि केबीआर पार्क के आसपास भविष्य में सात फ्लाईओवर और सात अंडरपास विकसित किए जाएंगे। नई वन-वे व्यवस्था के कारण यात्रा की दूरी कुछ बढ़ सकती है, लेकिन इससे ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी और वाहन सुचारु रूप से चल सकेंगे। उन्होंने वाहन चालकों से पुलिस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और संकेतक बोर्डों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में लंबित सिविल कार्यों को शीघ्र पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही आसपास के अस्पतालों के साथ समन्वय स्थापित कर एंबुलेंसों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी। ट्रैफिक संयुक्त आयुक्त जोएल डेविस ने बताया कि ट्रायल रन के दौरान कुछ स्थानों पर लेन परिवर्तन के कारण कठिनाइयों का पता चला है। स्थायी व्यवस्था लागू करने से पहले इन समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जुबली हिल्स चेकपोस्ट और केबीआर पार्क के बीच लगभग 150 मीटर का इंटरचेंज क्षेत्र विकसित करने की योजना है, जिससे वाहन आसानी से लेन बदल सकें। उन्होंने यह भी बताया कि पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए चेकपोस्ट और केबीआर पार्क क्षेत्र में पैदल यात्री संकेतकों (पैडेस्ट्रियन सिग्नल) की स्थापना पर विशेषज्ञों से अध्ययन कराया जा रहा है। वर्तमान में ड्रोन की सहायता से ट्रैफिक व्यवस्था की निगरानी की जा रही है और पूरी जानकारी जुटाने के बाद ही स्थायी बदलाव लागू किए जाएंगे। पुलिस अधिकारियों ने शहर के विकास और सुगम यातायात व्यवस्था के लिए नागरिकों एवं वाहन चालकों से सहयोग की अपील की।

योग विश्व को दी गई सभ्यतागत देन : रामचंदर राव

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष ने कहा कि योग भारत की ओर से विश्व को दिया गया एक अनमोल सभ्यतागत उपहार है, जो आज वैश्विक जनआंदोलन का रूप ले चुका है।इंदिरा पार्क में आयोजित 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए रामचंदर राव ने कहा कि आज पूरी दुनिया उत्साह के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है और प्रधानमंत्री के प्रयासों से इसे वैश्विक पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाती है। वर्तमान समय की भागदौड़ भरी जीवनशैली में तनाव, अवसाद और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में योग एक प्राकृतिक और प्रभावी समाधान प्रदान करता है। रामचंदर राव ने कहा कि आज लोग छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए भी दवाइयों पर निर्भर हो जाते हैं, जबकि नियमित योगाभ्यास से स्वस्थ, शांतिपूर्ण और संतुलित जीवन जिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि योग मानसिक दृढ़ता बढ़ाने के साथ-साथ समग्र स्वास्थ्य में भी सुधार करता है। उन्होंने नागरिकों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। विशेष रूप से विद्यार्थियों और युवाओं से उन्होंने नियमित रूप से योग करने का आग्रह किया। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि कई विद्यालय भी छात्रों को योग के प्रति प्रोत्साहित कर रहे हैं, जिससे बचपन से ही स्वस्थ जीवनशैली की आदत विकसित हो रही है।रामचंदर राव ने कहा, ₹योग स्वस्थ शरीर, शांत मन और सशक्त समाज की आधारशिला है। प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवाओं को योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।₹ बारिश के बावजूद सफलतापूर्वक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए उन्होंने जिला अध्यक्ष और आयोजन समिति के सभी सदस्यों को बधाई दी।

हैदराबाद भवन में मनाया गया 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद भवन के गुलिस्तान में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही उत्साह और भारी संख्या में लोगों की मौजूदगी के साथ मनाया गया। योग की सदियों पुरानी परंपरा के वैश्विक महत्व को दिखाते हुए, इस आयोजन में रेलवे अधिकारियों, दक्षिण मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन की महिला नेताओं और कर्मचारी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा और अपर मंडल रेल प्रबंधक डी.एस. रामाराव ने इस उत्सव का नेतृत्व किया। उनके साथ दक्षिण मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, हैदराबाद मंडल की अध्यक्षा आशा वर्मा और उपाध्यक्ष डी.वाई. सुनीता भी उपस्थित रहीं। रेलवे बिरादरी की दैनिक दिनचर्या में समग्र कल्याण को शामिल करने पर जोर देते हुए, सभी शाखा अधिकारियों, दक्षिण मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन के सदस्यों और कर्मचारी ने सुबह के इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश के नाम सीधे प्रसारण का सामूहिक अवलोकन शामिल था। अपने संबोधन में, प्रधानमंत्री ने इस वर्ष के विषय (थीम) ₹स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग₹ के महत्व पर विशेष बल दिया, और यह रेखांकित किया कि कैसे नियमित अभ्यास जीवन के सभी चरणों में शारीरिक जीवन-शक्ति और मानसिक लचीलेपन को बनाए रखता है। लाइव प्रसारण से प्रेरित होकर, उपस्थित लोगों ने प्रसिद्ध योग गुरु श्री के. श्रीनिवास के नेतृत्व में आयोजित एक व्यावहारिक सत्र में भाग लिया।

दक्षिण मध्य रेलवे में योग दिवस का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 21 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने रविवार को 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित इंडोर स्टेडियम, सिकंदराबाद में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त महाप्रबंधक सत्य प्रकाश मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी सिद्धार्थ काटी, विभिन्न विभागों के प्रधान विभागाध्यक्ष, अधिकारी, कर्मचारी, स्काउट्स एवं गाइड्स, स्कूली छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में योग प्रेमियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध योग शिक्षक एवं आर्ट ऑफ लिविंग सोसायटी, हैदराबाद के राज्य समन्वयक मुरारी मोहन के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दक्षिण मध्य रेलवे के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर भी किया गया, जिससे रेलवे जोन के अन्य कर्मचारी और नागरिक वर्चुअल माध्यम से इसमें शामिल हो सके। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम ₹स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग₹ रखी गई है। यह विषय बढ़ती आयु के साथ बेहतर स्वास्थ्य, गतिशीलता, आत्मनिर्भरता और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने में योग की भूमिका को रेखांकित करता है। साथ ही यह सक्रिय जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के विश्व स्वास्थ्य संगठन के उद्देश्यों के अनुरूप है।योग सत्र के दौरान मुरारी मोहन ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि योग जीवन का उत्सव है, जो शरीर को विषमुक्त, मन को तनावमुक्त और आत्मा को ऊर्जावान बनाता है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच पूर्ण सामंजस्य स्थापित करने का मार्ग है। अतिरिक्त महाप्रबंधक सत्य प्रकाश ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को योग संकल्प दिलाया और दैनिक जीवन में योग को अपनाकर बेहतर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने योग सत्र के सफल संचालन और तनावमुक्त जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण विचार साझा करने के लिए मुरारी मोहन की सराहना की। इससे पूर्व सत्य प्रकाश एवं अन्य अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के मुख्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी देखा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ भाग लेकर योग प्रेमियों को संबोधित किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence[illegible], Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.